door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 339 | गुवाहाटी | मंगलवार, 9 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम में स्वर्गीय टीचरों का भी कट रहा वेतन, रिटायर्ड टीचरों की लग रही हाजिरी ? पेज 3
भारत शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहायक भूमिका निभाने का... पेज 4
अखिलेश की सरकार में कई सौ करोड़ रुपए के फंड से बनी मंडियों में लटक रहे ताले पेज 5
सरकार बनाने के कौन देख रहा है दिन में सपने थोड़े दिन में चल जाएगा ... पेज 8

मणिपुर में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात के बाद बोले राहुल गांधी

ग्राउंड लेवल पर कोई इंप्रूवमेंट नहीं, पीएम यहां आएं और लोगों की बात सुनें

इंफाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को मणिपुर के जिरीबाम और चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया। यह यात्रा गांधी की हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य की तीसरी यात्रा है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद संभालने के बाद पहली यात्रा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ, गांधी की यात्रा मणिपुर की दोनों लोकसभा सीटों पर कांग्रेस की शानदार जीत के बाद हो रही है। पिछले साल मई से राज्य जातीय हिंसा से तबाह हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप 200 से अधिक मौतें हुई हैं और अनगिनत निवासी विस्थापित हुए हैं, जो अब इन राहत शिविरों में शरण ले रहे हैं। इसके साथ ही राहुल गांधी ने इंफाल के राजभवन में मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया से कहा कि समस्या शुरू होने के बाद से यह तीसरी बार है जब मैं यहां आया हूं और यह एक जबरदस्त त्रासदी रही है। मैं स्थिति में कुछ सुधार की उम्मीद कर रहा था लेकिन मुझे यह देखकर निराशा हुई कि स्थिति अभी भी वैसी नहीं है जैसी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने शिविरों का दौरा किया और वहां लोगों को सुना, उनका दर्द सुना। मैं यहां उनकी बात सुनने, उनमें विश्वास पैदा करने और विपक्ष में रहने वाले व्यक्ति के रूप में सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास करने आया हूं ताकि वह कार्रवाई करे। राहुल गांधी ने कहा कि यहां समय की मांग शांति है। हिंसा हर किसी को नुकसान पहुंचा रही है। हजारों परिवारों को नुकसान पहुंचाया गया है, संपत्तियां नष्ट कर दी गई हैं, परिवार के सदस्यों को मार दिया गया है और मैंने भारत में कहीं भी नहीं देखा कि यहां क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य पूरी तरह से दो भागों में बंट गया है और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए यह एक त्रासदी है। मैं मणिपुर के सभी लोगों को बताना चाहता हूं, मैं यहां आपका भाई बनकर आया हूं, मैं यहां कोई ऐसा व्यक्ति बनकर आया हूं जो आपकी मदद करना चाहता है, जो मणिपुर में शांति वापस लाने के लिए आपके साथ काम करना चाहता है। उन्होंने कहा कि मैं जो कुछ भी कर सकता हूं वह करने को तैयार हूं, कांग्रेस पार्टी यहां शांति वापस लाने के लिए जो कुछ भी कर सकती है वह करने को तैयार है। राज्यपाल से हमारी बातचीत हुई और हमने राज्यपाल से कहा कि हम जो भी मदद कर सकते हैं, करना चाहेंगे, हमने अपनी नाराजगी भी व्यक्त की और कहा कि यहां जो प्रगति हुई है, उससे हम खुश नहीं हैं। मैं इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने में आगे नहीं बढ़ना चाहता, यह मेरा इरादा नहीं है। मैं समझता हूं कि पूरा मणिपुर दर्द में है, पीड़ित है और जितनी जल्दी हो सके इस पीड़ा से बाहर निकलने की जरूरत है...मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि शांति के बारे में सोचें, भाईचारे के बारे में सोचें और हिंसा और नफरत से समाधान नहीं होने वाला है। राहुल ने कहा कि इसलिए, अगर हम शांति के बारे में सोचना शुरू कर सकें, स्नेह के बारे में सोचना शुरू कर सकें, तो यह मणिपुर के लिए एक बहुत बड़ा -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बाढ़ से तबाही की वजह घोर कुप्रबंधन : राहुल गांधी

सिलचर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बाढ़ पीड़ितों से मिलने के लिए सोमवार को असम का दौरा किया क्योंकि राज्य में स्थिति गंभीर बनी हुई है और 28 जिलों में लगभग 23 लाख की आबादी प्रभावित है। इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और तूफान में मरने वालों की संख्या 78 थी, जिसमें अकेले बाढ़ में 66 लोगों की मौत हो गई, जबकि अधिकांश नदियों में जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। कांग्रेस नेता ने असम के फुलर्टल स्थित थलाई इन यूथ केयर सेंटर में एक राहत शिविर का दौरा किया, जहां उन्होंने पीड़ितों से मुलाकात की। इसके बाद राहुल ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि असम में बाढ़ से हुई भीषण तबाही दिल दहला देने वाली है – 8 साल के अविनाश जैसे मासूम बच्चों को हमसे छीन लिया गया। राज्य भर के सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उन्होंने कहा कि असम कांग्रेस के नेताओं ने मुझे जमीनी स्थिति से अवगत कराया: राहुल ने दावा किया कि अब तक राज्य में 60+ मौतें हुई हैं, 53,000+ विस्थापित जबकि 24,00,000 प्रभावित हुए है। ये आंकड़े भाजपा की डबल इंजन सरकार के घोर और गंभीर कुप्रबंधन को दर्शाते हैं जो *बाढ़ मुक्त असम* के वादे के साथ सत्ता में आई थी। राहुल ने कहा कि असम को अल्पावधि में उचित राहत, पुनर्वास और मुआवजे के लिए एक व्यापक और दयालु दृष्टि की आवश्यकता है, और लंबी अवधि में बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हर चीज करने के लिए एक अखिल-पूर्वोत्तर जल प्रबंधन प्राधिकरण की आवश्यकता है। मैं असम के लोगों के साथ खड़ा हूं, मैं संसद में उनका सिपाही हूं और मैं केंद्र सरकार से राज्य को शीघ्रता से हर संभव सहायता और समर्थन देने का आग्रह करता हूं। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों में सभी राहत शिविरों में पूरी व्यवस्था की गई है और -शेष पृष्ठ दो पर

SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

पहाड़ी क्षेत्र में सैन्य वाहन पर आतंकी हमला, चार जवान शहीद, छह घायल

जम्मू/कठुआ। जम्मू संभाग के जिला कठुआ के पहाड़ी इलाके में सैन्य वाहन पर आतंकियों ने हमला किया गया है। जवानों ने मौका संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की है। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। खबरों के मुताबिक, इस हमले में चार जवान बलिदान हो गए और छह जवान घायल बताए जा रहे हैं। अभी मुठभेड़ जारी है। जिला कठुआ के कंडी क्षेत्र लोहाई मल्हार में जैंडा नाला के पास आतंकियों ने सैन्य वाहन को निशाना बनाया। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबलों की अन्य टीमें भी मुठभेड़ स्थल के लिए पहुंचीं। इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। आसपास के संपर्क मार्गों को भी अलर्ट कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर का यह इलाका भारतीय सेना की 9वीं कोर के अंतर्गत आता है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों की गोलीबारी के बाद हमारे जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिक जानकारी का इंतजार है। इस बीच कुलगाम में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में बाढ़ से हालात बद से बदतर

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति सोमवार को भी गंभीर बनी हुई है। बाढ़ के कारण 28 जिलों की करीब 23 लाख आबादी प्रभावित हुई है, क्योंकि अधिकतर नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान में मरने वालों की संख्या 78 थी, जिसमें से 66 लोग अकेले बाढ़ में मारे गए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को सिलचर पहुंचे हैं। इस दौरान राहुल गांधी ने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मणिपुर जाते समय कछार जिले के फुलेरताल में बाढ़ राहत शिविर का भी दौरा किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों में सभी राहत शिविरों की अच्छी तरह से देखभाल की जा रही है और स्थिति सामान्य होने तक उनमें पर्याप्त आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध हैं। शर्मा ने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों की सुरक्षा और स्वच्छता सरकार की प्राथमिकता है और 'मेरी टीम वहां रह रहे सभी लोगों से संपर्क कर वास्तविक समय पर फीडबैक ले रही है।' वर्तमान में, 28 जिलों के 3,446 गांवों में लगभग 23 लाख लोग प्रभावित हैं, जबकि 68,432.75 हेक्टेयर फसल भूमि बाढ़ की दूसरी लहर से जलमग्न हो गई है। धुबरी में सबसे अधिक 7,54,791 लोग प्रभावित हुए हैं, इसके बाद कछार में 1,77,928 और बारपेटा में 1,34,328 लोग बाढ़ से पीडति हैं। कुल मिलाकर 53,689 लोगों ने 269 राहत शिविरों में शरण ली है, जबकि 3,15,520 गैर-राहत शिविरों में रहने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

पहले वो आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर वो आप पर हंसेंगे, फिर वो आप से लड़ेंगे, और आप जित जाएंगे।

- अज्ञात

कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा के घर हुई चोरी साजिश का संदेह

गुवाहाटी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के लखीमपुर जिले के भोगपुर स्थित आवास पर रविवार को चोरी हो गई। बोरा ने घटना के पीछे साजिश का संदेह जताया और आरोप लगाया कि चोरी उन्हें और उनके परिवार को परेशान करने का प्रयास है। बोरा ने मीडियाकर्मियों को बताया कि वह 20 साल से इस घर में रह रहे हैं और यह पहली बार है जब ऐसी घटना हुई है। उन्होंने कहा कि वह यह पता नहीं लगा पाए कि कौन-सा कीमती सामान चोरी हुआ है, क्योंकि घटना के समय वह घर पर नहीं थे। बोरा ने कहा कि मुझे संदेह है कि यह मुझे और मेरे परिवार को परेशान करने के लिए दी गई एक तरह की धमकी थी, क्योंकि लंबे समय से मैं इस तरह की असुरक्षा और हमलों का सामना कर रहा हूं। कुछ चल रहा है। इन हमलों के पीछे एक बड़ी साजिश है। मैं चाहता हूं कि पुलिस इस घटना को सामान्य चोरी के मामले के रूप में न देखे। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

सीएम ने आरक्षित वन क्षेत्र को बनाने की योजना पर चर्चा की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार (8 जुलाई) को राज्य में प्रस्तावित आरक्षित वन क्षेत्रों पर चर्चा के लिए एक बैठक की। बैठक में हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण को संरक्षित करने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा के दौरान, शर्मा ने अधिकारियों को स्थानीय बस्तियों और भूमि कवर सहित प्रस्तावित वन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों की गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने इन चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए सकारात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण की -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में मानव तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़, तीन राज्यों में फैला था नेटवर्क

गुवाहाटी। असम की गुवाहाटी पुलिस ने मानव तस्करी करने वाले बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने अंतर्राज्यीय मानव तस्करी रैकेट से जुड़े असम, बिहार और पश्चिम बंगाल के चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने दो नाबालिग लड़कियों को छुड़ाया और एक अन्य के अपहरण की कोशिश को भी नाकाम कर दिया। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त दिगंत बराह ने सोमवार को जानकारी दी कि 29 जून को भांगागढ़ पुलिस स्टेशन में एक महिला ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें महिला ने कहा था कि उसकी बेटी और एक अन्य नाबालिग लड़की लापता हो गई हैं। शिकायत के अनुसार, उसकी बेटी एक नया मोबाइल फोन मांग रही थी और मना करने पर अपनी सहेली के घर चली गई। इसके बाद, दोनों लड़कियां गायब हो गईं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि टीम ने तुरंत लड़कियों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। जांच चल रही थी, तभी एक व्यक्ति ने पीड़िता के भाई -शेष पृष्ठ दो पर

तीन नए कानून पर तमिलनाडु में बवाल

नई दिल्ली। एक जुलाई से देशभर में लागू तीन नए कानूनों के खिलाफ तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन के बाद अब राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एम सत्यनारायण समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति इन कानूनों में राज्य स्तर पर किए जाने वाले संशोधनों का अध्ययन करेगी और प्रदेश सरकार को अपनी सिफारिश भेजेगी। समिति अधिवक्ता संघों और अन्य हितधारकों से बातचीत करने के बाद एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई समेत कई शहरों में हजारों वकीलों ने केंद्र के -शेष पृष्ठ दो पर

बदायूं में पति बना अपनी ही बीवी के बच्चे का भाई

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं से ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर किसी का भी दिमाग घूम जाए। यहां एक विवाहिता अपने पति को छोड़कर कहीं गायब हो गई थी। उसका ससुर भी तभी से लापता था। पति दोनों को ढूंढता रहा। लेकिन वो कहीं नहीं मिले। सात साल बाद पति को पता चला कि उसके पिता और उसकी बीवी ने आपस में शादी कर ली है और दोनों चंदौसी में रह रहे हैं। पति ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस उन दोनों को पकड़कर थाने ले आई। तब पता चला कि बहू अपने ससुर के साथ ही चार साल पहले भाग गई थी। दोनों ने शादी भी कर ली थी और अब उनका एक बेटा भी है। विवाहिता ने कहा कि वो अपने पति से परेशान थी। वह अपनी मर्जी से ससुर के साथ भागी थी और उनसे शादी भी की थी। साथ ही ये भी कहा कि शादी के वक्त उसका पति नाबालिग था। इसलिए वो उस शादी को नहीं मानती। वो ससुर के साथ हुई शादी को ही मानती है। महिला ने ससुर संग शादी के दस्तावेज भी पुलिस को दिखाए। इस कारण पुलिस को दोनों को छोड़ना पड़ा। लेकिन यह मामला अब इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला बदायूं जिले के दबतोरी चौकी क्षेत्र का है। यहां एक युवक ने कुछ दिन पहले बिसौली पुलिस को शिकायत दी। आरोप लगाया- उसकी शादी 2016 में वजीरगंज क्षेत्र की एक युवती से हुई थी। साल भर दोनों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट ने भी माना लीक हुए हैं नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यदि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 की शुचिता नष्ट हो गई है और यदि इसके लीक प्रश्नपत्र को सोशल मीडिया के जरिये प्रसारित किया गया है तो दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देना होगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह भी कहा कि यदि प्रश्नपत्र लीक टेलीग्राम, व्हाट्सऐप और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से हो रहा है, तो यह जंगल में आग की तरह फैलेगा। पीठ ने कहा कि एक बात स्पष्ट है कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है। पीठ ने कहा कि यदि परीक्षा की शुचिता नष्ट हो जाती है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। यदि हम दोषियों की पहचान करने में असमर्थ हैं, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। साथ ही पीठ ने कहा कि यदि लीक सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। पीठ ने कहा कि जो हुआ, हमें उसे नकारना नहीं चाहिए। साथ ही पीठ ने कहा कि यह मान लें कि सरकार परीक्षा रद्द नहीं करेगी, तो वह प्रश्नपत्र लीक के लाभार्थियों की पहचान -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे रूस, गार्ड ऑफ ऑनर से हुआ स्वागत

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के लिए सोमवार को यहां पहुंचे। मॉस्को पहुंचने पर उनका गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी रूस की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। वे राष्ट्रपति पुतिन के साथ 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस यात्रा के दौरान वह द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करने तथा व्यापार, ऊर्जा एवं रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर तलाशने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता करेंगे। यह, पांच साल में मोदी की रूस की पहली और उनके तीसरे कार्यकाल की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है। इससे पहले वह 2019 में रूस गए थे जहां उन्होंने सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लिया था। मोदी और पुतिन मंगलवार को 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में व्यापार, ऊर्जा और रक्षा सहित विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार देने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे। मोदी ने रूस के लिए प्रस्थान करने से पहले एक बयान में कहा कि भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पिछले 10 वर्षों में और बढ़ी है, जिसमें ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और लोगों से लोगों का संपर्क आदि क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मैं, मेरे मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और विभिन्न क्षेत्रीय एवं वैश्विक मामलों पर दृष्टिकोण साझा करने को लेकर आशान्वित हूं। उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्ण एवं स्थिर क्षेत्र के लिए सहायोगात्मक भूमिका निभाना चाहते हैं। भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में सर्वोच्च संस्थागत संवाद तंत्र है। भारत और रूस में अभी तक बारी-बारी से 21 वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित

हो चुके हैं। आखिरी शिखर सम्मेलन छह दिसंबर 2021 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए थे। रूस के राष्ट्र प्रमुख के रूप में पुतिन नौ बार भारत की यात्रा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने आखिरी बार 16 सितंबर, 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय वार्ता की थी। इस दौरान मोदी ने यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए पुतिन पर दबाव डालते हुए कहा था कि आज का युग युद्ध का नहीं है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से, मोदी ने पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर कई बार बातचीत की है। रूस के साथ अपनी मजबूत दोस्ती को इंगित करते हुए भारत ने अभी तक यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण की निंदा नहीं की है। भारत यह कहता रहा है कि संकट को कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। रूस में अपनी यात्रा पूरी करने के बाद मोदी ऑस्ट्रिया के लिए रवाना होंगे। यह, विगत 40 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की वहां की पहली यात्रा होगी।

सीएए : नागरिकता के लिए करें आवेदन नहीं आएंगे एनआरसी के दायरे में

कोलकाता। केंद्रीय राज्य मंत्री व भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर ने मतुआ समुदाय से नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसा करने पर वे आने वाले समय में देश में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस (एनआरसी) लागू होने पर इसके दायरे में नहीं आएंगे। मालूम हो कि केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सीएए को प्रभाव में लाया गया था। मतुआ समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले शांतनु ने कहा कि सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करें। उन्हें इसका प्रमाणपत्र मिलेगा। आने वाले समय में कोई भी सरकार जब भी एनआरसी लागू करेगी तो जिनके पास नागरिकता प्रमाणपत्र होगा, वे इसके दायरे में नहीं आएंगे। केंद्रीय मंत्री ने सूचित किया कि आगामी बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर स्थित मतुआ ठाकुरबाड़ी में एक शिविर का आयोजन किया जाएगा। शांतनु के बयान पर बंगाल में सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। तृणमूल के बनगांव सांगठनिक जिलाध्यक्ष बिश्वजीत दास ने कहा कि मतुआ समुदाय के लोग भली-भांति जानते हैं कि वे इस देश के नागरिक हैं और उन्हें वोट देने का अधिकार है इसलिए वे सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने के इच्छुक नहीं हैं। दरअसल, शांतनु ठाकुर इस तरह के बयान देकर उन्हें डराने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी यह चाल सफल नहीं होगी।

धारदार हथियार से भतीजे ने की महिला की हत्या

ग्वालपाड़ा (हिंस)। दुधनाई में एक व्यक्ति ने अपने पिता के बहन की धारदार हथियार से हत्या कर दी। यह सनसनीखेज हत्या दुधनई के साद्रापाड़ा में हुई। मृतक की पहचान कौशल्या गौड़ (55) के रूप में हुई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि महिला की उसके भतीजे प्रकाश गौड़ ने चाकू मारकर हत्या कर दी। आरोपित प्रकाश गौड़ ने हत्या करने के बाद दुधनई थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि हत्या घरेलू झगड़े के परिणामस्वरूप हुई।

ग्वालपाड़ा में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा में हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मटिया थाना प्रभारी के नेतृत्व में ग्वालपाड़ा पुलिस ने नबागटा सिमलीटोला बाजार में तलाशी अभियान चलाया। अभियान में 50 प्लास्टिक की शीशियां बरामद कीं, जिनमें हेरोइन भरा हुआ था। इस दौरान एक पल्सर बाइक भी जब्त किया गया। दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस सिलसिले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

रूसी हमले में कीव का अस्पताल तबाह

फोर बैग सहित कैंसर पीड़ित बच्चे पड़े सड़कों पर

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव में सोमवार को रूसी मिसाइलों के हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि बच्चों के एक अस्पताल की इमारत को भी व्यापक रूप से नुकसान पहुंचा। रूसी हवाई हमलों के बाद कैंसर से पीड़ित बच्चों को अस्पताल से बाहर निकाला गया आज सुबह यूक्रेन पर रूसी मिसाइल हमलों के बाद मची अफरा-तफरी के बीच बच्चों को उनके फोर बैग से अभी भी जोड़ा गया था और नर्सें उन्हें सांत्वना दे रही थीं। मध्य यूक्रेनी शहर कीर्वी रीह में हुए एक अन्य हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक बयान में कहा कि रूसी बमबारी ने पांच यूक्रेनी शहरों को विभिन्न प्रकार की 40 से अधिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिससे रिहाइशी इमारतें और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे नष्ट हो गए गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने बताया कि सोमवार सुबह हुए हमले में देशभर में कम से कम 20 लोग मारे गए और लगभग 50 लोग घायल हो गए। क्रीर्वी रीह में नगर प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र विल्कुल ने कहा कि यह एक बड़े पैमाने पर किया गया मिसाइल हमला था, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गयी और 31 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यूक्रेन के मध्य

दि्नप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में भी विस्फोट की सूचना दी है। जेलेंस्की ने कहा कि कीव के ओखमाटडिट बच्चों के अस्पताल की आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त इमारत के मलबे से राहतकर्मियों को लोगों की तलाश करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि यहां हताहतों की संख्या अभी पता नहीं है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि दुनिया अब इस बारे में चुप न रहे और सभी को यह देखना चाहिए कि रूस क्या है और वह क्या कर रहा है। यह हमला अमेरिका में तीन दिवसीय नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर हुआ है। सम्मेलन में इस बात पर विचार किया जाएगा कि किस प्रकार यूक्रेन को गठबंधन के अटूट समर्थन का भरोसा दिलाया जाए तथा यूक्रेनवासियों को यह आशा प्रदान की जाए कि उनका देश द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष से उबर सकता है।

पुरी में रथ यात्रा के दौरान हुए दो अलग-अलग हादसे, दो की मौत और 130 से अधिक घायल

पुरी। ओडिशा के पुरी में रथ यात्रा के दौरान रविवार को रथ खींचते समय दो अलग-अलग घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, 130 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल सभी का पुरी जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ में एक बुजुर्ग श्रद्धालु की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। साथ ही पीड़ितों के परिवार को चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। सीएम ने संबंधित अधिकारियों को घायल श्रद्धालुओं के लिए सभी चिकित्सा सहायता मुहैया कराने का निर्देश दिया। एक अधिकारी के मुताबिक, जैसे ही भगवान बलभद्र का रथ थोड़ा आगे बढ़ा, वैसे ही सुरक्षा घेरे के बाहर अचानक भीड़ बढ़ गई। भीड़ बढ़ने के चलते कई लोग नीचे गिर गए। घायलों को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। घटना में एक बुजुर्ग की मौत भी हो गई है। पुलिस ने बुजुर्ग को नीचे गिरा देख तुरंत एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया। वहीं, एंबुलेंस में भी उसे पीसीआर दिया गया। डॉक्टरों ने भी बुजुर्ग को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन बाद में उसे मृत घोषित कर दिया। एंबुलेंस में काम करने वाले स्वयंसेवक के मुताबिक, मृतक के मोबाइल पर आए कॉल से पता चला है कि वह बलांगीर

जिले का रहने वाला था। प्रशासन ने उसकी पहचान सेंटाला निवासी ललित बागर्ती के रूप में की है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटना में रविवार को झारसुगुडा जिले में रथ यात्रा के दौरान रथ के पहियों के नीचे आने से एक श्रद्धालु की कथित तौर पर मौत हो गई। जिले के कुकुजंघा गांव में जगन्नाथ मंदिर का रथ खींचने के दौरान यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान 45 साल के श्याम सुंदर किशन के रूप में हुई। रथ खींचते समय वह गलती से नीचे गिर गया और रथ के पहिए उनके ऊपर से गुजर गए। आनन-फानन में किशन को जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुरी जिले के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि रथ यात्रा के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों समेत 130 से ज्यादा लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि आधे घायलों को उसी दिन इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि कम से कम 40 लोगों का इलाज चल रहा है। पुरी में 600 से अधिक लोग अस्पतालों और चिकित्सा शिविरों में पहुंचे। स्वास्थ्य सेवा निदेशक बिजय महापात्र ने कहा कि केवल 130 से अधिक लोगों को ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि रथ यात्रा के दौरान अस्पताल में इतने मरीजों का भर्ती होना सामान्य है। घायलों में से किसी की हालत बहुत गंभीर नहीं है। रविवार रात अस्पताल का दौरा करने के बाद राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि भगदड़, शरीर में पानी की कमी, पेचिश और अन्य कारणों की वजह से कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, घायल होने के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि रविवार को पुरी में गर्म और उमस भरा मौसम होने के कारण कई लोगों को गर्मी का भी सामना करना पड़ा। इस बीच, भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों- देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र के रथों को खींचने का काम सोमवार सुबह लगभग साढ़े नौ बजे फिर से शुरू हो गया। हरिबोल और जय जगन्नाथ के मंत्रोच्चार, घड़ियाल, शंख और झांझ की आवाजों के बीच तीन पवित्र देवताओं के रथों को सोमवार को ग्रांड रोड पर रात में रुकने के बाद श्री गुंडिचा मंदिर में उनके गंतव्य की ओर ले जाया गया। इस साल पुरी में रथ यात्रा 53 साल बाद दो दिनों तक मनाई जा रही है।

पृष्ठ एक का शेष

ग्राउंड लेवल पर ...

कदम होगा। कांग्रेस पार्टी और मैं उपलब्ध हैं, जब भी आप चाहें कि मैं यहां आऊं...मुझे यहां आकर खुशी होगी और आप जो कहना चाहते हैं उसे सुनकर मुझे खुशी होगी और विपक्ष के नेता के रूप में आपकी मदद करने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और हर कोई जो खुद को देशभक्त मानता है उसे आगे बढ़ना चाहिए और मणिपुर के लोगों को गले लगाना चाहिए और मणिपुर में शांति लानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री यहां आएं, मणिपुर के लोगों की बात सुनें, प्रयास करें और समझें कि मणिपुर में क्या चल रहा है। आखिरकार, मणिपुर भारतीय संघ का एक गौरवशाली राज्य है...अगर कोई त्रासदी नहीं भी थी, तो भी प्रधानमंत्री को मणिपुर आना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इस बड़ी त्रासदी में, मैं प्रधान मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि वे अपने 1-2 दिन का समय निकालें और मणिपुर के लोगों की बात सुनें। इससे मणिपुर के लोगों को सहूलियत होगी. कांग्रेस पार्टी के रूप में हम ऐसी किसी भी चीज का समर्थन करने के लिए तैयार हैं जिससे यहां स्थिति में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि कृपया मैं जो कह रहा हूं उसका सम्मान करें। मैं यहां स्पष्ट संदेश देने आया हूं, मुझे उन सवालों का जवाब देने में कोई दिलचस्पी नहीं है जो मुद्दे को भटकाने के लिए बनाए गए हैं...मैंने अपना बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर भारतीय संघ के सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है।

असम में बाढ़ से ...

स्थिति सामान्य होने तक आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार रखा गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों की सुरक्षा और स्वच्छता सरकार की प्राथमिकता है और उनकी टीम वहां रह रहे लोगों के संपर्क में है। वर्तमान में, 28 जिलों में 3,446 गांवों के लगभग 23 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ की दूसरी लहर से 68,432.75 हेक्टेयर फसल भूमि जलमग्न हो गई है।

पहाड़ी क्षेत्र में सैन्य ...

छह आतंकवादियों के मारे जाने के बाद 1एसईसी आरआर के कमांडर ब्रिगेडियर पृथ्वीराज चौहान ने सोमवार को कहा कि दक्षिण कश्मीर में आतंकवादियों का मारा जाना हिजबुल-मुजाहिदीन के लिए एक बड़ा झटका है। इससे पहले रविवार कश्मीर घाटी के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने छह आतंकियों को मार गिराया था। जिला कुलगाम में दो अलग-अलग जगह चली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के ये सफलता मिली। आतंकियों के पास हथियार भी बरामद किए गए। डीजीपी ने कहा कि कुलगाम में सफल ऑपरेशन और जनसहयोग से ऐसा लगता है कि हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को जल्द ही इसके तार्किक निष्कर्ष पर ले जाने में सक्षम होंगे। हाल के दिनों में कश्मीर में लगातार मुंह की खाने के बाद आतंकियों ने जम्मू संभाग के जिलों में हमलों के अंजाम देने की कोशिशें की हैं। बीते दिनों जिला कठुआ के हीरानगर के गांव सैडा सोहल में आतंकियों ने एक घर को निशाना बनाया था। इस दौरान एक नागरिक घायल हुआ और सीआरपीएफ जवान बलिदान हुआ। हालांकि सुरक्षाबलों ने यहां दो आतंकी मार गिराए थे। ये दोनों आतंकी पाकिस्तानी पाए गए थे। दहशतगर्दों के कब्जे से पाकिस्तानी समान और हथियार बरामद हुए थे। वहीं, रियासी में एक महीना पहले नौ जून को आतंकियों ने एक बस को निशाना बनाया था। इसमें 9 लोगों की मौत हुई थी और करीब पचास लोग घायल हुए थे। यहां आतंकी हमले को अंजाम देकर भाग निकले थे। बस में यूपी, दिल्ली और राजस्थान के श्रद्धालु सवार थे, जो शिवखोड़ी धाम में दर्शन कर कटड़ा की ओर जा रहे थे। अमरनाथ यात्रा से तीन दिन पहले सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन लागोर के तहत छह घंटे से अधिक समय तक चली मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया। दहशतगर्दों के पास से दो अमेरिकी एम4 कार्बाइन और एक एके-सीरीज असॉल्ट राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया।

राज्य में बाढ़ से ...

वालों को राहत सामग्री प्रदान की गई है। ब्रह्मपुत्र नदी निमातीघाट, तेजपुर और धुबरी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। असम में कई नदियां खतरे के निशान को पार कर बह रही हैं। जिसमें, खोवांग में बूढ़ी दिहिंग, शिवसागर में दिखौ, नांगलमुराघाट में दिसांग, नुमलीगढ़ में धनसिरी, धर्मतुल में कोपिली, बरपेटा में बेकी, गोलकगंज में संकोश, बीपी घाट में बराक और करीमगंज में कुशियारा शामिल है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन समेत कई एजेंसियां विभिन्न इलाकों में तैनात 171 नावों के साथ राहत और बचाव अभियान चला रही हैं। पिछले 24 घंटों में विभिन्न एजेंसियों ने कुल 70 लोगों और 459 मवेशियों को बचाया है। पूरे राज्य में सड़कों, पुलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और मत्स्य तालाबों को नुकसान पहुंचने की खबरें आई हैं। असम में बाढ़ के कारण काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अब तक छह गैंडों सहित 131 जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है। पार्क प्राधिकरण ने सोमवार को यह जानकारी दी। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की फील्ड डायरेक्टर सोनाली घोष ने बताया कि बाढ़ के कारण अब तक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 131 जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है। सोनाली घोष ने कहा, बाढ़ के पानी में डूबने से छह गैंडे, 100 हॉग डियर और दो सांभर की मौत हो गई, जबकि 17 हॉग डियर, एक-एक स्वैम्प डियर, रीसस मैकाक और ऊदबिलाव (पप) की देखभाल के दौरान मौत हो गई। दो हॉग डियर एक वाहन की चपेट में आने से मर गए। पार्क प्राधिकरण और वन विभाग ने बाढ़ के दौरान 97 जंगली जानवरों को बचाया है। राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन 233 में से 69 वन शिविर पानी में डूबे हुए हैं। पार्क प्राधिकरण ने कहा, काजीरंगा रेंज के अंतर्गत 22 वन शिविर, बागोरी रेंज के अंतर्गत 20 शिविर, अगराटोली रेंज के अंतर्गत 14 शिविर, बुरापहाड़, बोकाखाट और नागांव वन्यजीव प्रभाग में 4-4 शिविर तथा विश्वनाथ वन्यजीव प्रभाग के अंतर्गत एक शिविर वर्तमान में पानी में डूबे हुए हैं। बाढ़ के कारण पार्क प्राधिकरण ने चार वन शिविरों को भी खाली करा दिया है, जिनमें काजीरंगा रेंज और बोकाखाट रेंज में दो-दो शिविर शामिल हैं। असम में बाढ़ की स्थिति हाल ही में और भी खराब हो गई है, पिछले 24 घंटों में बाढ़ के कारण आठ लोगों की जान चली गई है, जिससे इस साल मरने वालों की कुल संख्या 66 हो गई है।

सीएम ने आरक्षित वन ...

आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय समुदायों की जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं कि आरक्षित वनों का निर्माण राज्य की पारिस्थितिकी भलाई में योगदान दे और साथ ही निवासियों की आजीविका और हितों पर भी विचार किया जाए। इससे पहले मई में, शर्मा ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से संरक्षित वन क्षेत्र में कमांडो बटालियन इकाई के निर्माण के लिए वन मंजूरी देने का आग्रह किया था। यह कदम असम के एक वन अधिकारी द्वारा निर्माण की अनुमति दिए जाने के बाद उठाया गया है, जिसका उद्देश्य पड़ोसी राज्य मिजोरम के लोगों द्वारा अतिक्रमण को रोकना है। हालांकि, इस निर्णय ने स्थानीय संरक्षणवादियों के बीच विवाद को जन्म दिया और केंद्रीय मंत्रालय को हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

राज्य में मानव तस्करी...

को फोन किया और उसकी रिहाई के लिए 30,000 रुपए की मांग की। कॉल बिहार के पूर्णिया से ट्रेस की गई। इसके बाद भांगागढ़ से एक पुलिस टीम पूर्णिया भेजी गई, जहां से उन्होंने कॉल करने वाले को पकड़ लिया और दोनों लड़कियों को बचा लिया। पुलिस अधिकारी बराह ने कहा कि दिल्ली जाने की योजना बना रही लड़कियों को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति मिला, जिसने उनकी मदद करने की पेशकश की। उस व्यक्ति ने दोनों लड़कियों को गुवाहाटी के वशिष्ठ इलाके में एक जोड़े को सौंप दिया। पश्चिम बंगाल के पंजीपारा की एक अन्य महिला के साथ, वे लड़कियों को बस से सिलीगुड़ी ले गए और उन्हें बिहार में एक अन्य व्यक्ति को 1,10,000 रुपए में बेच दिया। इसके बाद लड़कियों को पूर्णिया ले जाया गया और बिहार के रौता में एक वेश्यालय में काम करने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में यह भी पता चला कि पश्चिम बंगाल की महिला गुवाहाटी के रहने वाले जोड़े के साथ रह रही थी और बिहार के वेश्यालय में एक और लड़की की तस्करी करने की योजना बना रही थी। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच से पुष्टि हुई है कि मामला मानव तस्करी से जुड़ा है, जहां लड़कियों को बहला-फुसलाकर वेश्यालयों में बेच दिया जाता है।

तीन नए कानून ...

तीन नए कानूनों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। दरअसल, वकीलों का कहना है कि इन कानूनों का नामकरण संस्कृतनिष्ठ हिंदी में किया गया है। तिरुचिरापल्ली में संयुक्त अधिवक्ता कार्रवाई समिति (जेएसी) के सदस्यों ने तीन नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। डीएमके सांसद और अधिवक्ता एनआर एलंगो का कहना है कि तीनों नए आपराधिक कानून लोकतंत्र और संविधान विरोधी हैं। इनका नाम संस्कृत में है। मगर अनुच्छेद 348 के अनुसार संस्कृत में नाम नहीं रखा जा सकता है। इन सबके अलावा तीनों कानून आरोपी व्यक्तियों और पीड़ितों के हितों के खिलाफ हैं। यही वजह है कि इन्हें लागू नहीं किया जा सकता। इन्हें खत्म करके फिर से विचार करना होगा। एमडीएमके सांसद दुरई वाइको ने नए कानूनों पर कहा कि केंद्र सरकार ने तीन आपराधिक कानूनों में बदलाव किया है, लेकिन यह विपक्षी दलों की मंजूरी के बिना किया गया। विपक्षी दल के करीब 150 सांसदों को निलंबित करने के बाद तीनों कानूनों को पारित किया गया था। यह लोकतंत्र विरोधी हैं।

बदायूं में पति बना...

साथ रहे। अगले साल पत्नी और उसके पिता कहीं गायब हो गए। तब से वह दोनों को तलाश कर रहा था। लेकिन सात साल बाद उसे पता चला कि दोनों चंदौसी में रह रहे हैं। दोनों ने शादी भी कर ली है। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए महिला और उसके ससुर को पकड़ लिया और थाने ले आए। पूछताछ में पता चला कि महिला अपने पति से परेशान थी। शादी के वक्त उसका पति नाबालिग था। वह पढ़ा लिखा भी नहीं था। न ही कुछ कमाता था। इसलिए वह अपनी मर्जी से ससुर के साथ चली गई थी। दोनों ने फिर कोर्ट मैरिज कर ली। अब ससुर से उसका दो साल का बेटा भी है। वे दोनों अपनी जिंदगी में खुश हैं। महिला ने बताया कि गांव में बदनामी के डर से वे चंदौसी जाकर रहने लगे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

करने के लिए क्या करेगी? सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से संबंधित 30 से अधिक याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई शुरू की। इनमें पांच मई को हुई परीक्षा में अनियमितताओं और कदाचार का आरोप लगाने वाली और परीक्षा नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिकाएं भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रश्नपत्र लीक हुआ है। हम लीक की सीमा का पता लगा रहे हैं। पीठ ने कहा कि इसमें कुछ *चेतावनी के संकेत* हैं क्योंकि 67 उम्मीदवारों ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किए हैं। पीठ ने कहा कि पिछले वर्षों में यह अनुपात बहुत कम था। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह जानना चाहती है कि प्रश्नपत्र लीक से कितने लोगों को लाभ हुआ और केंद्र ने उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की। पीठ ने सवाल किया कि कितने गलत काम करने वालों के परिणाम रोके गए हैं और हम ऐसे लाभार्थियों का भौगोलिक वितरण जानना चाहते हैं। पीठ गुजरात के 50 से अधिक सफल राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) अभ्यर्थियों की एक अलग याचिका पर भी सुनवाई कर रही है, जिसमें केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को विवादित परीक्षा रद्द करने से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने दलीलें शुरू करते हुए कहा कि वे पेपर लीक, ओएमआर शीट में हेरफेर, अभ्यर्थी की जगह किसी अन्य के परीक्षा देने और धोखाधड़ी जैसे आधारों पर परीक्षा रद्द करने का अनुरोध कर रहे हैं। केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने हाल में न्यायालय में कहा था कि गोपनीयता भंग होने के किसी साक्ष्य के बिना इस परीक्षा को रद्द करने का बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इससे लाखों ईमानदार अभ्यर्थियों पर *गंभीर असर* पड़ सकता है। एनटीए और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय पांच मई को आयोजित परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक से लेकर अभ्यर्थी की जगह किसी अन्य के परीक्षा देने तक बड़े पैमाने पर कथित अनियमितताओं को लेकर मीडिया में बहस और छात्रों और राजनीतिक दलों के विरोध के केंद्र में रहे हैं। देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा नीट-यूजी परीक्षा आयोजित की जाती है। पेपर लीक सहित अनियमितताओं के आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के बीच तकरार हुई। केंद्र और एनटीए ने 13 जून को अदालत को बताया था कि उन्होंने 1,563 अभ्यर्थियों को दिए गए कृपांक रद्द कर दिए हैं। उन्हें या तो दोबारा परीक्षा देने या समय की हानि के लिए दिए गए प्रतिपूरक अंकों को छोड़ने का विकल्प दिया गया था। एनटीए ने 23 जून को आयोजित पुनः परीक्षा के परिणाम जारी करने के बाद एक जुलाई को संशोधित रैंक सूची घोषित की। कुल 67 छात्रों ने 720 अंक प्राप्त किए, जो एनटीए के इतिहास में अभूतपूर्व है, जिसमें सूची में हरियाणा के एक केंद्र के छह छात्र शामिल हैं, जिससे परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर संदेह उत्पन्न हुआ। यह आरोप लगाया गया है कि कृपांक के चलते 67 छात्रों को शीर्ष रैंक प्राप्त करने में मदद मिली। एनटीए द्वारा एक जुलाई को संशोधित परिणाम घोषित किए जाने के बाद, नीट-यूजी में शीर्ष रैंक वाले अभ्यर्थियों की संख्या 67 से घटकर 61 हो गई।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

असम में *स्वर्गीय टीचरों* का भी कट रहा वेतन, रिटायर्ड टीचरों की लग रही हाजिरी ?

गुवहाटी। असम में सरकारी स्कूल के शिक्षकों की अनुपस्थिति पर कार्रवाई करना सरकार को ही उलटी पड़ गई। शिक्षा विभाग ने जिन 3, 700 शिक्षकों का वेतन रोकने की लिस्ट जारी की थी उनमें मृतक, सेवानिवृत्त और मातृत्व अवकाश पर गए शिक्षक भी शामिल थे। शिक्षा मंत्री रणोज पेगू ने रविवार को इस गलती की जांच के आदेश दिए। विभाग ने पहले 4, 907 शिक्षकों के नामों को चिह्नित किया था, जिनमें 1, 190 कॉलेज शिक्षक भी थे। इनकी उपस्थिति कथित तौर पर शून्य थी। पेगू ने बताया कि कॉलेज शिक्षक स्कूल शिक्षा विभाग के दायरे में नहीं आते हैं। इसके बाद लिस्ट से कॉलेज शिक्षकों के नाम हटा दिए गए। मंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि शिक्षा विभाग ने शिक्षा सेतु पोर्टल पर शून्य उपस्थिति वाले शिक्षकों का वेतन रोकने का आदेश दिया है। इसमें वे शिक्षक शामिल नहीं हैं जो प्रशिक्षण, छुट्टी, प्रतिनियुक्ति पर हैं या अन्य सरकारी ड्यूटी पर हैं। शून्य उपस्थिति का कारण जानने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं असम राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के महासचिव रतुल चंद्र गोस्वामी ने विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों की सत्यता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि छुट्टी पर गए शिक्षकों के नाम प्रकाशित करना अस्वीकार्य और अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि मृतक, सेवानिवृत्त, प्रतिनियुक्त और निलंबित शिक्षकों के साथ-साथ मातृत्व अवकाश पर गए शिक्षकों का वेतन रोकने का आदेश विभाग के बीच तालमेल की कमी को दर्शाता है। अनुपस्थित शिक्षकों की सूची सार्वजनिक करने के बजाय विभाग आंतरिक रूप से जानकारी एकत्र कर सकता था और बिना अनुमति के अनुपस्थित रहने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर सकता था। यह सूची शिक्षा सेतु पोर्टल पर प्रकाशित की गई थी। यह स्कूलों, कर्मचारियों और छात्रों की जानकारी के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे इस साल ई-गवर्नेंस श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया था। इस सूची में गोलाघाट जिले के नबा काकोटी का भी नाम शामिल है, जिनकी इस साल 20 मार्च को मृत्यु हो गई थी। सहकर्मी हरेन बरकोटोकी ने कहा कि काकोटी की मृत्यु की सूचना तुरंत शिक्षा विभाग को दे दी गई थी। एक और सार्वजनिक रूप से शर्मसार किए गए शिक्षक चिरांग जिले के महिम बसुमतारी भी हैं, जो 1 जनवरी को सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने व्यंग्य किया कि मैं पेंशन के कागजी कार्रवाई में व्यस्त हूं और अब मुझे मासिक वेतन की उम्मीद नहीं है।

मणिपुर के जिरीबाम जिले में गोलीबारी सुरक्षाकर्मियों को किया गया तैनात

इंफाल। अधिकारी के मुताबिक, एहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस का एक बुलेटप्रूफ वाहन गोलीबारी की चपेट में आ गया। मणिपुर के जिरीबाम जिले के गुलारथल इलाके में कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने सोमवार को तड़के गोलीबारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का सोमवार को दोपहर में जिरीबाम में राहत शिविरों का दौरा करने और जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों से मिलने का कार्यक्रम है। एक अधिकारी ने बताया कि बंदूकधारियों ने तड़के करीब साढ़े तीन बजे गुलारथल के मेइती इलाके की ओर कई बार गोलियां चलाई, जिसके बाद सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। गोलीबारी सुबह सात बजे तक जारी रही। अधिकारी के मुताबिक, एहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस का एक बुलेटप्रूफ वाहन गोलीबारी की चपेट में आ गया।

कामाख्या स्टेशन के लोको रनिंग रूम का आधुनिकीकरण

गुवाहाटी (हिंस)। रेल यात्रा के दौरान यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने की सारी जिम्मेदारी लोको पायलट और गार्ड की होती है। इन लोको पायलट और गार्डों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए रेलवे विभाग ने विभिन्न स्टेशनों पर लोको रनिंग रूम का अत्याधुनिकीकरण किया हैं। सोमवार को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) लमडिंग डिवीजन के डीआरएम प्रेम रंजन कुमार सीपीआरओ सव्यसाची दे और रेलवे डिवीजन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कामाख्या स्टेशन के लोको रनिंग रूम के अत्याधुनिकीकरण के लिए सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कामाख्या स्टेशन के पास लोको रनिंग के कमरों को कर्मियों के विश्राम के मद्देनजर व्यवस्थित किया गया तथा इसे सुंदर तरीके से सजाया गया है। इसमें 32 कमरे और 62 बिस्तर हैं। प्रत्येक कमरा शीतताप नियंत्रित विश्राम कमरा है। इसके अलावा, आधुनिक फिटनेस रूम, ध्यान कक्ष, अध्ययन कक्ष, शाकाहारी और मांसाहारी भोजन की सुविधाएं भी हैं। काम के घंटे निर्धारित करने के लिए एक डिजिटल प्रणाली है। साथ में लोको रनिंग कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए विशेष काउंसिलिंग का प्रावधान भी है।

पूर्वोत्तर के लिए एनसीसी अंतर-समूह बैंड प्रतियोगिता

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) ने सरुसजाई स्टेडियम, गुवाहाटी में एक रोमांचक अंतर-समूह बैंड प्रतियोगिता की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में एनसीसी, एनईआर के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल गगनदीप की उपस्थिति रही, जिन्होंने विभिन्न समूहों के कैडेटों की उल्लेखनीय प्रतिभा और संगीत कौशल को देखा। प्रतियोगिता में गुवाहाटी, सिलचर, तेजपुर और शिलांग में एनसीसी समूह मुख्यालय की बैंड टीमें शामिल थीं। इन समूहों ने गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) 2025 में एनसीसी एनईआर का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन किया। कुल 174 कैडेटों ने अपने समर्पण, अनुशासन और संगीत क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए इस कार्यक्रम में भाग लिया। सिलचर समूह का प्रतिनिधित्व सरकारी मिज़ो हाई स्कूल के कैडेटों ने किया, जबकि तेज़पुर समूह का प्रतिनिधित्व क्राइस्ट ज्योति स्कूल के प्रतिभागियों ने किया। शिलांग समूह ने ऑक्सिलियम हायर सेकेंडरी स्कूल के कैडेटों की प्रतिभा का प्रदर्शन किया और गुवाहाटी समूह का प्रतिनिधित्व सेंट फ्रांसिस डी सेल्स हायर सेकेंडरी स्कूल ने किया। प्रत्येक समूह प्रतियोगिता में अपना अनूठा स्वाद और उत्कृष्टता की परंपरा लेकर आया। मेजर जनरल गगनदीप की यात्रा ने एनसीसी कैडेटों के बीच सौहार्द, टीम वर्क और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में ऐसे आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया। प्रतियोगिता ने न केवल कैडेटों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया, बल्कि उत्तर पूर्वी क्षेत्र के युवाओं के बीच एकता और सद्भाव की भावना को भी बढ़ावा दिया। सरुसजाई स्टेडियम ने संगीत प्रतिभा के इस शानदार प्रदर्शन को देखा और हमारे युवा कैडेटों को उत्कृष्टता की ओर उनकी यात्रा में समर्थन दिया।

बाढ़ से फिर आठ लोगों की मौत

गुवाहाटी। अधिकारियों ने कहा कि कुल मिलाकर 28 जिलों के 22, 74, 289 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और 7, 54, 791 प्रभावित लोगों के साथ धुबड़ी में स्थिति सर्वाधिक गंभीर है। राज्य में 269 राहत शिविरों में 53, 689 लोगों ने आश्रय ले रखा है। असम में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है जिसके चलते रविवार को आठ और लोगों की मौत हो गई। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के बुलेटिन में कहा गया कि धुबड़ी और नलबाड़ी में दो-दो, कछार, ग्वालपाड़ा, धेमाजी तथा शिवसागर में एक-एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली है। इसके साथ ही इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि कुल मिलाकर 28 जिलों के 22, 74, 289 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और 7, 54, 791 प्रभावित लोगों के साथ धुबड़ी में स्थिति सर्वाधिक गंभीर है। राज्य में 269 राहत शिविरों में 53, 689 लोगों ने आश्रय ले रखा है। ब्रह्मपुत्र नदी नेमाटीघाट, तेजपुर और धुबड़ी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। खोवांग में बुरहीदीहिंग नदी, शिवसागर में दिखौ, नंगलामुराघाट में दिसांग, नुमालीगढ़ में धनसिरी, धरमतुल में कोपिली, बारपेटा में बेकी, गोलकगंज में संकोश, बीपी घाट में बराक और करीमगंज में कुशियारा नदी खतरे के निशान को पार कर गई हैं।

राज्य के लोगों से व्यवहार में बदलाव लाने का अनुरोध

ईटानगर (हिंस)। केंद्रीय संसदीय मामलों और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश भाजपा द्वारा ईटानगर में आयोजित उनकी अभिनंदन और संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए राज्य के लोगों, से व्यवहार में बदलाव लाने और राज्य के विकास के लिए सकारात्मकता बनाए रखने और अवसर प्राप्त करने की अपील की। मंत्री किरण ने राज्य में बेरोजगारी की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में रोजगार सबसे बड़ी चुनौती है. नौकरी डिग्रियों से नहीं प्राप्त की जा सकती बल्कि इसके लिए कौशल की आवश्यकता होती है। इसलिए हमें अपनी धारणा बदलनी होगी और कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए काम करना होगा। हमें रोजगार सृजन के लिए सरकारी विभाग पर निर्भर नहीं रहना चाहिए और सभी बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी देना असंभव है, इसलिए हमें नौकरी के अवसर के लिए वैकल्पिक रास्ते बनाने होंगे। इसलिए हमने अरुणाचल प्रदेश में बाहरी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अपने व्यवहार में बदलाव किया है, जिससे नौकरियों के अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। हमें अपने राज्य को शांतिपूर्ण माहौल वाला बनाना है। ताकि निजी क्षेत्रों में निवेश करने के इच्छुक बाहर के लोग सुरक्षित महसूस करें। कानून व्यवस्था की एक भी घटना से राज्य की खराब छवि बनेगी।

कपिली नदी में डूबे व्यक्ति का शव बरामद

होजाई (हिंस)। कपिली नदी में लापता हुए कोंकण पाठक नामक व्यक्ति का शव आखिरकार आज बरामद कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि कोंकण पिछले रविवार को होजाई के यमुनासिट में अपने दोस्तों के साथ नहाने के दौरान लापता हो गया था। होजाई एसडीआरएफ के जवान रविवार से कपिली नदी में तलाशी अभियान चला रहे थे। कोंकण पाठक का शव आखिरकार आज दोपहर एसडीआरएफ बलों ने बरामद कर लिया।

कलियाबर के शलना में शव बरामद

नगांव (हिंस)। कालियाबर के शलना में एक शव बरामद किया गया। शव दीजू नदी में तैरता हुआ मिला। मृतक की पहचान दिजुभैली बागान के शिवप्रसाद खालखोरे के रूप में हुई है। शव शलना पुल के पास मिला। स्थानीय लोगों ने शव को देखा और पुलिस को सूचना दी।

एमएसएमई प्रोत्साहन परिषद के नए अध्यक्ष सैफुल इस्लाम नियुक्त

नगरबेड़ा। एमएसएमई पब्लिसिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा सरकार ने हाल ही में धुबड़ी जिले के सैफुल इस्लाम को असम का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। रोजगार प्रमाण पत्र में कहा गया है कि एम एस एम ई प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया संभावित ग्रामीण समुदायों का निर्माण करता है जहां किसान समृद्ध होते हैं, महिलाएं सशक्त होती हैं, छोटे व्यवसाय सफल होते हैं और युवाओं को एक मजबूत और सर्वांगीण समाज बनाने के लिए बेहतर रोजगार के अवसर मिलते हैं। विभिन्न एजेंसियां उन्होंने एम एस एम ई प्रोत्साहन परिषद के नए अध्यक्ष की नियुक्ति पर सैफुल इस्लाम को बधाई दी और उम्मीद जताई कि वह अपनी नई भूमिका में राज्य के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ काम करेंगे।

शिमलितूला में ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। शिमलितूला में एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि ग्वालपाड़ा जिले के माटिया थाने के शिमलिटोला से दो ड्रग तस्करों को उस समय गिरफ्तार किया, जब भीड़ ने दोनों ड्रग्स तस्करों को ड्रग्स से भरे 50 कंटेनरों और एक बाइक के साथ पकड़ लिया। उनकी पहचान कामरूप के रंगेश्वरी गांव के इलीबुर रहमान और बरपेटा के बीच चर गांव के इनामुल हक के रूप में की गई है। माटिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए दोनों नशा तस्करों को थाने ले गई। पूछताछ जारी है। बताया जाता है कि पिछले लंबे अर्से से इस क्षेत्र में ड्रग्स के कारोबार धड़ल्ले से चलाई जा रही है। इसी के तहत कार्रवाई करते हुए इन दोनों तस्करों को दबोचे गए।

भारत विकास परिषद की साधारण सभा संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। भारत विकास परिषद मध्य गुवाहाटी शाखा की साधारण सभा का आयोजन शाखा अध्यक्ष राधेश्याम तिवारी की अध्यक्षता मे विष्णुपुर कार्यालय में हुआ। इसमें निम्न कार्यक्रम पर विचार विमर्श किया गया। परिषद का 62 वां स्थापना दिवस 14 जुलाई 2024 को मनाया जाएगा। गुरु वंदना जिसमें 100 शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। भारत को जानों प्रतियोगिता की जाएगी। ये कार्यक्रम शाखा स्तर पर होगा। प्रांतीय स्तर पर राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता की जाएगी। इस कार्यक्रम में प्रांत के अध्यक्ष संतलाल मित्तल, विमल अग्रवाल, सचिव अभय घोषाल, सह सचिव केएन सिंह, तनसुख राठी, शिव सोनी, गोविंदराम करम चंदानी, अशोक माहेश्वरी, परमानंद गोयल अग्रवाल, सौरभ जैन विजय सिंह सुराणा उपस्थित थे। उक्त प्रेस जानकारी भारत विकास परिषद के मीडिया प्रभारी तनसुख राठी के द्वारा दी गई।

हरि ओम स्माइल्स के साथ नगर निगम का वृक्षारोपण अभियान आरंभ

गुवाहाटी। हरि ओम स्माइल्स गुवाहाटी ने गुवाहाटी नगर निगम वार्ड नंबर 24 के पार्षद बिज्जू मेधू के सहयोग से सगलपारा, लोखरा में एक सफल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। संयुक्त पहल का उद्देश्य समुदाय में पर्यावरणीय स्थिरता और हरियाली को बढ़ावा देना है। आयोजन के दौरान स्थानीय निवासियों, स्वयंसेवकों और दोनों संगठनों के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से कुल 100 पेड़ लगाए गए। पार्षद बिज्जू मेधू ने वृक्षारोपण के महान उद्देश्य का समर्थन करने के लिए एक साथ आने के लिए समुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। हरि ओम्य स्माइल्स गुवाहाटी के सदियों ने कहा कि हमें इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए गुवाहाटी नगर निगम और पार्षद बिज्जू मेधू के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है।

कोकराझाड़ में फिर से झपटमारों ने लूटे दो लाख 45 हजार रुपए

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ में आज फिर से अज्ञात झपटमारों ने दो लाख 45 हजार रुपए लूट लिए। इस बार अज्ञात झपटमारों के गिरोह ने 2 लाख 45 हजार रुपए लूटे। सामाजिक बनानिकरन विभाग के रेंजर नरेश बसुमतारी ने आज यूको बैंक से 2 लाख 15 हजार रुपए निकाले थे। लेकिन अपने 30 हजार रुपए के साथ बैंक से निकाले गए 2 लाख 15 हजार रुपए को एक साथ अपनी वाहन में रखा तभी अज्ञात झपटमारों ने झांसा देकर दो लाख 45 हजार रुपए लूट कर फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार इससे पहले भी कई लेटेरों ने इसी तरह की कई घटनाओं को अंजाम दिया है।

पद्मावती माता की गोद भराई के साथ वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

गुवाहाटी। स्थानीय मालीगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में सोमवार को डॉ. देवेंद्र कीर्ति भटारक स्वामी (हुम्मचा) के मंगल सानिध्य में तथा प्रतिष्ठाचार्य ब्र. जिनेश जैन (राज.) के कुशल निर्देशन में पद्मावती माता एवं छत्रपाल बाबा को नव निर्मित वेदी में विराजमान कर फूलों से अलौंकिक सिंगार किया गया। तत्पश्चात माता का जाप, अभिषेक सिंगार आदि के पश्चात माता की सामूहिक गोद भराई कि गई। इस मौके पर स्थानीय महिला गायक कलाकारों ने अपने-अपने भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया।कार्यक्रम में चैनरूप- शारदा देवी, आकाश-सोनाक्षी बगड़ा, भरत बड़जात्या, मुकेश जैन, विनीत जैन, सुदेश जैन, पुखराज पांडया, शीतल जैन, प्रीति सेठी, आंचल जैन, साकेत जैन, सुनील कुमार सेठी, आदि लोगों के अलावा काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन माता की महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। कार्यक्रम में अल्पाहार एवं महाप्रसाद की व्यवस्था प्रकाश चंद-भरत कु. बड़जात्या (परिवार) व सुशील कु.- संगीता देवी गंगवाल (परिवार) द्वारा कि गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्याजन किया। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख चैनरूप बगड़ा एवं सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

भारत शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहायक भूमिका निभाने का इच्छुक : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत एक शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहायक भूमिका निभाने का इच्छुक है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अगले तीन दिनों में मैं रूस और ऑस्ट्रिया में रहूंगा। ये यात्राएं इन देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, जिनके साथ भारत की पुरानी दोस्ती है। मैं इन देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री ने अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा कि मैं 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूसी संघ की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा हूं और अगले तीन दिनों में ऑस्ट्रिया की मेरी पहली यात्रा होगी। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पिछले दस वर्षों में ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आदान-प्रदान के क्षेत्रों में आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं अपने मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर दृष्टिकोण साझा करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, हम एक शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए एक सहायक भूमिका निभाना चाहते हैं। यह यात्रा मुझे रूस में जीवंत भारतीय समुदाय से मिलने का अवसर भी प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रिया में, मुझे राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन और चांसलर कार्ल नेहमर से मिलने का अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रिया हमारा दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार है और हम लोकतंत्र और बहुलवाद के आदर्शों को साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है। मैं नवाचार, प्रौद्योगिकी और सतत विकास के नए और उभरते क्षेत्रों में हमारी साझेदारी को और भी अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए अपनी चर्चाओं की प्रतीक्षा कर रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑस्ट्रियाई चांसलर के साथ, मैं पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार और निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए दोनों पक्षों के व्यापारिक नेताओं के साथ विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि मैं ऑस्ट्रिया में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करूंगा, जो अपने व्यावसायिकता और आचरण के लिए जाना जाता है।

मुंबई में बारिश ने किया हाल बेहाल, फ्लाइट, बस और ट्रेने भी हुईं प्रभावित

मुंबई(ईएमएस)। मुंबई में भारी बरसात के चलते जनजीवन बेहाल हो गया है। दादर, विले पार्ले, किंग्स सर्किल समेत तमाम इलाकों में पानी भरने से वाहन बंद पड़ गए और लोगों को मुसीबत उठानी पड़ी। वहीं, कुर्ला रेलवे स्टेशन, विद्या विहार रेलवे स्टेशन समेत कई स्टेशनों पर पानी भर गया। बेस्ट की बस सर्विस पर भी बारिश ने असर डाला है। इसके अलावा हवाई यातायात भी प्रभावित हुआ है। इसके लिए एडवाइजरी जारी कर दी गई है। इसके अलावा यातायात साधनों पर भी इसका असर देखने को मिला है। एक तरफ तमाम इलाकों में ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है। मुंबई की बरसात के चलते पूरी मुंबई में ट्रेन यातायात पर असर पड़ा है। सेंट्रल रेलवेज ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि डिवीजन के अलग-अलग स्टेशनों पर पानी भरने के चलते पांच ट्रेनों को कैंसिल कर दिया गया है। हालात सामान्य होने के बाद कल्याण और कसारा के बीच की सेवाएं फिर से बहाल कर दी गई हैं। रेलवे ने जानकारी दी है कि यह ट्रेनें आठ जुलाई के लिए अगली नोटिस तक बंद रहेंगी। उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को मुंबई के अलावा ठाणे, पालघर और रायगढ़ सहित अन्य पड़ोसी क्षेत्रों की जीवन रेखा माना जाता है। मध्य रेलवे के उपनगरीय नेटवर्क के जरिये प्रतिदिन 30 लाख से अधिक लोग यात्रा करते हैं। इसके अलावा इंडिगो ने पैसेंजर्स के लिए एडवाइजरी जारी की है। एक्स पर पोस्ट में इंडिगो ने बताया कि खराब मौसम और एयर ट्रैफिक कंजेशन के चलते मुंबई आने और जाने वाली फ्लाइट्स पर असर पड़ा है। इंडिगो ने पैसेंजर्स को फ्लाइट स्टेटस चेक करते रहने की सलाह दी है। एक अन्य पोस्ट में इंडिगो ने लिखा कि मुंबई में बारिश जारी रहने का अनुमान है। इस-के चलते फ्लाइट्स के डिपार्चर और अराइवल पर असर पड़ सकता है।

केजरीवाल की अपने वकीलों से ज्यादा मुलाकात की मांग पर तिहाड़ जेल प्रशासन और ईडी को नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला के आरोपित दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तिहाड़ जेल में अपने वकील से ज्यादा मुलाकात की मांग वाली याचिका पर तिहाड़ जेल प्रशासन और ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने नोटिस जारी किया। केजरीवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अपने वकीलों के साथ हफ्ते में दो और अतिरिक्त मुलाकात की इजाजत मांगी है। अभी केजरीवाल नियमों के मुताबिक हफ्ते में सिर्फ दो बार अपने वकीलों से मीटिंग कर सकते हैं। केजरीवाल का कहना है कि वो 30 से ज्यादा केस का सामना कर रहे हैं। इसलिए उन केस के बारे में चर्चा करने के लिए इन मुलाकातों की संख्या बढ़ाये जाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि 10 अप्रैल को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की अपने वकील से ज्यादा समय तक मिलने देने की अनुमति देने की मांग खारिज कर दी थी। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने ये फैसला सुनाया था। केजरीवाल ने राऊज एवेन्यू कोर्ट के इसी आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। केजरीवाल ने याचिका में कहा था कि अपने खिलाफ देशभर में दायर मुकदमों की तैयारी करने के लिए जेल में अपने वकील से ज्यादा समय की जरूरत है। याचिका में कहा गया था कि केजरीवाल के खिलाफ देशभर में कई मुकदमे दायर किए गए हैं। इन मुकदमों की तैयारी के लिए उन्हें वकील के साथ ज्यादा समन बिताने की जरूरत है। याचिका में कहा गया था कि कोर्ट ने हफ्ते में दो बार वकील से मिलने की अनुमति दी है। ये उनके लिए पर्याप्त नहीं है। केजरीवाल ने अपने वकील से हफ्ते में पांच बार मिलने की अनुमति मांगी है। 21 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी से संरक्षण नहीं मिलने के बाद ईडी ने 21 मार्च को ही दे-र शाम केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था।

राष्ट्रपति ने जगन्नाथ पुरी के समुद्र तट पर महसूस की गहन शांति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में शामिल होने के बाद समुद्र तट पर पहुंचीं। उन्होंने कुछ देर वहां बिताए भी। उन्होंने जगन्नाथपुरी के समुद्र तट पर गहन शांति महसूस की। राष्ट्रपति भवन ने उनकी यात्रा के कुछ चित्र और उनके विचार एक्स हैंडल पर साझा किए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है, " ऐसे स्थान हैं जो हमें जीवन के सार के करीब लाते हैं और हमें याद दिलाते हैं कि हम प्रकृति का हिस्सा हैं। पहाड़, जंगल, नदियां और समुद्र तट हमारे भीतर की किसी गहरी चीज को आकर्षित करते हैं। जैसे ही मैं आज समुद्र के किनारे चल रही थी, मुझे आसपास के वातावरण के साथ एक जुड़ाव महसूस हुआ- हल्की हवा, लहरों की गड़गड़ाहट और पानी का विशाल विस्तार। यह एक ध्यानपूर्ण अनुभव था।" उन्होंने कहा, " इससे मुझे गहन आंतरिक शांति मिली, जो मुझे तब भी महसूस हुई जब मैंने कल महाप्रभु श्री जगन्नाथजी के दर्शन किए। और ऐसा अनुभव पाने वाली मैं अकेली नहीं हूं। हम सभी इस तरह महसूस कर सकते हैं जब हमारा सामना किसी ऐसी चीज से होता है जो हमसे कहीं बड़ी है, जो हमें सहारा देती है और जो हमारे जीवन को सार्थक बनाती है।" राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा है, "दैनिक कामकाज की आपाधापी में हम प्रकृति के साथ इस संबंध को खो देते हैं। मानव जाति ने प्रकृति पर कब्जा कर लिया है और अपने अल्पकालिक लाभों के लिए इसका दोहन कर रही है। नतीजा सबके सामने है। इस गर्मी में भारत के कई हिस्सों को लू की भयानक श्रृंखला का सामना करना पड़ा। हाल के वर्षों में दुनिया भर में मौसम में बदलाव हुआ है। आने वाले दशकों में स्थिति और भी बदतर होने का अनुमान है।" राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा है, "पृथ्वी की सतह का सत्तर प्रतिशत से अधिक भाग महासागरों से बना है और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वैश्विक समुद्र स्तर में वृद्धि हो रही है, जिससे तटीय क्षेत्रों के जलमग्न होने का खतरा है। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के कारण महासागरों और वहां पाई जाने वाली वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध विविधता को भारी नुकसान हुआ है।" उन्होंने कहा है, " सौभाग्य से प्रकृति की गोद में रहने वाले लोगों ने ऐसी परंपराएं कायम रखी हैं जो हमें रास्ता दिखा सकती हैं। उदाहरण के लिए, तटीय क्षेत्रों के निवासी हवाओं और समुद्र की लहरों की भाषा जानते हैं। अपने पूर्वजों का अनुसरण करते हुए, वे समुद्र को भगवान के रूप में पूजते हैं। मेरा मानना है कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण की चुनौती से निपटने के दो तरीके हैं। पहला- सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को व्यापक कदम उठाने चाहिए। दूसरा स्थानीय स्तर पर नागरिक भी इसमें सहयोग करें। आइए बेहतर कल के लिए व्यक्तिगत रूप से स्थानीय स्तर पर जो कुछ भी हम कर सकते हैं, उसे करने का संकल्प लें।"

कोलकाता के दो शीर्ष पुलिस अधिकारियों पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुरू की कार्रवाई

कोलकाता, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोलकाता के दो शीर्ष पुलिस अधिकारियों, कमिश्नर विनीत गोयल और डिप्टी कमिश्नर (सेंट्रल) इंदिरा मुखर्जी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर की जा रही है। रिपोर्ट में इन अधिकारियों पर राज्यपाल के पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। राज्यपाल बोस ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि विनीत गोयल और इंदिरा मुखर्जी ने राज्यपाल के खिलाफ अफवाहें फैलाईं और उन्हें बढ़ावा दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि "जो काम उन्होंने किया, वह एक सरकारी कर्मचारी से अपेक्षित नहीं है।"

दोनों अधिकारियों ने जताई अनभिज्ञता - विनीत गोयल और इंदिरा मुखर्जी दोनों ने इसपर कहा कि उन्हें इस कार्रवाई की कोई जानकारी नहीं है। विनीत गोयल ने कहा, "मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता। यदि कुछ आया होगा तो वह राज्य सरकार के पास आया होगा।" इंदिरा मुखर्जी ने भी यही बात कही।

क्या है मामला?

राज्यपाल बोस ने यह रिपोर्ट जून के अंतिम सप्ताह में केंद्रीय गृह मंत्री को सौंपी थी और चार जुलाई को इसकी एक प्रति राज्य सरकार को भेजी थी। रिपोर्ट में राज्यपाल ने आरोप लगाया कि चुनाव पश्चात हिंसा के मामले में राज्यपाल से मिलने आए पीड़ितों को इन अधिकारियों ने मिलने नहीं दिया। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अप्रैल-मई 2024 में राजभवन की एक अस्थायी महिला कर्मचारी की मनगढ़ंत शिकायत को भी इन अधिकारियों ने बढ़ावा दिया था। राज्यपाल बोस ने अपनी रिपोर्ट में यह भी लिखा कि इन घटनाओं ने राज्यपाल के पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, जिसके चलते उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय से इन अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की थी।

उत्तराखंड में भूकम्प के झटके से डोली धरती

देहरादून, (हि. स.)। उत्तराखंड के चमोली जिले में रविवार रात्रि भूकंप के हल्के झटके से धरती डोल उठी। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई है। हालांकि अभी तक भूकंप से किसी तरह की जान माल हानि की कोई सूचना सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई। रात करीब 9.09 बजे भूकंप के झटके महसूस हुए। झटकों से घबराए लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 5 किलोमीटर नीचे था। बता दें कि उत्तराखंड भूकंप के जोन फाइव में आता है और अक्सर यहां भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

उत्तराखंड में उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, कुमाऊं के कपकोट, धारचूला, मुनस्यारी भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। इन इलाकों में धरती के दस से लेकर 25 किलोमीटर गहराई के बीच भूकंप आते रहे हैं।

कांवड़ यात्रा की ड्रोन से होगी निगरानी, डीजे की ऊंचाई होगी तय

मेरठ, (हि.स.)। श्रावण मास में होने वाली कांवड़ यात्रा की तैयारियां तेज हो गई है। कांवड़ यात्रा की ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी की जाएगी। हादसों को रोकने के लिए कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे की ऊंचाई तय की जाएगी। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। श्रावण मास की शिवरात्रि को कांवड़ियों द्वारा हरिद्वार से गंगाजल लाकर भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया जाता है। इस बार कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू हो रही है और लगभग 4.5 करोड़ कांवड़ियों द्वारा हरिद्वार और गोमुख से गंगाजल लाने का अनुमान है। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस और प्रशासन द्वारा तैयारी तेज कर दी गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने मेरठ में चार राज्यों उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान के अधिकारियों के साथ कांवड़ यात्रा को लेकर योजना तैयार की है, जिससे कांवड़ यात्रा निर्बाध रूप से संपन्न हो सकें। मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक ध्रुवकांत ठाकुर के अनुसार, कांवड़ यात्रा को लेकर पुख्ता व्यवस्था की गई है। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के बीच कांवड़ यात्रा को लेकर यूपी-उत्तराखंड के बॉर्डर पर भौराखेड़ी में संयुक्त समन्वय केंद्र बनाया जाएगा। कांवड़ यात्रा रूट को नो एक्सीडेंट जोन बनाया जा रहा है। पूरी कांवड़ यात्रा की ड्रोन के जरिए निगरानी की जाएगी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, दिल्ली-देहरादून हाईवे और गंगनहर पटरी कांवड़ मार्ग पर 21 जुलाई की रात 12 बजे से पांच अगस्त तक भारी वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। इन रास्तों पर 25 जुलाई से वन-वे व्यवस्था सख्ती से लागू की जाएगी। 27 जुलाई से हल्के वाहनों का आवागमन भी बंद कर दिया जाएगा। एडीजी मेरठ जोन के अनुसार, कांवड़ रूट के सभी 12 जिलों का एक वाट्सऐप ग्रुप बनाया जाएगा। इसमें हरिद्वार से हर घंटे निकलने वाले शिवभक्तों की जानकारी साझा होगी। कांवड़ यात्रा के रास्तों पर सीसीटीवी कैमरों लगाए जाएंगे। इसके साथ ही पुलिस, पीएसी, डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता, इंटेलीजेंस ब्यूरो, एलआईयू, एटीएस आदि की टीमें भी तैनात रहेगी। एडीजी के अनुसार, हादसों को रोकने के लिए इस बार 12 फुट से ऊंची कांवड़ ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। डीजे की ऊंचाई भी कम की जाएगी। कांवड़िए अपने साथ भाले, त्रिशूल या किसी प्रकार का हथियार लेकर नहीं चल सकेंगे। बॉर्डर पर ही कांवड़ियों की चेकिंग होगी। कांवड़ियों के वॉट्सऐप ग्रुप पर निगरानी रहेगी। महिला कांवड़ियों के लिए शौचालय व स्नान की अलग व्यवस्था रहेगी। कांवड़ मार्ग पर शराब, मांस की दुकानों को बंद किया जाएगा।

'सेफ ड्राइव, सेव लाइफ' से बहुत हद तक कम हुई दुर्घटनाएं : ममता बनर्जी

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि राज्य सरकार के 'सेफ ड्राइव, सेव लाइफ' कार्यक्रम ने सड़क दुर्घटनाओं की संख्या को काफी हद तक कम करने में मदद की है। 'सेफ ड्राइव, सेव लाइफ डे' की आठवीं वर्षगांठ पर, बनर्जी ने लोगों से सड़कों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा को अधिक महत्व देने का आग्रह किया। उन्होंने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर लिखा, "हैप्पी सेफ ड्राइव, सेव लाइफ डे! 'सेफ ड्राइव, सेव लाइफ' एक कार्यक्रम है जिसे हमने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया है, जिसमें कड़ी निगरानी, बेहतर इंजीनियरिंग और उपकरणों की तैनाती, और व्यापक जागरूकता शामिल है।" ममता बनर्जी ने कहा, "हमारे सामूहिक अभियान और प्रयासों ने सड़क दुर्घटनाओं और हताहतों की संख्या को काफी हद तक कम कर दिया है, हालांकि अभियान पूरी ताकत से जारी है। हमारी सड़कों पर सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए!" बनर्जी ने हालांकि, पश्चिम बंगाल में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी का समर्थन करने वाले किसी भी आंकड़े का उल्लेख नहीं किया। ममता ने कहा, "हमें सड़क सुरक्षा को अधिक महत्व देना होगा, और विशेष रूप से सड़कों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए। 'सेफ ड्राइव, सेव लाइफ' लोगों की जान बचाने के लिए अवधारित किया गया है।" 'सेफ ड्राइव, सेव लाइफ डे' पहल को आठ जुलाई, 2016 को पूरे राज्य में पेश किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा पर जागरूकता पैदा करना और लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व को समझाना था।

दिल्ली सरकार ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से किया शिक्षकों का तबादला : मनोज तिवारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के पांच हजार शिक्षकों के तबादले को लेकर सत्तारूढ़ आप व भाजपा के नेता एक-दूसरे को जवाबदेह ठहरा रहे हैं। भाजपा के दिल्ली के सभी सातों लोकसभा सांसदों ने इस संबंध में उपराज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा और शिक्षकों के तबादले को रोकने की मांग की ज्ञापन देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने बहुत ही दुर्भावनापूर्ण तरीके से शिक्षकों को तबादला किया है। इससे जहां शिक्षकों को परेशानी होगी, वहीं शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। छात्रों का बहुत नुकसान होगा। इसलिए शिक्षा व छात्रों के हित में यह तबादला रुकना चाहिए। मनोज तिवारी ने आरोप लगाया कि सरकार के पास कोई समुचित तबादला नीति ही नहीं है। इस तरीके से मनमाने ढंग से तबादला करने से किसी का भला नहीं होगा। इससे व्यवस्था चरमरा जाएगी और छात्रों को बहुत अहित होगा। इसलिए सरकार को तबादले के लिए कोई तर्कपूर्ण नीति बनानी चाहिए। तिवारी ने कहा कि जिन शिक्षकों को तबादला किया गया है, वे बहुत परेशान हैं। वे हमारे नेताओं के यहां पहुंचकर अपनी पीड़ा व सरकार की मनमानी के बारे में बता रहे हैं। ऐसे में सरकार को सभी के हित में अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए और शिक्षकों के तबादले को रोकना चाहिए।

मप्र मंत्रिमंडल का विस्तार: कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए रामनिवास रावत बने कैबिनेट मंत्री

- राज्यपाल ने दिलाई कैबिनेट मंत्री शपथ, राज्य के मंत्री की जगह पढ़ गए राज्यमंत्री, दो बार लेनी पड़ी

भोपाल, (हि.स.। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। कांग्रेस से भाजपा में आए रामनिवास रावत को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। राजभवन में सोमवार सुबह एक संक्षिप्त कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके बाद अब डॉ. मोहन यादव सरकार में मुख्यमंत्री समेत 31 मंत्री हो गए हैं। मंत्रिमंडल में अधिकतम 34 मंत्री हो सकते हैं। रावत ने 68 दिन पहले ही लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे। उन्हें मोहन यादव सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। सोमवार को राजभवन में उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली। रावत को सुबह करीब 9.05 बजे बतौर कैबिनेट मंत्री शपथ लेनी थी, लेकिन राज्यमंत्री पद की शपथ ले ली। दरअसल, कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेते समय उनकी जुबान फिसल गई। उन्होंने राज्य के मंत्री की जगह वे राज्य मंत्री पढ गए। उन्होंने कि -"मैं मध्य प्रदेश के राज्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक और शुद्ध अंत:करण से निर्वहन करूंगा।" इससे गफलत हुई कि वह राज्यमंत्री बनाए गए हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट हुआ कि वे कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। इसीलिए उन्हें 9.20 बजे दोबारा कैबिनेट मंत्री की शपथ लेनी पड़ी। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत कई मंत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रामनिवास रावत को कैबिनेट मंत्री बनाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मंत्रिमंडल में एक नए सदस्य का आगमन हुआ है। कैबिनेट मंत्री के नाते रामनिवास रावत के अनुभव का लाभ मिलेगा। उनके अनुभव का सरकार और क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा। पिछड़े और विकास की संभावनाओं वाले क्षेत्र से प्रतिनिधित्व मिल रहा है। पिछले साल हुए विधाधानसभा चुनाव के परिणाम 3 दिसंबर 2023 को आए थे। इसके 8 दिन बाद 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद पर डॉ. मोहन यादव और दो उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा का चयन किया गया। इसके दो दिन बाद 13 दिसंबर को सीएम और दोनों डिप्टी सीएम ने शपथ ली थी। फिर 12 दिन बाद 25 दिसंबर को पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। इसमें 28 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी। इसमें 18 कैबिनेट और 10 राज्यमंत्री शामिल हैं। अब रामनिवास रावत को मिलाकर मंत्रिमंडल में राज्यमंत्रियों की संख्या 11 हो गई है। कौन हैं रामनिवास रावत रामनिवास रावत श्योपुर की विजयपुर सीट से छह बार के विधायक हैं। वे उमंग सिंघार को नेता प्रतिपक्ष बनाने से नाराज थे, जिसके बाद वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। लोसभा चुनाव के दौरान 30 अप्रैल 2024 को उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और भाजपा जॉइनिंग टोली के मुखिया नरोत्तम मिश्रा की मौजूदगी में श्योपुर के एक चुनावी कार्यक्रम में भाजपा की सदस्यता ली थी।

अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाये- मुख्य सचिव

अयोध्या, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में कांवड़ यात्रा, श्रावण झूला मेला-2024 की तैयारियों के सम्बंध में विकास प्राधिकरण सभागार में रविवार को समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश प्रशांत कुमार भी मौजूद रहे। मुख्य सचिव ने बैठक के दौरान निर्देश दिये कि अयोध्या में आने वाले श्रद्वालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाये इसका जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग विशेष रूप से ध्यान रखें।

अतिरिक्त 15 सौ सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था - उन्होंने कहा कि सावन झूला मेला क्षेत्र एवं कांवड़ यात्रा मार्गो पर पर्याप्त साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय, इसके लिए शासन द्वारा 1500 अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था की जा रही है तथा मार्गो के गड्ढे, खराब सड़के, मार्ग जलभराव आदि को भी यथाशीघ्र सही कराया जाय और इसका वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर सुनिश्चित कर लिया जाय, की सभी मार्ग पैदल यात्रा करने वालों के लिए अनुकूल है और यह व्यवस्था अयोध्या के साथ साथ आसपास के जनपदों में भी सभी जिलाधिकारियों द्वारा सुनिश्चित की जाय।

नियमित हो सफाई, ताकि न हो फिसलन - उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु तथा कांवड़ियों द्वारा कलश से जलाभिषेक किये जाने के कारण मार्गो एवं मंदिर की सीढ़ियों व शिवलिंग के आसपास फिसलन की सम्भावना बढ़ जाती है इसके लिए इसकी नियमित सफाई होती रहे इस-ाका भी विशेष ध्यान दिया जाय। मुख्य सचिव ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग तथा मेला क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में पेयजल की व्यवस्था, साफ सुलभ शौचालय, चिकित्सा केन्द्रों पर पर्याप्त दवाईयों की व्यवस्था तथा पूर्ण मात्रा में फस्टऐड किट, श्रद्वालुओं के लिए टीन शेड विश्राम स्थल, क्षतिग्रस्त विद्युत तार व पूर्ण प्रकाश की व्यवस्था व निर्वाध विद्युत आपूर्ति, पार्किंग की सकुशल व्यवस्था आदि समय पर पूर्ण कर लिये जाय।

अखिलेश की सरकार में कई सौ करोड़ रुपये के फंड से बनी मंडियों में लटक रहे ताले

हैंडओवर न होने से वीरान हो गई मंडिया

हमीरपुर, (हि.स.)। बुंदेलखंड में अखिलेश यादव की सरकार में कई सौ करोड़ रुपये के फंड से बनाई गई मंडियों में आज भी ताले लटक रहे है। किसानों को लाभ देने के लिए मंडिया एक दशक बीतने के बाद भी हैंडओवर नहीं की गई जिससे बड़ी संख्या में बनाई गई मंडिया अब वीरान हो गई है। सूबे में मायावती की सरकार में किसानों के लिए गल्ला मंडियों के निर्माण कराए जाने की हरी झंडी दी गई थी। बुंदेलखंड विशेष पैकेज में कई सौ करोड़ रुपये के फंड सेमंडियों के निर्माण कराए जाने का यहां हमीरपुर जिले में शुभारंभ हुआ था। राठ, सरीला समेत अन्य तमाम गांवों में गल्ला मंडिया बनाई गई। डिपार्टमेंट के मुताबिक सरीला क्षेत्र के चंडौत गांव में किसानों की सुविधा के लिए गल्ला मंडी बनाई गई थी जिसमें वर्ष 2010 से 2014 तक 207.09 लाख रुपये खर्च किए गए। लेकिन यह मंडी किसानों के लिए नहीं हैंड-ओवर की जा सकी। हमीरपुर जिले के अन्य गांवों में भी करोड़ों रुपये के फंड से बनाई गई गल्ला मंडिया पूरी तरह से वीरान हो गई है।

इन मंडियों में कामकाज न शुरू कराए जाने से किसान मायूस है। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष निरंजन सिंह राजपूत ने बताया कि सरकार ने किसानों को अनाज नजदीक में ही मंडियों में बेचने की बड़ी सुविधा देने को जगह-जगह मंडियों के निर्माण कराए है लेकिन रखरखाव न होने के कारण कई जगहों पर बनी मंडिया खंडहर में तब्दील हो गई है।

अखिलेश की सरकार में ही मंडिया बनाने में खर्च हुए थे डेढ़ अरब रुपये - अखिलेश यादव की सरकार में वर्ष 2012 में बुंदेलखंड विशेष पैकेज के तहत डेढ़ सौ करोड़ रुपये का फंड मंडियों के निर्माण कराने के लिए कार्यदायी संस्था को मिला था जिसमें एक अरब रुपये की लागत से विशिष्ट मंडी का निर्माण कराया गया जबकि तेईस उप मंडिया भी बनाई गई। इन मंडियों में भी छियालीस करोड़ से अधिक रुपये की धनराशि खर्च हुई। मजे की बात तो यह है कि ये मंडिया आज तक न तो हैंडओवर की गई और नही किसानों के उपयोग के लिए मंडियों के ताले खोले गए। सुमेरपुर ब्लाक के धनपुरा गांव में सौ एकड़ भूमि में बनी विशिष्ट मंडी इन दिनों वीरान हो गई है।

करोड़ों रुपये लगे ठिकाने फिर भी किसानों को मंडियों से नही मिला फायदा - हमीरपुर जिले में एक विशिष्ट मंडी व तेईस उप मंडियों के निर्माण में करीब डेढ़ अरब की धनराशि खर्च हो गई लेकिन इससे किसानों को कोई लाभ आज तक नहीं मिल सका। बार संघ के अध्यक्ष एवं किसान नेता भगवानदास दीक्षित ने बताया कि सरकार ने किसानों के लिए मंडियों का निर्माण कराया था लेकिन ये मजाक बन गई है। एडीएम फाइनेंस विजय शंकर तिवारी ने बताया कि बुंदेलखंड विशेष पैकेज के तहत यहां मंडियों के निर्माण कराए गए थे। अभी तक ये हैंडओवर क्यों नहीं हुई इसे लेकर पता कराया जाएगा। बताया कि मंडी प्रभारियों से इस मामले में जानकारी कर कार्रवाई की जाएगी।

भारी बारिश के चलते बरेली में 8वीं तक के स्कूलों की छुट्टी

बरेली(ईएमएस)। भारी बारिश के चलते बरेली के जिला अधिकारी ने 8वीं तक के स्कूलों की छुट्टी दे घोषित कर दी है। इससे पहले शिक्षकों ने स्कूलों में जलभराव के फोटो लेकर एक्स पर पोस्ट करना शुरू कर दिया। साथ ही शिक्षक संगठनों के वाट्स ग्रुपों पर लगातार रि-पोस्ट करने की अपील भी जा रही है। हालातों को देखते हुए अवकाश का निर्णय लिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय सिंह ने बताया कि लगातर हो रही बारिश को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर कक्षा एक से आठ तक के सभी परिषदीय विद्यालयों, राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, सीबीएसई समेत सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में सोमवार अवकाश घोषित कर दिया गया। हालांकि अवकाश घोषित होने

से पहले बच्चे स्कूलों में पहुंच गए, जिनको बाद में लौटा दिया गया। रविवार को सुबह वर्षा के बाद दिन में मौसम खुला, लेकिन देर रात फिर से घनघोर वर्षा शुरू हुई, जिससे शहर की प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गई। वहीं, फरीदपुर में विद्युत उपकेंद्र में पानी भर गया, जिससे क्षेत्र की आपूर्ति भी बाधित हो गई। साथ ही वर्षा के चलते तापमान में भी लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। शनिवार को 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो रविवार को 1.2 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरकर 27.8 पर पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान में भी शनिवार के अपेक्षा 1.9 डिग्री सेल्सियस गिरावट के साथ 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई। इससे आने वाले दिनों में भी मौसम में नमी बने रहने की उम्मीद है। मौसम विज्ञानियों ने आने वाले दो दिन में वर्षा से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई है। जिले में बीते कई दिनों से लगातार रुक-रुक वर्षा हो रही है। इससे किसानों को राहत मिल रही है मगर शहरी क्षेत्र में कई जगह जलभराव और सड़क-नालियों के धंसने व क्षतिग्रस्त होने से परेशानी बढ़ गई। इसको लेकर निगम की ओर से नाला सफाई को लेकर किए जा रहे दावे भी फेल दिखे। सिटी स्टेशन रोड पर कई स्थानों पर सड़क पर गड्ढे हो जाने से राहगीरों को ढेरों परेशानी का सामना करना पड़ा।

सड़क बंद होने से दस गांव का संपर्क कटा, आवश्यक सामग्री का संकट

गोपेश्वर, (हि.स.)। चमोली जिले के देवाल विकास खंड पिछले पांच दिन से हो रही बारिश से जहां क्षेत्र के मुख्य सड़के बदहाल हुए हैं, वहीं देवाल-खेता, घेस-वलाण मोटर मार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन और बोल्डर आने से पांच दिनों से यातायात के लिए ठप पड़ी है। घाटी के 10 गांव में आवश्यक सामग्री नहीं पहुंच पा रही है। देवाल-खेता मोटर मार्ग के सुयालकोट में लगातार ऊपर से मलवा आने से लोगों दो किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई पार कर अपने गंतत्व तक आ जा रहे हैं। तोरती, रामपुर, हरमल, उदयपुर, चन्याली, ऊपथर, झलिया, कुंवारी, मेलखेत, वोटिंग और वाण गांव में राजमर्रा की आवश्यक सामग्री नहीं पहुंच पा रही है। क्षेत्र पंचायत सदस्य रूप सिंह कुंवर ने बताया कि सुयालकोट पिछले तीन साल से बरसात में नासूर बना है। बलाण के उप प्रधान विरेन्द्र राम ने बताया है कि वलाण रोड कालीताल के पास बोल्डर आने से सड़क पांच दिन से बंद है। बलाण से 20 बच्चे अपनी पढ़ाई के लिए राजकीय इंटर कालेज घेस नहीं आ पा रहे हे। गांव में आवश्यक सामान की किल्लत शुरू हो गई है। उन्होंने विभाग से शीघ्र सड़क खोलने की मांग की है। इधर, पीएजीएसवाई सहायक अभियंता वीएस भंडारी ने कहा कि घेस तक जेसीबी मशीन पहुंच गई है बलाण रोड को शीघ्र खोल दिया जाएगा।

हाईकोर्ट ने सरकारी एवं गैर सरकारी प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा को लेकर मांगा जवाब

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने देश भर के विभिन्न विधि विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं की तरफ से दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार एवं प्रयागराज के अग्निशमन अधिकारी से जवाब तलब किया है। पूछा है, वे बताएं कि शहर के सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं में आग से सुरक्षा एवं संरक्षा के क्या उपाय किए गए हैं। हाईकोर्ट ने अधिकारियों से 26 जुलाई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह आदेश चीफ जस्टिस अरुण भंसाली एवं जस्टिस विकास बुधवार की खंडपीठ ने रिचिका सिंह समेत कई विधि छात्रों की तरफ से दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया। सभी याची विधि छात्र चीफ जस्टिस की कोर्ट में एक कतार बनाकर खड़े थे। जनहित याचिका में प्रयागराज के 24 विभिन्न सरकारी बिल्डिंग्स, निजी प्रतिष्ठानों की अग्नि सुरक्षा उपायों को लेकर एक फैक्ट फाईंडिंग रिपोर्ट तैयार किया गया था। जिसमे यह पता चला कि प्रयागराज में उक्त बिल्डिंगों में फायर प्रिवेंशन एंड फायर सेफ्टी एक्ट 2005 का अनुपालन नही हो रहा है। फैक्ट फाईंडिंग रिपोर्ट को आधार बनाकर जनहित याचिका छात्रों की तरफ से दाखिल की गई थी। केस की सुनवाई के समय राज्य सरकार की तरफ से सरकारी अधिवक्ता ने अपना पक्ष रखते हुए अग्निशमन विभाग की तरफ से शार्ट इंस्ट्रक्शन पेश किया। जिस पर कोर्ट संतुष्ट नही थी तथा सरकारी अधिवक्ता को इस मामले में विस्तृत जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि जवाब न केवल उन्हीं सरकारी अथवा गैर सरकारी प्रतिष्ठानों को लेकर देना होगा बल्कि उस क्षेत्र के आसपास के सभी प्रतिष्ठानों के सम्बन्ध में देना होगा। कोर्ट इस जनहित याचिका पर 26 जुलाई को पुनः सुनवाई करेगी।

विधानसभा के समक्ष सहायक पुलिस कर्मी अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे

रांची, (हि. स.)। विधानसभा के समक्ष सहायक पुलिस कर्मी अपनी मांगों को लेकर को धरने पर बैठ गये हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। इस सत्र में हेमंत सोरेन विश्वास प्रस्ताव रखेंगे और विश्वास मत हासिल करेंगे। सत्र शुरू होने से पहले सहायक पुलिस कर्मी विधानसभा के परिसर में धरने पर बैठ गये हैं। पुलिस यूनिफॉर्म में होने के कारण धरने पर बैठे सहायक पुलिसकर्मियों को किसी ने परिसर में आने से नहीं रोका। धरने की सूचना मिलते ही ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल पहुंचे और सहायक पुलिसकर्मियों को धरनास्थल पर लौटने को कहा। ग्रामीण एसपी ने सहायक पुलिसकर्मियों को कहा कि धरनास्थल पर लौटे, नहीं तो एफआईआर होगा। साथ ही कहा कि आपकी नौकरी पर खतरा होगा। मौके काफी संख्या में पुलिस बल की जवान तैनात किए गए है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी राज कुमार मेहता और सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार भी मौके पर पहुंचे हैं और धरने पर बैठे सहायक पुलिसकर्मियों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गत दो

जुलाई से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मोरहाबादी मैदान में सहायक पुलिसकर्मी धरने पर बैठे हैं। 2300 सहायक पुलिसकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं। बारिश होने के बाद भी सभी धरना स्थल पर डटे हुए हैं। विभिन्न जिलों से आये सहायक पुलिसकर्मियों ने अपने रहने के लिए टेंट भी बना लिया है। धरना के चौथे और पांचवें दिन यानी दो दिनों तक सहायक पुलिसकर्मियों ने काला बिल्ला लगा कर विरोध भी किया था। अब अनिश्चितकालीन धरना पर बैठने से एक दिन पहले यानी एक जुलाई को सहायक पुलिसकर्मी सामूहिक अवकाश पर थे। इसी क्रम में चार जुलाई को सहायक पुलिसकर्मी राज भवन का घेराव करने जा रहे थे रास्ते में ही पुलिस ने उन्हें रोक दिया था। झारखंड सहायक पुलिस प्रदेश एसोसिएशन के सचिव विवेकानंद गुप्ता ने बताया कि 10 अगस्त को उनका अनुबंध समाप्त हो जायेगा। इसके बाद उनका अनुबंध रिनुवल होगा या नहीं, यह भी क्लियर नहीं है। सहायक पुलिसकर्मियों ने मानदेय बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन शुरू किया है। उन्होंने कहा कि 2300 सहायक पुलिसकर्मी पिछले सात साल से मात्र 10 हजार रुपये के मानदेय पर नौकरी कर रहे हैं। इनमें से कई सहायक पुलिसकर्मियों की दूसरी जगह पर नौकरी करने की उम्र भी समाप्त हो गयी है। इससे सहायक पुलिसकर्मी आक्रोशित है। नक्सलियों के संबंध में सूचना देने के लिए सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली की गयी थी, लेकिन उनसे पुलिस का सारा काम जैसे विधि-व्यवस्था, ट्रैफिक, थाना ड्यूटी, चुनाव ड्यूटी आदि में लगाया जाने लगा। सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली राज्य के 12 जिला गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका एवं गिरिडीह में हुई थी। वर्तमान में हर जिला में सहायक पुलिसकर्मी कार्यरत हैं।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

रांची, (हि.स.)। झारखण्ड विधानसभा स्थित विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो से मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भेंट कर उनका अभिवादन किया। झारखण्ड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मुख्यमंत्री से मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, प्रधान सचिव वंदना दादेल एवं झारखंड विधानसभा के सचिव

सैय्यद जावेद हैदर ने भेंट कर उनका अभिवादन एवं स्वागत किया।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन खिलाफ अविश्वास था, इसलिए विश्वास मत लाया गया : सुदेश कुमार महतो

रांची, (हि.स.)। झारखांड विधानसभा के विशेष सत्र में सोमवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि अविश्वास की बात ही कहां थी, जो विश्वास प्रस्ताव सदन में लाया गया है। विपक्ष ने तो ऐसी कोई मांग नहीं की थी। मुझे लगता है कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के खिलाफ अविश्वास था, इसलिए विश्वास मत लाया गया है। मेरा ऐसा मानना है कि अब सदन के विश्वास की कोई जरूरत नहीं है, जनता के विश्वास की जरूरत है। इसलिए जनता के पास जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के कार्यकाल, जो मात्र 5 महीने का रहा, उसमें झारखंड और झारखंडियत का कुछ अनुभव जरूर हुआ। क्योंकि लोग इनसे मिल सकते थे। राजतंत्र का बोध नहीं होता था।

रवि रंजन असिस्टेंट कमांडेंट बनकर बढ़ाया नवादा का गौरव

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के नरहट प्रखण्ड अंतर्गत पुन्थर गांव निवासी पिता सुरेन्द्र यादव एवं माता सीता देवी के पुत्र रविरंजन कुमार उर्फ पंकज कुमार ने यूपीएससी की परीक्षा में सफलता हासिल कर असिस्टेंट कमांडर बन कर गांव के साथ ही नवादा का नाम रौशन किया है। रविरंजन ने यूपीएससी में 306 रैंक प्राप्त किया है। स्वजनों ने बताया कि रविरंजन ने मैट्रिक की पढ़ाई उच्च विद्यालय हिसुआ से 2006 में और गांधी इंटर विद्यालय नवादा से 2008 में इंटर की परीक्षा पास की है। इसके बाद रविरंजन ने नेवी की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर 2009 से इंडियन नेवी कार्यरत था। इसके बाद भी रविरंजन को आगे की पढ़ाई कर उच्च पद प्राप्त करने की ललक थी। इस

बार यूपीएससी द्वारा जारी 7 जुलाई को रिजल्ट में सफलता प्राप्त कर गांव एवं स्वजनों का मान बढ़ाया है। रविरंजन तीन भाई में सबसे बड़ा है। मंझला भाई प्राइवेट कंपनी में इजीनियर है। वहीं छोटा भाई मनोज कुमार जेनरल तैयारी कर रहा है। रविरंजन की इस सफलता पर माता पिता, भाई एवं गांव के लोग काफी खुश हैं। इनके सफलता पर दद्दन कुमार, हरवल्व कुमार आदि लोगों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

दोहे

"हम ही थे कमजोर"

फौलादी रिश्ते मिले,
सब के सब मुंह जोर।
धोखे मौकों पर दिए,
तोड़ गए हर पोर।।
हाथों ने अनशन किया,
खींच न पाये डोर।
रिश्ते सब मजबूत थे,
हम ही थे कमजोर।।

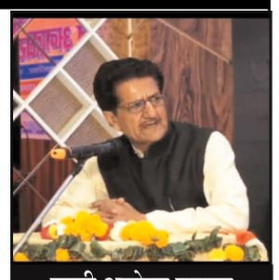

त्यागी अशोका कृष्णम
कुरकावली, संभल, उत्तर प्रदेश

झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र : परिसर के बाहर धरने पर बैठे भाजपा विधायक

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। इस सत्र में हेमंत सोरेन विश्वास प्रस्ताव रखेंगे और विश्वास मत हासिल करेंगे। हेमंत सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले विपक्षी पार्टी बीजेपी के विधायक विधानसभा परिसर के बाहर धरने पर बैठे हैं। इस दौरान सभी विधायक आदिवासी विरोधी सरकार, सत्ता का भूखा हेमंत शर्म करो, पांच लाख नौकरी का क्या हुआ, राज्य में चौपट विधि व्यवस्था

के लिए हेमंत सोरेन शर्म करो, पत्थर-कोयला-बालू और जमीन लुटवाने वाली सरकार हाय हाय के नारे लगा रहे हैं।

फिर से ठगने आ रहे है हेमंत सोरेन : अमर कुमार बाउरी

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने 11 बजकर 10 मिनट पर विशेष सत्र की कार्यवाही शुरू की। इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सदन में विश्वास मत प्रस्ताव पेश किया। इससे पहले पहले गांडेय विधायक और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने वरिष्ठों के पैर छूकर आशीर्वाद लिये। कल्पना सोरेन ने लोबिन, डॉ रामेश्वर उरांव, सविता महतो और चंपाई सोरेन के भी पैर छुए। सदन में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि इस सरकार का गठन ही लूट

की सोच के आधार पर हुआ। फिर से हेमंत सोरेन ठगने आ रहे हैं। हेमंत सरकार ने हर साल पांच लाख नौकरी देना का वादा किया था। सात हजार रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता देने की भी बात कही थी। लेकिन सरकार ने घोषणा पत्र पर अमल नहीं किया। उन्होंने कहा कि चार महीने से पेंशन नहीं मिल रहा है। 11 महीने से राशन नहीं मिल रहा है। सहायक पुलिसकर्मी को स्थायी करने का वादा पूरा नहीं हुआ। कल जहां मुख्यमंत्री पूजा कर रहे थे, वहां से चंद मीटर की दूरी में एक पूर्व पार्षद को गोली मार दी जाती है। झारखंड में ऐसी है लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति। उन्होंने कहा कि बंगालदेशी घुसपैठ को लेकर हाई कोर्ट ने भी कह दिया कि डोमेग्राफी बदल दी है। यह सरकार देश में सबसे भ्रष्ट सरकार है। इसके एक मंत्री जेल में है।

दिन के उजाले में हो रही लाखो की बालू का अवैध खनन, मूकदर्शक बनी पुलिस

- सोशल मीडिया पर वीडियो हो रहा वायरल

नवादा, (हि .स.)। नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र में 31 दिसंबर 2021 से नदी से बालू का उठाव पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद नियम कानून को ताक पर रखकर दिनदहाड़े बालू का उठाव कर घोर उल्लंघन किया जा रहा है। रोक के बावजूद पुलिस की मिलीभगत से बालू का ट्रैक्टर के माध्यम से नदी से अवैध रूप से बालू का उठाव किया जा रहा है। जिसका सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रहा है। बालू खनन माफिया के द्वारा धड़ल्ले से तस्करी भी की जा रही है। रजौली में बालू का अवैध कारोबार रोक पाने में पुलिस प्रशासन हो या खनन विभाग पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। यूं कहें कि बालू कारोबारी के आगे रजौली प्रशासन और खनन विभाग ने घुटने टेक दिए हैं। अनुमंडल प्रशासन बालू का अवैध कारोबार करने वालों के आगे बौनी साबित हो रही है। आज तक बालू कारोबार करने वाले के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई ना जिला प्रशासन कर पाई है और ना ही खनन विभाग। जिस कारण बालू का अवैध कारोबार करने वाले माफिया धड़ल्ले से अपने कारोबार को अंजाम देने में लगे हुए हैं। दिन के उजाले में धनार्जय नदी व खूरी नदी से बालू उठाव कर दिन दहाड़े हो रहा है। थाना

क्षेत्र में पिछले कई सालों से बालू के खनन पर रोक लगे रहने के बावजूद रजौली बालू माफियाओं के द्वारा खनन का धंधा बेरोकटोक जारी रखे हुए हैं। पहले तो पुलिस प्रशासन की डर रहती थी। जिसके कारण रात के अंधेरे में छिट-पुट बालू चोरी की जाती थी। लेकिन माफियाओं के द्वारा अब दिन के उजाले में धनार्जय नदी व खूरी नदी से बालू उठाव कर दिन दहाड़े बालू लदे ट्रैक्टर गुजरना आम हो गया है। बालू खनन कर रहे तस्करों पर रोक लगाने में पुलिस प्रशासन तमाशबीन बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नदी घाटों में तस्करों के द्वारा अवैध बालू खनन किया जा रहा था, जिसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा पूलिस को दूरभाष पर दिया जाता है। लेकिन सूचना के बाद भी प्रशासन नदी घाट पर नहीं पहुंचती है। जो उनकी मिली भगत को दशार्ता है। लिहाजा क्षेत्रों में बालू के अवैध कारोबार में अंधेरगर्दी मची हुई है। थाना क्षेत्र के धनार्जय नदी हरदिया, बॉढ़ी, बंधन छपरा, मलियातरी, जम्मूआएं,भाईजीभित्ता, चितरकोली, धमनी के अलावे खुरी नदी के गैरिबा बालू घाट से उठाव कर लेंगुरा व धमौल तथा रजौली के कई गांवों में बालू लदे ट्रैक्टर का परिचालन किया जा रहा है। माफियाओं के द्वारा प्रत्येक दिन सैकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर बालू की ढुलाई कराया रहा है। इस मामले में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी जानते हुए भी अनजान बने हुए हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी - थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा की सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है। हमें जानकारी नहीं है। वीडियो का जांच किया जा रहा है। जो लोग दोषी पाए जाएंगे उन पर कड़ी करवाई की जाएगी।

महायज्ञ को ले अफरडीह गांव में निकाली गई कलश यात्रा

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के कौआकोल प्रखंड के दरावां पंचायत के अफरडीह गांव में सोमवार को एक नवनिर्मित मंदिर में भगवान हनुमान जी के प्रतिमा में प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के शुभारंभ को लेकर 24 घण्टा का श्रीराम धुन का आयोजन किया गया। जिसको लेकर विशाल कलश यात्रा भी निकाली गई। आयोजनकर्ता से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीहनुमान जी की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालुओं का जत्था चार बस एवं दो चारपहिया वाहन से कलश लेकर मुंगेर जिला के कष्टहरणी घाट पहुंचे। वहां विधिवत कलश में जलभराई कार्य किया गया। वहां से पुनः श्रद्धालुओं का जत्था पकरीबरावां-सिकंदरा पथ पर परसामा मोड़ के पास उतर गए। जहां से अफरडीह गांव अवस्थित बजरंगबली के मंदिर तक आने के लिए पैदल कलश यात्रा की शुरूआत हुई। जहां से कलश यात्रा में गोविंदपुर विधायक मोहम्मद कामरान समेत सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान कलश यात्रा में शामिल विधायक कामरान कंधे पर भगवा गमछा एवं सर पर तिलक लगाए पूरे उत्साह में नजर आए। पूजन कार्यक्रम

में मुख्य यजमान की भूमिका अफरडीह गांव के मनोज महतो ने निभाई, जबकि पुरोहित की भूमिका लक्खीसराय के विद्वान ब्राह्मण प्रवीण पांडेय ने निभाई। पुरोहित के द्वारा विधिवत कलश स्थापित कर 24 घण्टीय श्रीराम धुन की शुरूआत की गई। हवन व पूणार्हुति के साथ ही प्रसाद वितरण कार्यक्रम निर्धारित है। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीण सुबोध सिंह, अरविंद कुमार, नवीन कुमार, बीपीन कुमार आदि प्रमुख भूमिका निभाई। मौके पर प्रखण्ड राजद अध्यक्ष कैलाश प्रसाद यादव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

नवादा में 48 लीटर केन बियर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नवादा (हि. स.)। नवादा जिले के रजौली थानाक्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जाँच चौकी से वाहन जाँच के दौरान सोमवार को यात्री बस से 48 लीटर केन बियर के साथ दो शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू है, जिसको लेकर बिहार में शराब का बिक्री और परिवहन करना दंडनीय अपराध है। शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए प्रत्येक दिन झारखंड की ओर से आनेवाली हर छोटी और बड़ी गाड़ियों सहित यात्री बसों को जाँच किया जाता है। सोमवार को झारखंड राज्य से आ

रही श्री नामक यात्री बस को सहायक अवर निरीक्षक बिशु हेम्ब्रम के द्वारा जाँच के लिए रोका गया और तलाशी के दौरान संदिग्ध अवस्था मे एक बैग दिखाई दिया। बैग की तलाशी के दौरान केन बियर बरामद किया गया,जिसके बाद दो कारोबारी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान बिहार के भोजपुर जिला के बड़हरा थानाक्षेत्र के फुहा निवासी हरिनंदन सिंह के पुत्र रोशन कुमार और संतोष सिंह के पुत्र धीरज कुमार के रूप में की गई है। गिरफ्तार कारोबारियों ने बताया कि केन बियर को झारखंड राज्य के कोडरमा से खरीद कर भोजपुर लेकर जा रहे थे। जप्त केन बियर में किंगफिशर प्रीमियम बियर 500 एमएल का 60 पीस और किंगफिशर स्ट्रॉन्ग बियर 500 एमएल का 36 पीस शामिल है। गिरफ्तार दोनों कारोबारियों के ऊपर उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संपादकीय

ढहते पुलों का बिहार

यह बिहार में ही हो सकता है। किसी अन्य राज्य में अपवाद के तौर पर हादसा हो सकता है। बिहार के सारण (छपरा) और सीवान में 24 घंटे के दौरान पांच पुल ध्वस्त हुए हैं। संभवतः लापरवाही, नालायकी और भ्रष्टाचार का यह विश्व कीर्तिमान है। एक पखवाड़े के दौरान 12 पुल ध्वस्त होकर 'मलबा' हुए हैं। यह सिर्फ बिहार में ही हुआ है। इन पुलों के जरिए कितने गांव, कस्बे और मानवीय आबादी जुड़ी होगी। वे सब अधर में लटक गए हैं। उनकी आवाजाही, काम-धंधों पर विराम लग गया है। एक पुल कितने समय में बनता है और उस पर कितने करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, अचानक वह भुरभुरा कर ढह जाता है, तो कितने संसाधन बर्बाद होते हैं? एक जंगलराज अतीत में था और अब 'सुशासन राज' के ढोल पीटे जाते हैं, जो दरअसल जंगलराज ही है। अब ये 12 पुल कब तक बन सकेंगे और उनके लिए आर्थिक संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, यह सवाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि बिहार मौजूदा वित्त वर्ष में केंद्र सरकार की 52,000 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि पर गुजारा कर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत सत्ता और विपक्ष के सभी बड़े नेता 'विशेष राज्य का दर्जा' दिए जाने का प्रलाप करते रहे हैं। हाल ही में सत्तारूढ़ जनता दल-यू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राजधानी दिल्ली में हुई थी। उसमें भी यह प्रस्ताव पारित किया गया। चूंकि मोदी सरकार में जद-यू एक महत्वपूर्ण घटक है। सरकार की स्थिरता का एक मजबूत स्तंभ भी है, लेकिन सरकार के अपने नियम-कानून भी होते हैं। 2014 में मोदी सरकार की शुरुआत में ही तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेतली ने बयान दिया था कि 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद ही राज्यों को 'विशेष श्रेणी का दर्जा' देने का युग समाप्त हो गया। पूर्वोत्तर के राज्यों, जम्मू-कश्मीर (अब संघशासित क्षेत्र), हिमाचल और उत्तराखंड सरीखे हिमालयन राज्यों को इस श्रेणी के तहत आर्थिक मदद जारी रहेगी। अब 16वें वित्त आयोग का दौर है। साफ है कि बिहार और आंध्रप्रदेश को 'विशेष श्रेणी के राज्य' का दर्जा दिया जाना तो संभव नहीं है। अलबत्ता उन्हें 'विशेष आर्थिक पैकेज' जरूर दिए जा सकते हैं। आंध्र की सत्तारूढ़ तेलुगूदेशम पार्टी के 16 सांसद भी मोदी सरकार की स्थिरता के आधार हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बीते कल ही प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर विशेष आर्थिक सहायता मांगी है। बहरहाल बिहार के संदर्भ में व्यापक चिंतन-मनन करना चाहिए, क्योंकि उसे बजट के तहत जो राशि आवंटित की जाती रही है, वह भी 'अनखर्च' रहती है। दरअसल बिहार में संस्थानगत क्षमता, आधारभूत ढांचे, बाजार, उद्यमी कौशलता और उपयुक्त औद्योगिक माहौल आदि की कमी रही है, लिहाजा राशियां 'अनखर्च' रहती हैं। वित्त वर्ष 2023 में बिहार में राजस्व खर्च का 51,722 करोड़ रुपए और पूंजी बजट का 24 फीसदी, 14,786 करोड़ रुपए खर्च ही नहीं किए जा सके। वित्त वर्ष 2020, 2021 और 2022 में भी क्रमशः 78,122 करोड़, 75,926 करोड़ और 70,083 करोड़ रुपए 'अनखर्च' ही रहे। ये कोई सामान्य और कम राशियां नहीं हैं। यदि राशि बजट की अवधि के दौरान खर्च नहीं की जाती, तो उसे त्याग देना पड़ता है। यह भी एक किस्म का आत्मसमर्पण होता है। ये राशियां 'विशेष श्रेणी के राज्य' का दर्जा मिलने के बाद जो फंड मिलता है, उनसे भी अधिक हैं। जब विभाग बजटीय आवंटन की राशि को खर्च करने में अक्षम हैं, तो उसके साफ मायने हैं कि राज्य पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। बिहार की बुनियादी समस्याएं हैं, जो पुलों के ढहने में ही नहीं दिखतीं, बल्कि स्कूल-कॉलेज, अस्पताल आदि भी जर्जर अवस्था में हैं। पुल किसी भी सरकार ने बनाए हों, उनके निर्माण का ऑडिट होना चाहिए।

बिहार के सारण (छपरा) और सीवान में 24 घंटे के दौरान पांच पुल ध्वस्त हुए हैं। संभवत: लापरवाही, नालायकी और भ्रष्टाचार का यह विश्व कीर्तिमान है। एक पखवाड़े के दौरान 12 पुल ध्वस्त होकर 'मलबा' हुए हैं। यह सिर्फ बिहार में ही हुआ है। इन पुलों के जरिए कितने गांव, कस्बे और मानवीय आबादी जुड़ी होगी। वे सब अधर में लटक गए हैं। उनकी आवाजाही, काम-धंधों पर विराम लग गया है। एक पुल कितने समय में बनता है और उस पर कितने करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, अचानक वह भुरभुरा कर ढह जाता है, तो कितने संसाधन बर्बाद होते हैं? एक जंगलराज अतीत में था और अब 'सुशासन राज' के ढोल पीटे जाते हैं, जो दरअसल जंगलराज ही है। अब ये 12 पुल कब तक बन सकेंगे और उनके लिए आर्थिक संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, यह सवाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि बिहार मौजूदा वित्त वर्ष में केंद्र सरकार की 52,000 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि पर गुजारा कर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत सत्ता और विपक्ष के सभी बड़े नेता 'विशेष राज्य का दर्जा' दिए जाने का प्रलाप करते रहे हैं। हाल ही में सत्तारूढ़ जनता दल-यू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राजधानी दिल्ली में हुई थी। उसमें भी यह प्रस्ताव पारित किया गया।

शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं

गांवों से पलायन एवं बढ़ते शहरीकरण के खतरे

ललित गर्ग

भारत में बढ़ता शहरीकरण भले ही विकास का आधार हो, लेकिन इसने अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने एवं नया भारत-विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे-जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे-वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी। निश्चित ही जब भी शहरों में कोई नई कॉलोनी विकसित होती है तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि किसी न किसी गांव की कुर्बानी हुई है। एक और विडम्बना एवं त्रासदी है कि जिन्हें शहर कहा जा रहा है वहां अपने संसाधना से वंचित लोगों की बेतरतीब, बेचैन और विस्थापित भीड़ ही होगी। कुछ समय पूर्व स्विट्ज़रलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच का सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें यह बात उभर कर सामने आई कि शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। यह सही भी है क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकासशील अर्थव्यवस्था में शहरों को विकास का सबसे बड़ा वाहक माना जाता है। भारत में नवीन भारत की पहल के विचार को आगे बढ़ाने की कड़ी में शहरी बुनियादी ढाँचों में सुधार के समग्र दृष्टिकोण को अपनाये जाने की अपेक्षा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरी विकास की इस प्रक्रिया ने गाँवों के सामने अस्तित्व का संकट उत्पन्न कर दिया है। शहरों का अनियोजित विकास, महानगरों का असुरक्षित परिवेश, पर्यावरण की समस्या, बढ़ता प्रदूषण, जल का अभाव एवं शहरी संस्कृति में बढ़ते जा रहे संबंधमूलक तनाव हमें यह सोचने पर विवश करते हैं कि शहरी विकास की अवधारणा पर एक बार फिर से विचार किया जाना चाहिये। विभिन्न प्रकार के प्रदूषण उत्पन्न करने में गाँवों की तुलना में शहरों की

भूमिका अधिक है, तो क्या यह कहा जा सकता है कि विकास और प्रदूषण का एक-दूसरे के साथ सकारात्मक संबंध है? बेहतर रोजगार, आधुनिक जनसुविधाएं और उज्ज्वल भविष्य की लालसा में अपने पुश्तैनी घर-बार छोड़कर शहर की चकाचौंध की ओर पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश में एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की संख्या लगभग 350 हो गई है जबकि 1971 में ऐसे शहर मात्र 151 थे। यही हाल दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों का है। इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरीकरण को विकास का पैमाना माना जाता है। शहरों में गांवों की तुलना में अधिक साधन, सुविधाएं, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा दूसरे शब्दों में आधारभूत सुविधाएं अधिक होती हैं। यह भी सच है कि ये सुविधाएं सभी को नसीब भी नहीं होतीं। रोजगार के लिए गांवों से शहरों में आने वाले बहुत सारे लोगों को कच्ची बस्तियों, चालों या एक से दो कमरें के मकानों में किराए पर रहने को बाध्य होना पड़ता है। शहरों में बुनियादी सुविधाओं के बावजूद सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र पर खासा नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है। शहरों में रहना दूभर ही होता जा रहा है। असल में देखें तो संकट वायु प्रदूषण का हो या जंगल का, स्वच्छ वायु का हो या फिर स्वच्छ जल का, सभी के मूल में विकास की वह अवधारणा है जिससे शहर रूपी सुरसा सतत विस्तार कर रही है और उसकी चपेट में आ रही है प्रकृति और उसकी नैसर्गिकता। जिसके कारण मनुष्य की सांसें उलझती जा रही है, जीवन पर संकट मंडरा रहा है। अगर हमें पूरी समस्या से लड़ना है, तो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सहित महानगरों के स्तर पर और साथ ही पूरे देश के स्तर पर अपनी कई आदतों को बदलना होगा, विकास के तथाकथित मॉडल पर गंभीर चिन्तन करना होगा। वायु प्रदूषण का कारण पराली एवं सड़क पर दौड़ते निजी वाहनों में खोजने की बजाय हमें महानगरों के अनियोजित शहरीकरण में खोजना होगा। पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनज़र शहर एक बड़ी चुनौती बन रहे हैं क्योंकि शहर के विकास के लिये हरित क्षेत्र की बलि चढ़ाई जा रही है। जलवायु संबंधी परिवर्तनों ने कई शहरों के अस्तित्व को चुनौती दी है, विशेषतः समुद्र किनारे बसे शहर अब मानव निर्मित आपदाओं से अछूते नहीं रह गए हैं। इसके अलावा, तीव्र प्रौद्योगिकीय विकास शहरों में अनेक परंपरागत व्यवसाय करने वाले समूहों के लिये खतरा बन गया है क्योंकि इससे भी पर्यावरण को नुकसान होता है। देश के सभी बड़े शहरों और महानगरों में बड़ी संख्या में स्लम बस्तियाँ बन गई हैं। इनमें रहने वाले लोग शहरी जनसंख्या से संबंधित उच्च एवं मध्य वर्ग की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, परंतु वे न केवल गरीबी के शिकार हैं अपितु बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। प्रत्येक शहर में बेतरतीब यातायात एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। शहर में रहने वाले समृद्ध लोग अपनी शक्ति और संपन्नता के प्रदर्शन के लिये यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं और इससे बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं। शहर के लिए सड़क चाहिए, बिजली चाहिए, जल चाहिए, मकान चाहिए और दफ्तर चाहिए। इन सबके लिए या तो खेत होम हो रहे हैं या फिर जंगल। जंगल को हजम करने की चाल में पेड़, जंगली जानवर, पारंपरिक जल स्रोत सभी कुछ नष्ट हो रहा है। यह वह नुकसान है जिसका हर्जाना संभव नहीं है और यही वायु प्रदूषण का बड़ा कारण है। शहरीकरण यानी रफ्तार और रफ्तार का मतलब है वाहन और वाहन है कि विदेशी मुद्रा भंडार से खरीदे गए ईंधन को पी रहे हैं और बदले में दे रहे हैं दूषित वायु। शहर को ज्यादा बिजली चाहिए यानी ज्यादा कोयला जलेगा, ज्यादा परमाणु संयंत्र लगेंगे। शहर का मतलब है औद्योगिकीकरण और अनियोजित कारखानों की स्थापना, जिसका परिणाम है कि हमारी लगभग सभी नदियां अब जहरीली हो चुकी है।

बढ़ता शहरीकरण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन रहा है। वर्तमान में दुनिया की कुल आबादी में से 56 फीसदी आबादी शहरों में रहने लगी है। गांवों से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। यह प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक शहरी आबादी अपने वर्तमान आकार से दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने एवं नया भारत-विकसित भारत बनाने के लिये शहरीकरण पर बल दिया जा रहा है। एक विडम्बनापूर्ण सोच देश के विकास के साथ जुड़ गयी है कि जैसे-जैसे देश विकसित होता जायेगा वैसे-वैसे गांव की संरचना टूटती जायेगी।

दृष्टि कोण

वोट बैंक का लालच व फर्जी बाबाओं का जाल

हाथरस में एक सत्संग समारोह में हुआ, दर्दनाक हादसा बताता। दरअसल धार्मिक आयोजन में अव्यवस्था या फर्जी बाबाओं की हेराफेरी तक सीमित नहीं है यह घटनाक्रम। यह हादसा देश के विकास की तस्वीर की हकीकत भी बयान करता है। हाथरस में भगदड़ में मरने वालों में ज्यादातर दलित और गरीब तबके के लोग शामिल हैं। पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं, घरेलू समस्या और रोजगार नहीं मिलने से होने वाली परेशानियों का समाधान फर्जी बाबाओं के जरिए तलाश किया जाता है। सरकारी स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार और लालफीताशाही का दमन देश के पिछड़े तबके लिए कोढ़ में खाज साबित हुआ है। इस हालत ने देश में फर्जी बाबाओं को पनपने का मौका दिया है। ज्यादातर बाबाओं की पृष्ठभूमि भी गरीब तबके की रही है। इसी का फायदा जालसाजी करके बाबाओं ने उठाया है। आम लोगों की दुख-तकलीफ जब शासन-प्रशासन से दूर नहीं हो पाती, तब उन्हें लगता है कि चमत्कारिक ढंग से बाबा इसे दूर कर सकते हैं, क्योंकि स्वयंभू बाबा दैवीय शक्तियों की सिद्धियां प्राप्त करने का दुष्प्रचार करते रहे हैं। ऐसे मिथ्या और कपटी प्रचार से बाबा दुखी लोगों को आकर्षित करने में कामयाब हो जाते हैं। पर्याप्त प्रचार के बाद जब भक्तों की संख्या हजारों में हो जाती है, तब बाबाओं की तरफ कोई निगाह उठा कर भी नहीं देख सकता। भक्तों की फौज के दम पर बाबा हर तरह की गैर कानूनी हरकतें करने से बाज नहीं आते। इस देश में लोगों की हालत की दारुण हालत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2001 में जयराम दास उर्फ रामजी बाबा को पुलिस ने अपनी एक शिष्या सुधा शर्मा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ से पता चला कि बाबा अपने दरबार में आने वाली खास तौर से निस्संतान औरतों को संतान के नाम पर दुष्कर्म करता था। इस बाबा ने सैकड़ों औरतों से दुष्कर्म किया। बाबा के झांसे का शिकार हुई ज्यादातर औरतें ओबीसी वर्ग से थी। पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिलने और घरेलू समस्याओं से जूझती अनपढ़ या कम पढ़ी-लिखी औरतों को गिरफ्तारी के बाद बाबा के कांडों की जानकारी मिल गई। इसके बावजूद अस्पताल में भर्ती बाबा से मिलने के लिए ऐसी औरतों का मेला लग गया। यह स्थिति बताती है कि जागरूकता और आधुनिक तो दूर, सामान्य सुविधाएं भी आम लोगों से काफी दूर हैं। ऐसी ही हालत का फायदा देश में दूसरे बाबा भी उठाते रहे हैं। ऐसा नहीं है कि शासन-प्रशासन को इनकी गैरकानूनी हरकतों और भक्ति की आड़ में लोगों से अपना उल्लू सीधा करने की जानकारी नहीं होती। ज्यादातर मामलों में नेता और अफसर ही इन बाबाओं के समक्ष हाथ जोड़े खड़े होते हैं। ऐसे में किसी की क्या मजाल फर्जीवाड़े और अपराधों की जानकारी होने के बावजूद बाबाओं का कोई कुछ बिगाड़ सके। बाबाओं के पिछलग्गु भक्तों के रैले से सारे नेता सहमे रहते हैं। डर वोट बैंक का होता है। अफसर ऐसे बाबाओं की आपराधिक कुंडली मौजूद होने के बावजूद कार्रवाई करने से कतराते हैं। उन्हें नेताओं का डर लगा रहता है और नेताओं को बाबाओं का, क्योंकि बाबाओं के पास भक्तों के हुजूम के तौर पर उन्हें वोट बैंक नजर आता है। बाबाओं से नाराजगी लेने का मतलब है वोट बैंक को नाराज करना। यही वजह रही हाथरस कांड में 116 लोगों की मौत के बावजूद हरि सरकार उर्फ भोले बाबा का नाम एफआईआर में दर्ज नहीं किया गया। बाबा के सेवादारों के नाम दर्ज किए गए। पुलिस जब तक मजूबर न हो जाए, बाबाओं के कारनामों पर कार्रवाई करने से कतराती रहती है। ऐसे मामलों की फेहरिस्त काफी लंबी है, जब अपराधों की जानकारी होने के बावजूद पुलिस के बाबाओं के खिलाफ कार्रवाई करने में हौसले पस्त हो गए। आसाराम ने अपने धर्म की दुकान गुजरात के अहमदाबाद से शुरू की। धर्म का सहारा लेकर इन्होंने अरबों का साम्राज्य खड़ा किया है। साल 2013 से यह नाबालिग शिष्या से रेप के आरोप में जेल में बंद हैं। इन पर आरोप है कि यह आशीर्वाद देने के नाम पर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण और बलात्कार करते थे। हालांकि अब तक इन पर आरोप सिद्ध नहीं हो पाया है। नाबालिग शिष्या से रेप के आरोप में आसाराम जोधपुर जेल में बंद हैं। इसी तरह खुद को देवी बताने वाली सुखविंदर कौर उर्फ राधे मां का विवादों से पुराना नाता रहा है। यह भक्तों की गोद में बैठने तक के पैसे लेती हैं। चार अप्रैल 1965 में पंजाब के जिले गुरदासपुर के दोरंगला गांव में जन्मीं सुखविंदर कौर पति की खराब आर्थिक हालत के चलते मुंबई में दूसरों के घरों में काम करती थीं। महज 10वीं तक पढ़ी राधे मां की 17 साल उम्र में शादी हुई थी। कुछ साल पहले इन्होंने खुद को महंत घोषित कर दिया था। इन पर खुदकुशी के लिए उकसाने जैसे गंभीर मामले चल रहे हैं।

कुछ अलग

चर्चा में रहना जरूरी है...

शाम को एक क्लब में मेरे साथ दो दो घूंट भरते हुए एक शायर मित्र कह रहे थे कि 'अगर जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है।' मैंने उन्हें कहा कि जिंदा नजर आने के लिए चर्चा में भी रहना जरूरी है। वरना इस दुनिया में कौन पूछता है कि कौन जिंदा है और कौन मुर्दा है? उस शायर मित्र ने कहा कि चर्चा में कैसे रहा जा सकता है? दो चार शे'र लिखकर तो चर्चा में नहीं रहा जा सकता। मैंने कहा सीधा सा फंडा है। कुछ ऐसे कर्म करो कि सरकारी एजेंसियां आपकी खिदमत में नजर आएं। आपके घर द्वार पर तशरीफ लाएं। आपका मोबाइल, आपका लैपटॉप जब्त करके अपने साथ ले जाएं। नोट गिनने की मशीन भी साथ लेकर आएं। फिर नोट गिनते गिनते मशीन हांफ जाए। मशीनों का कैरेक्टर संदेह के घेरे में आ जाए। लोग मशीनों की कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठाएं। पूछें कि ये कैसी मशीनें हैं जो नोट गिनते गिनते गर्म हो गईं। मशीनें कंट्रोवर्सी में आएंगी तो यकीनन आप भी चर्चा में आएंगे। आपका धरती में आना सार्थक हो जाएगा। आपका रेपुटेशन बढ़ जाएगा। आप गर्व के साथ कहोगे कि मेरे नाम का डंका बजता है। मेरे घर पर कोई और आए न आए, लेकिन ईडी आती है। मेरा नाम अखबारों में छपता है। घरों में चर्चा होती है कि इनके घर में ईडी आई थी। पड़ोसी मुझे ईर्ष्या की निगाह से देखने लगते हैं। फिर ईडी के बाद सीबीआई आती है। मेरे रेपुटेशन को चार चांद लग जाते हैं। मीडिया वाले मेरे घर के बाहर कैमरे लेकर जमा हो जाते हैं। वह मुझे पूछते हैं कि पहले आपके घर में ईडी आई थी और अब सीबीआई आई है। आपने यह गौरव कैसे हासिल किया। इधर आपके मोहल्ले में कुछ कर्मचारी भी रहते हैं। कुछ कामगार भी रहते हैं। कुछ रिक्शा चालक भी रहते हैं। उनके घर को ईडी और सीबीआई ने गौरवान्वित क्यों नहीं किया? उनके साथ इतना भेदभाव क्यों हुआ। क्या ऐसे लोगों ने बेकार में धरती में जन्म लिया है? कैमरे की लाइटें मेरे चेहरे पर चमकने लगती हैं। कुछ चैनल वाले तो लाइव प्रसारण पर आ जाते हैं। मैं ऑनलाइन पब्लिक को दिखने लगता हूं। मेरे रिश्तेदार, मेरे दोस्त मुझे इस तरह चैनलों की भीड़ के बीच में घिरा देखकर अपने यारों दोस्तों को फोन लगाते हैं कि देखो, 'बंदे की जबरदस्त चर्चा हो रही है। इसके घर में ईडी भी आई है और सीबीआई भी आई है। अब यह बंदा छोटे से घर में नहीं रहेगा। इसे ऐसे बड़े घर में लेकर जाया जाएगा, जहां नेता भी रहते हैं, अभिनेता भी रहते हैं। चोर भी रहते हैं, उचक्के भी रहते हैं। बाहुबली भी रहते हैं और सस्पेंड हुए अफसर भी रहते हैं। यानी बड़ा टाइप घर कई बड़ी हस्तियों का संगम स्थल है और यहां जो किस्मत वाले आते हैं, उनकी बाकायदा अखबारों में फोटो छपती है। जिसने यहां की डुबकी लगा ली और चंद रोज यहां बिता दिए, पब्लिक की नजर में हीरो हो जाते हैं। उनके आगे बड़े-बड़े देशभक्त जीरो हो जाते हैं।' हमारी बातचीत सुन रहे साथ के टेबल में बैठे एक पत्नी पीड़िता सज्जन ने बातचीत में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि, 'चर्चा में रहने के लिए घर में ईडी और सीबीआई का आना ही जरूरी नहीं है, बल्कि आज कोई न कोई बाबा बनकर भी चर्चा में रहा जा सकता है। और बाबा बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपकी धार्मिक प्रवृत्ति रही हो। आप यौन उत्पीडन और बलात्कार के केस झेलते हुए जेल में रहने के बाद सबूत के अभाव में बरी होकर फिर से नौकरी ज्वाइन करके, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर सूट बूट और चश्मा लगाकर प्रवचन देते हुए भी हजारों लोगों को अपने पीछे लगा सकते हैं। फिर प्रवचन करते हुए कायदे कानून की धज्जियां उड़ाते हुए भगदड़ में सैंकड़ों लोगों की जान लेकर भी चर्चा में रह सकते हैं। आप पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए फरार होकर भी चर्चा में रह सकते हैं। जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है। और अगर जिंदा हो तो चर्चा में रहना भी जरूरी है।

देश दुनीया से

साहित्याकाश के ध्रुवतारा गुलेरी जी

उन्नीसवीं शताब्दी में भारतेंदु जी ने गद्य की भाषा के रूप में खड़ी बोली का प्रयोग करके हिंदी साहित्य को नई दिशा दी। यह समय लेखकों और पाठकों दोनों का था। हिंदी साहित्य का सर्वसाधारण जनता तक पहुंचना और उनके अनुरूप उतरना अनिवार्य समझा गया। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक चरण में युगांतरकारी परिवर्तन, अव्यवस्था और निरंकुशता के काल में संस्कृत-हिंदी के विद्वान और अद्भुत शैलीकार, कहानीकार पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी का उदय हुआ। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक साहित्योत्थान में पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी का नाम प्रथम पंक्ति के साहित्यसेवियों में लिया जाता है। गुलेरी जी उन हिंदी प्रेमियों में से हैं जिन्होंने स्वभाषा की संगठनात्मक, प्रचारात्मक और रचनात्मक दृष्टि से भरपूर सेवा की। गुलेरी जी के तात्कालिक देश-विदेश के साहित्यकारों और पुरातत्ववेत्ताओं के संबंधों और उनकी गुलेरी जी की विद्वता के प्रति श्रद्धाभावना को गंभीरता से अध्ययन करने पर उस युगपुरुष के साहित्यिक व्यक्तित्व की विशालता का अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने अपने अल्पल्प जीवनकाल में ही देश-विदेश के विद्वानों द्वारा असाधारण ख्याति प्राप्त करके अपने अद्भुत व्यक्तित्व की विशालता का अभूतपूर्व परिचय दिया। हिंदी और संस्कृत के तो वह महान प्रचारक और दृढ़वर्ती सेवक थे ही, साथ ही हिंदी साहित्य की कोई भी ऐसी विधा नहीं बची जिस पर गुलेरी जी ने कलम न चलाई हो। कविता, कहानी, समालोचना, निबंध और अनुसंधान, कौनसा पक्ष है, जो उनसे अछूता रहा हो। हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में गुलेरी जी 'समालोचक' के माध्यम से अपनी अनूठी मुहावरेदार भाषा और हास्य-व्यंग्यपूर्ण शैली के साथ प्रकट हुए, जिसमें भाषाओं का पंचामृत-गान किया जा सकता है। आध्यात्मिक रूप से इतने ऊंचे उठ चुके थे कि उन्हें सांसारिक यश और मान-सम्मान की लिप्सा-मात्र तक न थी। गुलेरी साहित्य में तन और मन से डूबकर जब हम उतरते हैं तो उन्हें एक बेदाग व्यक्ति, प्रतिभा सम्पन्न साहित्यिक और सर्वप्रिय सामाजिक प्राणी पाते हैं-गंगा जल की तरह निर्मल, पवित्र और पूज्य। उनकी विद्वता ने उन्हें जीवन के प्रति शुष्क और नीरस नहीं बनाया, बल्कि बाल-कवि की तरह तीव्र अनुभूति प्रदान करने वाला बनाया। वे भिन्न-भिन्न विषयों के अनुशीलन में डूब गए, किंतु तथ्यों पर आधारित मोती लेकर ऊपर आए, यही उनके व्यक्तित्व की महानता है। हिंदी के अनन्य आराधक और मौलिक प्रतिभा के धनी अमर कहानीकार पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी जी का जन्म 25 आषाढ़ संवत 1940 (तदनुसार 7 जुलाई, सन् 1883 ईस्वी) को पं. शिवराम शास्त्री व श्रीमती लक्ष्मी के घर हुआ। गुलेरी जी के पूर्वज मूलतः गुलेर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश से थे। इनके पिता पं. शिवराम शास्त्री आजीविका से बंधे जयपुर चले गए। गुलेरी जी का संस्कृत, पाली, प्राकृत, हिंदी, बंगला, अंग्रेजी, लैटिन और फ्रेंच आदि भाषाओं पर अच्छा खासा समान अधिकार था। अभी गुलेरी जी दस वर्ष के ही थे कि इन्होंने एक बार संस्कृत में भाषण देकर भारत धर्म महामंडल के विद्वानों को आश्चर्यचकित कर दिया था। इन्होंने सभी परीक्षाएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थीं। बी. ए. की परीक्षा में सर्वप्रथम रहे। सन् 1904 में गुलेरी जी मेयो कालेज अजमेर में अध्यापक लगे। अध्यापक के रूप में उनका बड़ा मान-सम्मान था। अपने शिष्यों में वे बहुत लोकप्रिय थे। वे अनुशासन के नियमों का भी सख्ती से अनुपालन करते थे। उनकी असाधारण योग्यता से प्रभावित होकर मदन मोहन मालवीय ने उन्हें बनारस बुला भेजा और हिंदी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर लगाया। निबंधकार के रूप में भी गुलेरी जी बड़े प्रसिद्ध रहे हैं। इनके निबंधों की संख्या सौ से अधिक है। सन् 1903 में जयपुर से जैन वैद्य के माध्यम से समालोचक पत्र प्रकाशित होना शुरू हुआ था। इसी पत्र में वे संपादक रहे। इन्होंने पूरे मनोयोग से समालोचक में अपने निबंध और टिप्पणियां देकर उसे जीवंत बनाए रखा। इनके निबंधों के अधिकतर विषय इतिहास, दर्शन, धर्म, मनोविज्ञान और पुरातत्व संबंधी हैं। शैशुनाक की मूर्तियां, देवकुल, पुरानी हिंदी, संगीत, कछुआ धर्म, आंख, मारेसि मोहिं कुठाऊं और सोडहम, जैसे निबंधों पर उनकी विद्वता की अमिट छाप मौजूद है। एक बहुमुखी प्रतिभा संपन्न सरस्वती पुत्र चंद्रधर शर्मा गुलेरी का 39 वर्ष की अल्पायु में 12 सितंबर, 1922 को काशी में निधन हो गया। अपने गांव गुलेर के प्रति गुलेरी जी का गहन आकर्षण था। गुलेरी जी के पिता जी ने इनका विवाह हरिपुर निवासी 'कवि रैणा' की पुत्री पद्मावती से लगभग बीस-बाईस वर्ष की अवस्था में कर दिया। इस आशंका से कि उनके उत्तराधिकारी ग्राम मोह छोडक़र मारवाड़ी न बन जाएं, गुलेरी जी के पिता शिवराम जी महाराज ने जयपुर राज्य द्वारा प्रदत्त जागीर को भी अस्वीकार कर दिया था। गुलेरी जी पिता के देहावसान के पश्चात हर वर्ष छुट्टियां बिताने गुलेर आया करते थे।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक चरण में युगांतरकारी परिवर्तन, अव्यवस्था और निरंकुशता के काल में संस्कृत-हिंदी के विद्वान और अद्भुत शैलीकार, कहानीकार पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी का उदय हुआ। बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक साहित्योत्थान में पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी का नाम प्रथम पंक्ति के साहित्यसेवियों में लिया जाता है। गुलेरी जी उन हिंदी प्रेमियों में से हैं जिन्होंने स्वभाषा की संगठनात्मक, प्रचारात्मक और रचनात्मक दृष्टि से भरपूर सेवा की। गुलेरी जी के तात्कालिक देश-विदेश के साहित्यकारों और पुरातत्ववेत्ताओं के संबंधों और उनकी गुलेरी जी की विद्वता के प्रति श्रद्धाभावना को गंभीरता से अध्ययन करने पर उस युगपुरुष के साहित्यिक व्यक्तित्व की विशालता का अनुमान लगाया जा सकता है।

आप का नजरीया

पत्थरों से मिट्टी हलाल

सियासी बिछौने पर सलवटें हजारों, फिर भी घाट पर चादरें लड़ रहीं। राजनीति कितनी कुत्सित हो सकती है, इसका अंदाजा लगाने के लिए नेताओं के संबोधन अब अपनी भाषा की पैरवी करते मिलेंगे। लगभग सोए हुए वक्त पर लाठियां चला कर, कोई है जो देश को जगाने के शोर में खुद है। बहस राष्ट्रीय स्तर पर मोदी बनाम राहुल हो गई तो लोकसभा-विधानसभाओं के कान खुल गए। वक्त पे भरोसा नहीं भविष्य को पोता जा रहा है। दिल्ली के बयान, हिमाचल में उपचुनाव के इम्तिहान में आ कर भिन्न नहीं होते। यहां भी आमना-सामना है और शिकस्त की चाबुक में जुबां लंबी है। पूरे उपचुनाव गुजर गए मगर जनता के बूढ़े होते अरमान कहीं रुक गए, क्योंकि उन्हें तो लडन्ना है सत्ता की दीवारों पर, बस इक यही पैगाम पढन्ना है कि तू दरकिनार होगा तो हम आएंगे। खैर प्रदेश की मिट्टी में तो फसाद न था, उनके पत्थरों ने हलाल कर दिया। उपचुनाव के चरम में राजनीति पर शुरू हुई बहस मौके पे चौका नहीं, बल्कि हम भांप सकते हैं कि ये गलियां यूं ही बदनाम न हुईं। हमीरपुर उपचुनाव ने हमीरपुर की अस्मिता को उपचुनाव बना दिया, तो वक्त के पैमानों ने पूछा पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के साथ ऐसा सुलूक क्यों किया। वैसे यहां आज धूमल का नाम चस्पां है, कल किसी और का था और कल किसी और का होगा, लेकिन मुख्यमंत्री स्वयं एक बड़ा सवाल उठा रहे हैं। प्रदेश की राजनीति अगर इस सवाल पर केंद्रित हो जाए तो हिमाचल से क्षेत्रवाद की सारी सरहदें मिट जाएं, लेकिन कहने को गालिब यह ख्याल अच्छा है, मगर करने को यह कोई वादा नहीं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने कहा है कि 2017 में धूमल की हार में हमीरपुर हार गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इस क्षेत्र को सजा दे दी। यानी साजिशों की गोलबंदी में तब भी कोई किरदार था जो आज बहरूपिया बन कर फिर से मुख्यमंत्री पद पर वार है। मुख्यमंत्री के तर्क और निष्कर्ष में हमीरपुर पीड़ित व शोषित नजर आता है, लेकिन ऐसा क्यों है कि अब मुख्यमंत्री का पद एक जिले तक सीमित होने लगा या मंत्री का पद एक विधानसभा क्षेत्र हो गया। ऐसे में विधायक और खासतौर विपक्ष के विधायकों की उपेक्षा के लिए तो मतदाता ही दोषी हुआ। बेशक संवेदना और उम्मीदों की पालकी में चुनाव परिणाम आते हैं, लेकिन हर मत की ख्वाहिश में लोकतंत्र जिंदा होना चाहिए। परिस्थितियां उस वक्त जरूर बदली थीं जब मुख्यमंत्री का पद सुजानपुर में हार गया था, लेकिन प्रेम कुमार धूमल को हम केवल हमीरपुर जिला के सियासी नुकसान में मूल्यांकित नहीं कर सकते और यह भी एक सत्य है कि बतौर मुख्यमंत्री हारे तो वीरभद्र सिंह और शांता कुमार भी, लेकिन न कारवां शिमला का रुका और न ही कांगड़ा कहीं थमा। ऐसे में हम तो यह नहीं कहेंगे कि नादौन के विधायक होने के नाते मुख्यमंत्री केवल हमीरपुर के हो गए, बल्कि उन्होंने खुद को कांगड़ा से जोड़ कर यह साबित करने की कोशिश की, फिर भी हिमाचल में राजनीतिक सोच, सरकार की कार्रवाई, मंत्रियों की भूमिका और प्रशासन की मुंह दिखाई, अपने आप में क्षेत्रवाद सी लगती है। विकास कल राजनीतिक नस्ल था, अब हिमाचल को आगे बढने, स्वावलंबन, आत्मनिर्भर तथा रोजगार देने की रूपरेखा चाहिए।

ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने इजराइली माउंटेन बेस को निशाना बनाया, सबसे बड़ा हवाई हमला बताया

बेरूत ।
लेबनान के हिजबुल्लाह आंदोलन ने रविवार को दावा किया है कि उसने अपना सबसे बड़ा हवाई अभियान शुरू किया है, जिसमें गोलान हाइट्स में पर्वत की चोटी पर स्थित इजराइली सैन्य खुफिया अड्डे पर विस्फोटक ड्रोन भेजकर हमला किया है। सीमा पार से बढ़ती गोलीबारी के बीच यह इस हमले ने वैश्विक चिंता बढ़ा दी है।

इजराइली सेना ने कहा- हमले में कोई हताहत नहीं - इजराइली सेना ने कहा कि एक विस्फोटक ड्रोन माउंट हर्मन में एक खुले क्षेत्र में गिरा है लेकिन इसमें कोई भी हताहत नहीं हुआ है। पिछले साल 7 अक्तूबर को इजराइल पर फलिस्तीनी समूह के हमले के बाद से गाजा पट्टी में युद्ध चल रहा है। इसमें ईरान समर्थित हमास के सहयोगी हिजबुल्लाह का इजराइल के सुरक्षा बलों के साथ लगातार गोलीबारी हो रही है।

टोही केंद्र को निशाना बनाने के लिए किया हमला - अपने हवाई बलों द्वारा किए गए सबसे बड़े ऑपरेशन की घोषणा करते हुए, हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने माउंट हर्मन पर टोही केंद्र को निशाना बनाने के लिए ड्रोन से लगातार स्क्वाड्रन भेजे हैं।

यह है मामला - हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 37000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

कतर में हो रहीं बैठक - हमास के रुख में यह बदलाव कतर में इजराइल और हमास के प्रतिनिधियों के बीच फिर से शुरू हुई वार्ता के बीच आया है। बता दें, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से व्यापक समझौते पर मध्यस्थता के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा करने की अनुमति मिलने के बाद यह बातचीत फिर से शुरू हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया ने मध्यस्थों से मिलने तथा युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई को शामिल करते हुए संभावित नए समझौते की शर्तों पर चर्चा करने के लिए कतर की यात्रा की।

न्यूज ब्रीफ

नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के लिए मजबूत समर्थन पेश करेगा अमेरिका बाइडन कर सकते हैं कई बड़े एलान

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस सप्ताह नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के लिए अमेरिका अपना मजबूत समर्थन पेश करेगा। इसके अलावा यूरोपीय देशों के लिए सैन्य राजनीतिक और वित्तीय समर्थन बढ़ाने के लिए अमेरिका द्वारा महत्वपूर्ण नई घोषणाएं करने की संभावना है। बता दें कि इस साल मार्च में स्वीडन को नाटो के सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। इसी के साथ यह सम्मेलन नाटो की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ को भी चिह्नित करेगा। वर्तमान में यह 32 देशों का एक मजबूत गठबंधन है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा, यह वास्तव में यूरो-अटलांटिक की सुरक्षा के लिए आवश्यक रहा है। यह अमेरिका और हमारे सहयोगियों के लिए आ रहे खतरों को रोकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के कुछ ही दिन बाद नाटो शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, इससे पुतिन को एक कड़ा संदेश जाएगा कि अगर उन्हें ऐसा लगता है कि वे यूक्रेन का समर्थन करने वाले देशों को मात दे सकते हैं, तो वह गलत हैं। उन्होंने आगे कहा, हम दुनिया को यह संदेश देने जा रहे हैं कि हम एकजूट होकर लोकतांत्रिक मूल्यों के समर्थन में खड़े हैं। वॉशिंगटन में शुरू होगा शिखर सम्मेलन वॉशिंगटन में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होगा। राष्ट्रपति बाइडन सभी नेताओं का स्वागत करेंगे। 10 जुलाई को राष्ट्रपति बाइडन नाटो के 32 सहयोगियों की बैठक में सबसे नए सदस्य के रूप में स्वीडन का स्वागत करेंगे। इसके बाद शाम में वह नाटो के सभी नेताओं को व्हाइट हाउस में डिनर के लिए आमंत्रित करेंगे। 11 जुलाई को यूरोपीयन यूनियन (ईयू) और इंडो-पैसेफिक साजेदारों ऑस्ट्रेलिया, जपान दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड के साथ नाटो एक बैठक करेगा।

उत्तराधिकारी नियुक्त होने तक पद पर बने रहने को तैयार, इस्तीफे की घोषणा के बाद बोले फ्रांसीसी पीएम

पेरिस। फ्रांस में चुनाव संपन्न होने के बाद प्रधानमंत्री गेब्रियल अट्टल ने अपने इस्तीफे की घोषणा की। इस

दौरान उन्होंने पेरिस ओलंपिक को एक महत्वपूर्ण दायित्व बताया और अपना उत्तराधिकारी नियुक्त होने तक अपने कर्तव्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। चुनाव बाद आए शुरुआती रुझानों में एनएफपी को सबसे ज्यादा बहुमत मिलने का अनुमान है। वहीं, इमैनुअल मैक्रों की सत्तारूढ़ पार्टी दूसरे और दक्षिणपंथी नेशनल रैली तीसरे स्थान पर रह सकती है। चुनावी रुझानों के बाद प्रधानमंत्री अट्टल ने इस्तीफा देते हुए कहा, यदि उनका इस्तीफा अस्वीकार कर दिया जाता है तो वह अपना उत्तराधिकारी नियुक्त होने तक अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए पद पर बने रहेंगे, क्योंकि पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से शुरू होने वाले हैं। फ्रांस 24 के अनुसार, फ्रांसीसी पीएम अट्टल ने अपने इस्तीफा भाषण में कहा, मैंने शुरुआत से ही तीन जोखिमों के लिए सचेत किया है, जिसमें वामपंथी फ्रांस इनसोमिस पार्टी के पूर्ण बहुमत, नेशनल रैली के पूर्ण बहुमत और हमारे मूल्यों और सिद्धांतों को मूर्त रूप देने वाले आंदोलन के गायब होने का जोखिम शामिल है, लेकिन फ्रांस के लोगों ने इन तीनों जोखिमों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया है। अट्टल ने कहा, प्रधानमंत्री बनना मेरे जीवन का सम्मान था। मैं इस फ्रांसीसी भावना में विश्वास करता हूं जो गणतंत्र की भावना के प्रति गहराई से निहित और प्रतिबद्ध है।

रॉयल्स परिवार में बच्चे एक-दूसरे को विचित्र उपनाम से बुलाते हैं, दिवंगत रानी को कहते थे 'लिलिबेट

लंदन । ब्रिटेन की रॉयल फैमिली के सदस्य एक-दूसरे को उनकी उपाधियों से संबोधित नहीं करते हैं बल्कि सबके लिए एक खास या विचित्र उपनाम होता है। प्रिंस विलियम का उनकी दादी के लिए एक विशेष उपनाम यानी गैरी था अपने एलए दौरे के दौरान जेम्स कॉर्डन के साथ एक साक्षात्कार में मेघन मार्कल ने खुलासा किया कि वह प्रिंस हैरी को हज कहती हैं। द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक दिलचस्प बात यह है कि दिवंगत रानी का परिवार उन्हें लिलिबेट कहकर संबोधित करता था और प्रिंस विलियम का उनकी दादी के लिए एक विशेष उपनाम यानी गैरी था। प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के बच्चे प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर देते हैं प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन के तीन बच्चे हमेशा महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में अपनी दुर्लभ उपस्थिति से रॉयल प्रशंसकों को आश्चर्यचकित करते हैं। कुछ दिन पहले प्रिंस जॉर्ज, प्रिंसेस चार्लोट और प्रिंस जॉर्ज को अपने माता-पिता के साथ ट्रूपिंग द कलर में देखा गया था।

चुनाव में वामपंथी गठबंधन के आगे निकलते ही भड़की हिंसा कहीं आग का मंजर कहीं सड़कों पर भागते दिखे लोग

पेरिस ।
चुनाव परिणामों ने फ्रांसीसी राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा। यहां उस समय सियासी उथल-पुथल मच गई, जब वामपंथी गठबंधन बहुमत का दावा करने के लिए तैयार था। इससे पेरिस में जश्न और हिंसा का मिलाजुला माहौल देखने को मिला।

फ्रांस में संसदीय चुनाव के दूसरे चरण के लिए वोटिंग हुई। चुनाव संपन्न होने के बाद मतगणना जारी है। शुरुआती रुझानों के सामने आते ही पूरे देश में हिंसा भड़क उठी। दरअसल, रुझानों में वामपंथी गठबंधन आगे निकल गया है। वहीं, फ्रांस की पहली कट्टर दक्षिणपंथी सरकार बनाने की मरीन ली पेन के सपने को झटका लगा है। ऐसे में यहां नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने दंगा भड़का दिया। यहां प्रदर्शनकारियों को सड़कों पर भागते, आग जलाते और उपद्रव करते हुए देखा गया। इन दंगों को रोकने के लिए बड़ी संख्या में दंगा रोधी पुलिस की तैनाती की गई है।

इसलिए मध्यावधि में हुए चुनाव

गौरतलब है, फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में नौ जून को अपनी पार्टी रेनेसां की बड़ी हार के बाद राष्ट्रपति मैक्रों ने समय पूर्व संसद भंग कर बड़ा जोखिम लिया है। 30 जून को पहले दौर के चुनाव में मरीन ली पेन की नेशनल रैली को अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली थी। उनकी पार्टी को सबसे ज्यादा 35.15 प्रतिशत वोट मिले, जबकि 27.99 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे नंबर पर वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन रहा। मैक्रों की रेनेसां पार्टी सिर्फ 20.76 फीसदी वोट हासिल कर सकी। दूसरे दौर के लिए सिर्फ वही प्रत्याशी मैदान में हैं, जिन्हें पहले चरण में 12.5 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले हैं।

देश में हिंसा भड़की

देश में भड़की हिंसा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में नकाबपोश प्रदर्शनकारी को सड़कों पर दौड़ते, आग जलाते, उपद्रव करते और शहर में अशांति फैलाते हुए देखा जा सकता है। इन लोगों को तितर-बितर करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस भी मौजूद रही।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव परिणामों ने फ्रांसीसी राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा। यहां उस समय सियासी उथल-पुथल मच गई, जब वामपंथी गठबंधन बहुमत का दावा करने के लिए तैयार था। इससे पेरिस में जश्न और हिंसा का मिलाजुला माहौल देखने को मिला।

एनएफपी को सबसे ज्यादा बहुमत

चुनाव बाद आए शुरुआती रुझानों में एनएफपी को सबसे ज्यादा बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया। वहीं, इमैनुअल मैक्रों की सत्तारूढ़ पार्टी दूसरे और दक्षिणपंथी नेशनल रैली तीसरे स्थान पर रह सकती है। चुनावी रुझानों के बाद प्रधानमंत्री अट्टल ने इस्तीफा देते हुए कहा था कि यदि उनका इस्तीफा अस्वीकार कर दिया जाता है तो वह अपना उत्तराधिकारी नियुक्त होने तक अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए पद पर बने रहेंगे, क्योंकि पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से शुरू होने वाले हैं।

इसलिए जुटे लोग

इस खबर की खुशी में हजारों लोग पेरिस के प्लेस डे ला रिपब्लिक में एकत्र हुए, जिससे प्रधानमंत्री इमैनुएल मैक्रों के मध्यमार्गी गुट, जिसे दूसरा स्थान मिला था, के मुकाबले गठबंधन को मिले व्यापक समर्थन का पता चला। वहीं, इस उलटफेर से कंजर्वेटिव हैरान रह गए क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि मरीन ले पेन की नेशनल रैली सत्ता पर कब्जा कर लेगी।

आंसू गैस के गोल छोड़े

गुस्साए लोग पेरिस की सड़कों पर उतर आए हैं। वहीं पुलिस अधिकारी भीड़ को नियंत्रित करने में जुटे। इतना ही नहीं अधिकारियों ने झड़पों के बीच आंसू गैस के गोले भी छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर मोलोटोव कॉकटेल फेंके और धुआं करने के लिए पटाखे फोड़े।

कौन हैं वामपंथी के सदस्य दल

पॉपुलर फ्रंट के नाम से प्रसिद्ध वामपंथी गठबंधन में फ्रांस की सोशलिस्ट पार्टी, फ्रेंच कम्युनिस्ट पार्टी, इकोलॉजिस्ट और फ्रांस अनबोव्ड शामिल हैं। गठबंधन ने मतदाताओं को लुभाने के लिए मैंक्रों की पेंशन सुधार योजना में बदलाव और 60 साल की उम्र पर सेवानिवृत्त करना शामिल है। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन में वृद्धि, धन कर को बहाल करना और फ्रांस के न्यूनतम वेतन में वृद्धि की योजनाएं शामिल हैं।

सुलावेसी द्वीप में बारिश से आई आपदा, सोने की खदान में भूस्खलन से कई लोग मिट्टी में दबे; 12 की मौत

जकार्ता ।
गोरोनटालो प्रांत के सुमावा जिले में हुए भूस्खलन में खनिकों और अवैध खदान के पास रहने वाले निवासियों की मौत हो गई। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर कई दिनों से हो रही भारी बारिश की वजह से बड़ा हादसा सामने आया है। यहां सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश की वजह से एक अवैध सोने की खदान में भूस्खलन हो गया। भूस्खलन की वजह से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 18 लोगों का फिलहाल कुछ पता नहीं लगा। इतने लोगों को जिंदा बचाया स्थानीय बचाव एजेंसी बसरनास के प्रमुख हेरियांतो ने बताया कि गोरोनटालो प्रांत के सुमावा जिले में हुए भूस्खलन में खनिकों और अवैध खदान के पास रहने वाले निवासियों की मौत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि हादसे में मिट्टी के नीचे दबे पांच लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि, बचाव दल 18 लापता लोगों की तलाश कर रहा है। बचाव अभियान में आ रही मुसीबत हेरियांतो ने बताया, हमने लापता लोगों की तलाश के लिए राष्ट्रीय बचाव दल, पुलिस और सैन्यकर्मियों समेत 164 कर्मचारियों को तैनात किया है। वहीं, बचाव कर्मचारियों को भूस्खलन स्थल तक पहुंचने के लिए करीब 20 किलोमीटर यानी 12.43 मील का रास्ता तय करना पड़ रहा है। यहां सड़क पर कीचड़ और क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से बचाव अभियान में मुसीबत आ रही है। कुछ घर भी तबाह उन्होंने कहा कि लोगों को बचाने के लिए अगर संभव हो सका तो एक्सवेटर का भी इस्तेमाल करेंगे। एजेंसी की माने तो भूस्खलन से कुछ घर भी तबाह हो गए हैं। इंडोनेशिया की आपदा एजेंसी (बीएनपीबी) ने कहा कि भूस्खलन से कई घर और एक पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। उसने निवासियों तो चेतावनी दी है कि गोरोनटालो प्रांत के कुछ इलाकों में अभी भी बारिश हो सकती है और लोगों से सतर्क रहने को कहा है। पहले भी हो चुका है भूस्खलन दक्षिण सुलावेसी में अप्रैल में एक भूस्खलन में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना भी भारी बारिश के चलते ही हुई थी। वहीं, इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत में मई में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ और मिट्टी खिसकने से 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

पादरी ने सबको खड़े होने के लिए कहा, पर मंच पर ही बैठे रह गए राष्ट्रपति जो बाइडन, स्वास्थ्य पर फिर उठे सवाल

हैरिसबर्ग ।
पेंसिल्वेनिया में एक अभियान में जब पादरी ने सभी को खड़ा होने के लिए कहा तो जो बिडेन लगभग 25 सेकेंड तक अचेत अवस्था में बैठे रहे। इस दिनों वैसे ही उनको अयोग्य बताकर राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर निकालने की मांग भी बढ़ रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद की बहस में जो बाइडन की डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद से ही उनके पद की रेस से बाहर होने की मांग उठने लगी। मंच पर वैसे पर तो जो बाइडेन अक्सर कुछ न कुछ गलतियां करते रहे हैं। कभी वे स्तब्ध रह गए, गलत भी बोले फिर एक जगह बस देखते ही रह गए। अब हाल ही में नॉर्थवेस्ट फिलाडेल्फिया में माउंट एरी चर्च ऑफ गॉड इन क्राइस्ट में बाइडेन का स्वागत किया गया। चर्च में उन्होंने भाषण दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अमेरिका को फिर से एकजुट करना है। उन्होंने कहा कि मैं यह काम लंबे समय से कर रहा हूं। और अगर ईमानदारी से कहूं तो मैं अमेरिका के भविष्य का लेकर पहले कभी आशावादी नहीं रहा। अगर हम साथ मिलकर काम करें। हमें अमेरिका में सम्मान और उम्मीद वापस लानी होगी। इस बीच

अजीब घटना यह हुई कि जब फिलाडेल्फिया के एक चर्च में जो बाइडेन तब भी बैठे रहे जब पादरी ने सभी को खड़े होने के लिए कहा। लगभग 25 सेकेंड तक वे कुर्सी पर बैठे रहे। वहीं पुरानी बहस के बाद उन्होंने कहा था कि उनका पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा मैं चुनाव लड रहा हूं मैं, डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार हूं, कोई भी मुझे बाहर नहीं धकेल रहा, मै नहीं जा रहा हूं। सेवा के अयोग्य बताकर पीछे हटने की मांग उनके वीडियो के कमेंट में कई यूजर ने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। एक यूजर ने कहा कि ये भी पता नहीं चल पा रहा है कि उन्हें खड़ा होना चाहिए या नहीं। उनके पास परमाणु कोड हैं यहां तक कि एक डेमोक्रेट को भी यहां समस्या होगी।

इस साल इतिहास में सबसे गर्म रहा जून, लगातार 12वें महीने टूटी वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी की सीमा

वॉशिंगटन ।
जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया पर पड़ता दिखाई दे रहा है। कहीं गर्मी तो कहीं बारिश का तांडव देखा जा सकता है। तापमान ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस गर्मी में भारत में अब तक 50 डिग्री के पार जा चुका है। इस बीच, यूरोपीय संघ (ईयू) की जलवायु एजेंसी कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने बताया कि पिछले महीने पांच महाद्वीपों में लाखों लोगों को चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ा। साथ ही इस बात की पुष्टि की कि जून अब तक का सबसे गर्म महीना था। दुनिया बड़े पैमाने पर जलवायु परिवर्तन के संकट को टालने के लिए विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करने के कगार पर खड़ी है। जून इस तय सीमा के करीब पहुंचने का लगातार 12वां महीना है। सी3एस के वैज्ञानिकों के मुताबिक, पिछले साल जून के बाद से हर महीना रिकॉर्ड पर सबसे गर्म महीना रहा है। गौरतलब है, इस साल जनवरी में बढ़ता तापमान औद्योगिक काल (1850 से 1900) से पहले की तुलना में 1.66 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा था, जो

इसे अब तक की सबसे गर्म जनवरी बनाता है। बता दें कि कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस यूरोपियन यूनियन के अर्थ ऑब्जरवेशन प्रोग्राम का हिस्सा है। जनवरी 2024 के दौरान सतह के पास हवा का औसत वैश्विक तापमान 13.14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो 1991 से 2020 के दरमियान जनवरी माह में दर्ज औसत तापमान से करीब 0.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

2015 में यह सीमा की थी तय

2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते के तहत वैश्विक औसत तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ने देने का लक्ष्य रखा गया था और कहा गया था कि इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस पार नहीं होने दिया जाएगा। हालांकि, बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और वैश्विक तापमान से यह लक्ष्य पार होते दिख रहा है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यदि लोगों की बड़ी आबादी को भारी नुकसान से बचाना है, तो उचित सीमा एक डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे निर्धारित की जानी चाहिए। हालांकि, इस बात पर भी गौर किया जाना चाहिए कि पृथ्वी का तापमान 150 साल पहले की तुलना में 1.2 डिग्री सेल्सियस पहले ही बढ़ चुका है।

पिछले 12 महीने सबसे गर्म

नए आंकड़ों के अनुसार, जून 2024 अब तक का सबसे गर्म महीना रहा, जिसमें सतह का औसत तापमान 16.66 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991-2020 के औसत तापमान से 0.67 डिग्री सेल्सियस अधिक तथा जून 2023 में दर्ज पिछले उच्चतम तापमान से 0.14 डिग्री सेल्सियस अधिक है। यूरोपीय जलवायु एजेंसी ने कहा कि पिछले 12 महीनों (जुलाई 2023-जून 2024) के लिए वैश्विक औसत तापमान रिकॉर्ड पर सबसे अधिक है।

आखिर क्यों फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों नई सरकार के बारे में फैसला करने का करेंगे इंतजार

पेरिस ।
संसदीय चुनावों के दूसरे दौर के प्रारंभिक परिणामों की घोषणा के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय का बयान सामने आया है। उसका कहना है कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों नई सरकार के बारे में फैसला लेने के लिए इंतजार करेंगे।

लोगों की पसंद का करेंगे सम्मान

फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय एलिसी पैलेस का कहना है, हमारे संस्थानों की जिम्मेदारी लेने वाले के रूप में राष्ट्रपति यह सुनिश्चित करेंगे कि फ्रांसीसी लोगों की पसंद का सम्मान किया जाए। गणतंत्रीय परंपरा को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लेने से पहले नई नेशनल असेंबली के गठन का इंतजार करेंगे। मैक्रों आने वाले परिणामों पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि मैक्रों का ध्यान फिलहाल चुनाव परिणामों के विश्लेषण पर है और वह कोई भी फैसला लेने से पहले संसद में पूरी तस्वीर सामने आने का इंतजार कर रहे हैं।

न्यू पॉपुलर फ्रंट की सफलता

संसदीय उपचुनाव में न्यू पॉपुलर फ्रंट की सफलता ने उन्हें अग्रणी ताकत बना दिया है, हालांकि वे पूर्ण बहुमत से पीछे रह गए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह परिणाम फ्रांस में चल रही राजनीतिक अस्थिरता को दर्शाता है, जहां किसी भी एक गठबंधन को स्वतंत्र रूप से शासन करने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं मिल रही हैं।

इस बीच, फ्रांस के प्रधानमंत्री गैब्रियल अट्टल ने अपने इस्तीफे की घोषणा की है।

जॉर्डन बार्डेला ने मैक्रों की आलोचना की

चुनाव परिणामों ने फ्रांसीसी राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा। जॉर्डन बार्डेला के नेतृत्व वाली नेशनल रैली ने मैक्रों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मैक्रों कथित तौर पर फ्रांस को अनिश्चितता और अस्थिरता में धकेल रहे हैं। इसके अलावा बार्डेला ने अनुमानित परिणामों से कम सीटें मिलने पर निराशा भी व्यक्त की।

फ्रांस में त्रिशंकु सरकार बनने की संभावना

फ्रांस में संसदीय चुनाव के दूसरे चरण के लिए वोटिंग हुई। रुझानों में अप्रत्याशित रूप से एकजुट हुए वामपंथी गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है, जोकि राष्ट्रपति मैक्रों के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, रुझानों में मैक्रों का मध्यमार्गी गठबंधन दूसरे और धुर दक्षिणपंथी तीसरे स्थान पर रहने का अनुमान है। किसी भी एक गठबंधन को बहुमत मिलता दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति मैक्रों को अभूतपूर्व परिस्थितियों का सामना करते हुए धुर-दक्षिणपंथियों के साथ सत्ता साझा करनी पड़ सकती है। वहीं, विशेषज्ञों ने त्रिशंकु सरकार बनने की भी संभावना जताई है। राष्ट्रपति मैक्रों ने सबको चौंकाते हुए समय से तीन साल पहले आकस्मिक चुनाव का एलान किया था, लेकिन इसका असर उल्टा होता दिख रहा है।

मतगणना जारी

चुनाव संपन्न होने के बाद मतगणना जारी है। चुनाव परिणाम आने की उम्मीद है। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में 9 जून को अपनी पार्टी रेनेसां की बड़ी हार के बाद राष्ट्रपति मैक्रों ने समय पूर्व संसद भंग कर बड़ा जोखिम लिया है। 30 जून को पहले दौर के चुनाव में मरीन ली पेन की नेशनल रैली को अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली थी। उनकी पार्टी को सबसे ज्यादा 35.15 प्रतिशत वोट मिले, जबकि 27.99 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे नंबर पर वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट गठबंधन रहा। मैक्रों की रेनेसां पार्टी सिर्फ 20.76 फीसदी वोट हासिल कर सकी। दूसरे दौर के लिए सिर्फ वही प्रत्याशी मैदान में हैं, जिन्हें पहले चरण में 12.5 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले हैं।

फ्रांस में संसदीय चुनावों के लिए इस बार 4.9 करोड़ से ज्यादा मतदाता पंजीकृत हैं। मतदाताओं को नेशनल असेंबली के लिए 577 सदस्यों का चुनाव करना है। नेशनल असेंबली फ्रांस की संसद का प्रभावशाली निचला सदन है, जिसमें बहुमत के लिए 289 सीटें जीतना जरूरी है। फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, स्थानीय समयानुसार दोपहर तक 26.63 प्रतिशत मतदाता वोट डाल चुके थे। फ्रांस के संसदीय चुनाव में मतदान का नया रिकॉर्ड बना है। रात 8 बजे मतदान की समाप्ति से तीन घंटे पहले 59.71 प्रतिशत लोग मतदाधिकार का प्रयोग कर चुके थे, जो वर्ष 1981 के बाद सबसे अधिक मतदान है।

सरकार बनाने के कौन देख रहा है दिन में सपने थोड़े दिन में चल जाएगा पता : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

हर रोज बढ़ रहा है कांग्रेस का कुनबा, पानीपत से ग्रामीण क्षेत्र से पार्षद ने भाजपा पार्टी छोड़ कांग्रेस पार्टी का थामा दामन

रोहतक (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी हरियाणा में सरकार बनाएगी, जनता ने कांग्रेस सरकार बनाने का मन बना लिया है। जनता विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि आए दिन कांग्रेस पार्टी में लोग शामिल हो रहे हैं ओर लगातार कांग्रेस पार्टी का कुनबा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी से लोग त्रस्त है, इन दस सालों में प्रदेश के हालात खराब हुए हैं। सोमवार को पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा डी-पार्क स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी दिन में सपने देख रही है, जबकि सपने तो

अब भाजपा के नेता सरकार बनने के देख रहे है और समय आने पर पता भी चल जाएगा कि आखिर कौन सपने देख रहा है। पूर्व सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार से प्रत्येक वर्ग दुखी है। दस साल के शासन काल में भाजपा के पास गिनवाने के लिए एक भी काम नहीं है, बल्कि प्रदेश को कर्ज में डूबो दिया है। एक इंच तक न तो मेट्रो आगे बढ़ी और न ही कोई पॉवर प्लांट लगाया। कांग्रेस शासन काल के दौरान हरियाणा विकास के मामले में नंबर एक पर था, जबकि आज हरियाणा विकास के मामले में पूरी तरह से पिछड़ चुका है। उन्होंने कहा है कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी क्योंकि भाजपा सरकार के 10 साल के शासन से लोग त्रस्त दिखाई दे रहे हैं, आज लोग कांग्रेस पार्टी को अपना विकल्प देख रहे हैं। इसलिए आए दिन कांग्रेस पार्टी में सैकड़ों लोग कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। सोमवार को भी सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की है। पानीपत से ग्रामीण क्षेत्र के पार्षद विजय जैन ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने कहा कि उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से कांग्रेस पार्टी का कुनबा बढ़ रहा है उसे साफ लगता है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा पार्टी को हरियाणा से उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने कहा कि सोमवार को जिन लोगों ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की है। वह उनका तहसील से धन्यवाद करते हैं। क्योंकि मुश्किल की घड़ी में जो लोग पार्टी के साथ खड़े हैं उन लोगों को पार्टी हमेशा सम्मान देती है।

पूर्व आतंकी के हत्यारोपी ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश, मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) जालंधर की ओर से कार्रवाई करते हुए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सदस्य सिमरनजीत सिंह उर्फ बबलू-जो कि पूर्व आतंकवादी रतनदीप सिंह, हत्या के मामले में मुख्य हमलावर है, जालंधर शहर के बाहरी इलाके में पुलिस हिरासत से भागने की असफल कोशिश के दौरान, दोनों पैरों में गोलियां लगने से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक, पूर्व आतंकी रतनदीप सिंह की 3 अप्रैल 2024 को एसबीएस नगर में दो बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने सोमवार को यहां बताया कि उक्त आरोपी की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटे बाद ही जब काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर की टीम आरोपी सिमरनजीत बबलू को उसके खुलासे के मुताबिक बताए गए स्थान पर रतनदीप हत्याकांड में इस्तेमाल की गई पिस्तौल बरामद करने ले जा रही थी, तब उसने पुलिस पर हमला कर दिया और भागने की कोशिश की। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि आरोपी को रोकने के लिए पुलिस टीमों को फायरिंग करनी पड़ी तो आरोपी घायल हो गया और उसका नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस टीमों ने आरोपियों के पास से 2 आधुनिक हथियार- एक .32 वेब्ले रिवॉल्वर और एक .32 पिस्तौल के साथ एक मैगजीन और 19 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी सिमरनजीत बबलू पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंदा और अमेरिका स्थित गोपी नवांशहर के निर्देशों पर काम कर रहा था और उनके कहने पर ही अपने दूसरे साथी हमलावर, जिसकी पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सी कुलाम के रूप में हुई है, ने समाज में दहशत फैलाने के लिए पूर्व उग्रवादी रतनदीप सिंह की टारगेट कर हत्या की थी। जानकारी के मुताबिक आरोपी जस्सी कुलाम वारदात को अंजाम देने के बाद विदेश भागने में कामयाब हो गया था। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आर्म्स एक्ट और आपराधिक साजिश की धाराओं को शामिल किया हैं और मामले में अगले-पिछले संबंध स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी है।

गरीब माताओं के सपनों को मार रही प्रदेश की खराब शिक्षा व्यवस्था : उमेश शर्मा

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उमेश शर्मा के नेतृत्व में दसवीं महिला पंचायत नलवा विधानसभा के कालवास गांव में आयोजित की गई। इस पंचायत में शामिल सभी महिलाओं ने शिक्षा के नाम पर वोट देने की शपथ ली। इस अवसर पर उमेश शर्मा ने सोमवार को कहा कि जिले के सबसे बड़े अफसर डीसी के बच्चों को तो प्राइवेट स्कूल की बीस से तीस हजार सैलरी वाली टीचर पढ़ाती है और मजदूर के बच्चे को 70-80 हजार वाली टीचर पढ़ाती हैं। यानि पैसे की तो कोई कमी नहीं है फिर भी बच्चे इस शिक्षा व्यवस्था से बर्बाद हो रहे हैं क्योंकि हम जो राजनीति जात-पात, दारू-पैसे या धर्म के नाम पर चुनते हैं उस राजनीति ने हमारी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। उमेश ने कहा कि हरियाणा की महिलाएं दिन-रात काम करती हैं और रात को सोते वक्त एक सपना देखती हैं कि उनका बच्चा उनसे बेहतर जिंदगी जिए। जो कष्ट मैंने काटे वो उनका बच्चा ना काटे, वो यही सोचती है कि वो अपने बच्चे को पढ़ा-लिखा कर बड़ा आदमी बनाएगी पर हरियाणा की खराब शिक्षा व्यवस्था उसके सपनों को मार देती है। उमेश ने पंचायत में शामिल सभी महिलाओं से अपील की कि अगर अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाना चाहते हो तो स्वार्थ की राजनीति करने वालों को छोड़कर नए विकल्प आम आदमी पार्टी को वोट देकर परिवर्तन को चुनना होगा।

महिलाओं से संबंधित मामलों में पुलिस अधिकारी करे ठोस कार्रवाई : रेनू भाटिया

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने महिलाओं से संबंधित केसों की सुनवाई करते हुए प्रशासन तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों जरूरी दिशा निर्देश दिए। महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने बताया कि सोमवार को पुलिस विभाग में विचाराधीन महिलाओं से संबंधित 5 केसो की सुनवाई की गई। महिला आयोग की चेयरपर्सन ने महिला सुरक्षा और महिला थानों में चल रहे मामलों को लेकर एसीपी मोनिका के साथ बैठक भी की। महिलाओं से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। चेयरपर्सन रेनू भाटिया द्वारा बताया कि आयोग पहले केस को खुद स्टडी करता है। उसके पश्चात फिर केस से संबंधित थानों के अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है। उसके बाद आयोग प्रार्थी को अपने समक्ष बुलाकर केसों का निपटारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि

आज की बैठक में उनके समक्ष एक नाबालिग लड़की को सोशल मीडिया के माध्यम से परेशान करने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए केस को साइबर सेल में ट्रांसफर किया गया है। वहीं तलाक से जुड़ें एक मामले को दोनों पार्टियों के बीच आपसी समझौता कर उसका हल करवाया गया। वहीं एक अन्य मामले में एक महिला के प्रति अपराधी द्वारा मारपीट किए जाने पर पुलिस अधिकारियों को अपराधी लड़के के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए भी कहा गया। साथ ही घरेलु मसले से जुड़े एक मामले में दो महिलाओं जोकि आपस में देवरानी-जेठानी थी, उनका समझौता भी कराया गया। उन्होंने कहा कि आयोग समय-समय पर हर जिला में जाकर केसों के जल्द निपटारे एवं सुनवाई के लिए ऐसी बैठकों का आयोजन करता है। तथा इन बैठकों में जितने भी केस संबंधित चौकी, थाने, महिला थाने में महिलाओं से संबंधित दर्ज होते हैं, उनमें मामलो के लिए दोनों पक्षों को बुलाकर सुनवाई की जाती है। यदि कोई एक पक्ष आयोग के समन के बाद भी हाजिर नहीं होता तो अगली बार आयोग उस पक्ष के खिलाफ कार्रवाई के आदेश देता है। उन्होंने कहा कि आयोग का पहला उद्देश्य यही है की जिन मामलों में आपसी समझौते से मामले का निपटारा हो सकता है ऐसे मामलों में दोनो पक्षों को आमने सामने बैठाकर उनकी सुलह कराई जाए। तथा अपहरण, बलात्कार एवं हत्या से जुड़ें मामलों में बिना किसी कोताही के पुलिस विभाग को सख्त कार्रवाई के लिए आदेश दिए।

तीन जिलों में सीवरेज व पेयजल व्यवस्था सुधारने को 340 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने तीन जिलों अंबाला, हिसार तथा फतेहाबाद में सीवरेज व्यवस्था को और बेहतर करने तथा पेयजल के प्रबंध के लिए 340 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 5 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। एक सरकारी प्रवक्ता ने सोमवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अंबाला जिले में परियोजनाओं पर 165.96 करोड़ रुपए खर्च होंगे, जिनमें नगर निगम क्षेत्र के भीतर 11 नए विलय किए गए गांवों में सीवरेज नेटवर्क का विस्तार करना, नयागांव में मौजूदा स्थल पर 1.25 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), कंवला गांव के लिए 1.40 एमएलडी एसटीपी तथा अंबाला शहर के देवीनगर में अंबाला ड्रेन के लिए 50 एमएलडी एसटीपी का निर्माण शामिल है। हिसार जिले में अमृत 2.0 परियोजना के तहत हांसी शहर में पेटवाड़ माइनर की बजाए नहर की बरवाला ब्रांच से पानी की व्यवस्था करना है, जिस पर 61.44 करोड़ रुपए से अधिक की लागत आएगी। इसके अलावा आदमपुर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का प्रावधान और मौजूदा सीवरेज सिस्टम को मजबूत करने की भी परियोजना है, जिसकी लागत 65.11 करोड़ रुपए से अधिक आएगी। फतेहाबाद जिले में जाखल शहर में पेयजल आपूर्ति योजना का विस्तार करने और एक नई जल आपूर्ति पाइपलाइन बिछाने की परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल लागत 7 करोड़ रुपए से अधिक आएगी।

नए आपराधिक कानून व्यक्तिगत एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी

धौलपुर। जिला पुलिस महकमे की ओर से सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान अपराध नियंत्रण की समीक्ष हुई तथा पुलिस कर्मियों को तीन नए आपराधिक कानूनों की जानकारी दी गई। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने कहा कि तीनों नए आपराधिक कानून व्यक्तिगत एवं अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं। इन कानूनों में समानता और निष्पक्षता के साथ-साथ न्याय पर बल दिया गया है। जिससे सभी के लिए त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जा सके। न्याय प्रणाली में नए आपराधिक कानून को नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में बड़ी पहल है। साथ ही न्याय प्रणाली में टेक्नोलॉजी पर जोर दिया गया है। महिलाओं और बच्चों के लिए भी नए प्रावधान किए गए हैं। वहीं,

अपराध एवं दंड को नए तरीके से परिभाषित किया गया है। नए कानूनों से त्वरित न्याय की प्रक्रिया है। वहीं, आपराधिक न्याय प्रणाली में भी बदला गया है एवं पुलिस की जबावदेही और पारदर्शिता पर बल दिया गया है। एसपी ने एक जुलाई से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय न्याय संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नए कानूनों में डिजिटल तौर पर एफआईआर, नोटिस, समन, ट्रायल, रिकॉर्ड, फोरेंसिक, केस डायरी एवं बयान आदि को संग्रहित किए जाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने तलाशी और जब्ती के दौरान वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी के लिए बनाई गई एसएसओपी के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने जिले की कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण, अवैध गतिविधियों की रोकथाम व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सख्त निर्देश दिए। इस दौरान सामुदायिक पुलिसिंग की दिशा में और अधिक बेहतर तरीके से कार्य करने, शादियों के सीजन को देखते हुए पार्किंग आदि की व्यवस्था बेहतर करने और आगामी मौहर्रम के त्यौहार को शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए पूरी तैयारी करने के निर्देश दिए। क्राइम मीटिंग के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाडी कमल कुमार जांगिड सहित जिले के सभी वृत्ताधिकारी एवं थानाधिकारी गण उपस्थित रहे।

राजस्थान को बनाएंगे सोलर उपकरणों की असेंबलिंग तथा मैन्यूफैक्चरिंग का हब : ऊर्जा मंत्री

जयपुर (हिंस)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सोलर सेक्टर को बढ़ावा दे रही है। हमारा प्रयास है कि राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ ही सोलर उपकरणों की असेंबलिंग तथा मैन्यूफैक्चरिंग का हब बने। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सोलर उपकरण विनिर्माण इकाइयों से जुड़े उद्यमी सुझाव दें। जिनके आधार पर नीति एवं नियमों में संशोधन की आवश्यकता हुई तो उन पर भी सरकार प्राथमिकता से विचार करेगी। ऊर्जा मंत्री सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान सोलर एसोसिएशन की ओर से आयोजित भारत सोलर कंपोनेंट एक्सपो में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों तथा सोलर उपकरणों की विनिर्माण इकाइयों से जुड़े उद्यमियों के साथ संवाद किया और उनके सवालों के जवाब भी दिए। नागर ने कहा कि स्थानीय स्तर पर ही सोलर कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स के लगने से सोलर पैनल, सोलर केबल, एलुमिनियम स्ट्रक्चर आदि की निर्माण लागत में कमी आएगी और युवाओं को इस उभरते सेक्टर में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा भविष्य की जरूरत है और हमारे प्रदेश में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। ऊर्जा मंत्री ने सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य कैबिनेट द्वारा हाल ही में किए गए अक्षय ऊर्जा नीति-2023 तथा राजस्थान भू-राजस्व नियम, 2007 के प्रावधानों में संशोधन का जिक्र करते हुए कहा कि अब प्रदेश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए डीएलसी दर के साढ़े सात प्रतिशत पर भूमि का आवंटन किया जा सकेगा। इससे हमारे यहां प्रचुर मात्रा में प्रकृत्ति प्रदत्त सोलर रेडिएशन का उपयोग तो होगा ही, सोलर कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश एवं रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए आरडीएसएस योजना के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपए के कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। जिससे नए 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण तथा फीडर सुधार जैसे कार्यों को गति मिलेगी और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति संभव होगी। नागर ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में सस्ती बिजली सुलभ कराने के उद्देश्य से कुसुम योजना को गति दे रही है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के कुछ ही माह में इस योजना के तहत फीडर स्तर के सोलराइजेशन के लिए करीब 4468 मेगावाट के कार्यादेश दिए जा चुके हैं।

महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने महिला थाना का किया औचक निरीक्षण

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने सोमवार को गुरुग्राम के सेक्टर-51 स्थित महिला थाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला शिकायतकर्ताओं की फरियाद सुनीं। साथ ही थाना प्रबंधक गीता को उन मामलों में संवेदनशीलता के साथ उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जो खामियां मिलीं, उन्हें दुरुस्त करने को कहा। इस दौरान एसीपी डॉ. कविता भी मौजूद रहे। उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा महिला आयोग महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए कृत संकल्प है। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़े जो भी मुद्दे सरकार तक पहुंचाने की बात आती है तो आयोग के माध्यम सरकार से उसे पूरा करने की सिफारिश की जाती है। उपाध्यक्ष

ने कहा कि महिलाओं के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के अत्याचार और उत्पीड़न करने वाले व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा। महिला आयोग के द्वारा इसकी कड़ी निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से काम कर रहे हरियाणा महिला आयोग के प्रयासों से आज हरियाणा प्रदेश में महिलाएं किसी भी अत्याचार का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से सक्षम है। उपाध्यक्ष ने थाना के औचक निरीक्षण में शिकायत लेकर पहुंची महिला शिकायतकर्ताओं से बातचीत करते हुए उनके मामलों में सुलह भी करवाई। एक मामले में सुनवाई करते हुए उन्होंने सेक्टर 47 से आई शिकायत के संबंध में पति को निर्देश दिए कि वह अपनी पत्नी के अधिकारों का सम्मान करते हुए उसके भरण पोषण का उचित ख्याल रखे। दोनों के बीच विवाद चल रहा है व पुलिस द्वारा मध्यस्थता की जा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा महिला आयोग राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर जागरुकता अभियान चलाए हुए हैं। आयोग द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिला में महिलाओं की शिकायतों पर सुनवाई की जाती हैं।

हत्यारों की गिरफ्तारी और सीबीआई जांच की मांग को लेकर बसपा ने किया प्रदर्शन

यमुनानगर (हिंस)। तमिलनाडु के चेन्नई में बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की हत्या का बसपा कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष राहुल फिरोजपुर की अध्यक्षता में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मामले की सीबीआई से जांच की मांग की। सोमवार को लघु सचिवालय में इस मौके पर बसपा के जिला अध्यक्ष राहुल ने बताया कि पांच जुलाई को तमिलनाडु के चेन्नई में बसपा के प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की उनके निवास के बाहर निर्मम हत्या कर दी गई थी।

हत्या में ऑटो चालक को उम्र कैद की सजा

कैथल (हिंस)। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. नंदिता कौशिक की अदालत ने हत्या के एक मामले में सजा का ऐलान करते हुए दोषी को आजीवन कारावास और 7 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना नहीं देने पर 6 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस बारे में भीमा राम निवासी गांव हाबड़ी ने थाना पूंडरी में 5 अगस्त 2021 को सोनू निवासी हाबड़ी के खिलाफ अभियोग नंबर 441 दर्ज करवाया था। अभियोजन पक्ष की ओर से केस की पैरवी उप जिला न्यायवादी सुखदीप सिंह ने की। सोमवार को पुलिस रिपोर्ट के हवाले से सुखदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता भीमा राम का छोटा बेटा रवि कैथल में आटो चलाता है। भीमा के बड़े भाई पाला राम के बेटे सोनू की पत्नी पूजा की उसके पति सोनू के साथ अनबन रहती थी। करीब एक साल पहले पूजा ने अपने पति सोनू व परिवार वालों को बताया कि वह सोनू के साथ नहीं रहना चाहती, बल्कि रवि के साथ रहना चाहती है। इसके बाद वह झगड़ा करके अपने मायके गांव बालू चली गई। रवि से पूजा कैथल जाकर मिलती रहती थी। इस बारे भीमा की सोनू से रंजिश चल रही थी। इस बात को लेकर कई बार कहा सुनी भी हुई थी और सोनू ने रवि को जान से मारने की धमकी भी दे रखी थी। 3 अगस्त 2021 की रात को रवि अपनी आटो लेकर गांव हाबड़ी आया था और अगली सुबह करीब आठ बजे कैथल के लिए चला गया था। उसी रात को मालूम हुआ कि रवि सिरसल रोड पर आटो के पास सड़क पर मृत पड़ा है। भीमा अपने परिवार के साथ मौके पर गया और देखा कि रवि सड़क पर खून से लथपथ पड़ा है। उसके गर्दन, छाती, पेट, पीठ, सिर, टांग पर तेज हथियार से घाव के निशान थे। भीमा ने शंका जाहिर की कि रवि की हत्या सोनू व उसके अन्य साथियों ने मिलकर की है। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज करके सोनू को गिरफ्तार कर लिया और चालान अदालत में पेश कर दिया। मामले में कुल 27 गवाह पेश किए गए। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सोनू को हत्या का दोषी पाया तथा गवाहों और सबूतों रोशनी में उसे उम्र कैद तथा 70 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

आधुनिक मारवाड़ के निर्माता उम्मेद सिंह की जयंती मनाई

जोधपुर (हिंस)। आधुनिक मारवाड़ के निर्माता स्वर्गीय महाराजा उम्मेद सिंह की 121वीं जयंती सोमवार को रेलवे स्टेशन के सामने स्थित स्टेच्यू सर्किल में मनाई गई। यहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रारंभ में पूर्व नरेश गजसिंह ने पूजा अर्चना व पुष्प अर्पित कर स्वर्गीय महाराजा उम्मेद सिंह का स्मरण किया। पंडित ललित त्रिवेदी ने पूजा कराई। एचएच महाराजा उम्मेद सिंह रिलिजियस ट्रस्ट के महाप्रबंधक जगत सिंह राठौड़ ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि हैडक्वॉटर 12 कोर्पस के लेफ्टिनेट जनरल मोहित मल्होत्रा एवं नगर निगम उत्तर की महापौर कुंती परिहार, डीआरएम पंकज कुमार सिंह व एयर ऑफिसर कमांडिंग जोधपुर एयर कमांडोर एसके तालियान के विशिष्ट आतिथ्य में पुष्पांजलि अर्पित की गई। सैनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज, आरके वीर विक्रम सिंह व राव राजा परीक्षित सिंह ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। धर्मगुरुओं ने दी

श्रद्धांजलि समारोह स्थल पर प्रभू श्री मंदिर के सोहन लाल जैसलमेरिया, पंडित विजयदत्त पुरोहित, मौलाना मसी दुह जमा, श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा के ज्ञानी जयपाल सिंह, एसएम चर्च सरदारपुरा के अमित कुमार द्वारा महाराजा उम्मेद सिंह के कार्यों के बारे में अपने अपने धर्म के अनुसार विशेष प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह स्थल पर चौपासनी विद्यालय के केसरिया साफा पहने छात्र श्रवण सिंह जैतावत व हितेन्द्र सिंह बुचेटी के निर्देशन में व मौलाना अबुल कलाम आजाद सीनियर सैकेंडरी स्कूल के स्काउट व एनसीसी के बालक बालिकाएं हाथों में महाराजा उम्मेद सिंह की जयंती के बैनर लिए हुए उपस्थित थे। गजसिंह ने इन सभी बालक-बालिकाओं से पास में जाकर बातचीत की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। समारोह में मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा, कुंभ सिंह पातावत, सुमन सिंह, मदन सिह, हर्षवर्धन सिंह भांवरी, एमजीएच अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह भाटी, कर्नल लक्ष्मणसिंह गुढा, कर्नल गिरेंद्रसिंह दारवां, कर्नल लक्ष्मण सिंह गुढा, कर्नल हिम्मत सिंह, छोटू सिंह बुचेटी, दलपत सिंह खीची, विशन सिंह सोढा, इंद्रजीत सिंह नाथावत, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गजेंद्रसिंह राठौड़, पर्यावरण प्रेमी प्रसन्नपुरी गोस्वामी, हिज हाइनेस महाराजा उम्मेद सिंह रिलिजियस ट्रस्ट के सचिव कल्याण सिंह राठौड़, प्रो हरदयाल सिंह राठौड़, राजेन्द्र सिंह लीलिया, भूपत सिंह अवाय, भागीरथ वैष्णव, फारूक अहमद, राजकुमार सिंह रोड़ला, महाराजा मानसिह पुस्तक प्रकाश शोध केंद्र के सहायक निदेशक डॉ. महेंद्र सिंह तंवर सहित अनेक नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मेहरानगढ़ बैंड द्वारा सुमधुर दोनों की प्रस्तुति दी गई व राज नगारची शहनाई वादक उमर रमजान ने शहनाई वादन किया। कार्यक्रम का संचालन नेमीचन्द ने किया।

राजीव चंद्रशेखर यूके में आयोजित फ्यूचर ऑफ ब्रिटेन कॉन्फ्रेंस को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली।
भारत की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लोकतंत्रीकरण पर ग्लोबल चर्चा शुरू की गई है। इसके तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर अगले सप्ताह फ्यूचर ऑफ ब्रिटेन कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने वाले हैं।भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर 9 जुलाई को लंदन में टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज की ओर से आयोजित गवर्निंग इन द एज ऑफ एआई : री-इमेजिन्ड स्टेट की मेजबानी करेंगे। इस सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और आगे की रणनीति तैयार करने को लेकर बातचीत की जाएगी। लंदन के इंस्टीट्यूट में आयोजित होने वाले सेमिनार में राजीव चंद्रशेखर को देश की डिजिटल पहल जैसे इंडिया डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), इंडिया-एआई मिशन के निर्माण में भारत के अनुभव और रणनीति के अलावा डिजिटल आईडी, डीपीआई और टेक के माध्यम से सरकार व शासन में बदलाव के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है, को शेयर करने के लिए आमंत्रित किया गया है। राजीव चंद्रशेखर इस बात को भी उजागर करेंगे कि अन्य देश भारत के अनुभव से कैसे सीख सकते हैं और डिजिटल क्षेत्र में भारत की सफलता को कैसे दोहरा सकते हैं। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की ओर से स्थापित टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज, सरकारों और नेताओं को रणनीति, नीति और डिलीवरी पर सलाह देता है, जिससे तीनों में प्रौद्योगिकी की शक्ति का पता चलता है।

सम्मेलन में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी और उसे तैयार किया जाएगा। भविष्य का एजेंडा पेश किया जाएगा और 21वीं सदी की पुनर्कल्पना के लिए ठोस योजना बनाई जाएगी। पिछले सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल इंडिया-एआई मिशन शिखर सम्मेलन में ग्लोबल दक्षिण देशों ने विश्व एआई मंच पर उन्हें आवाज देने में भारत की भूमिका को स्वीकार किया और उसकी सराहना की थी। आपको अपने अगले ट्रेड में कौन सा स्टॉक खरीदना चाहिए एआई कंप्यूटिंग शक्तियां शेयर बाजार को बदल रही हैं। हमारे उन्नत एआई द्वारा चुने गए 6 विजेता स्टॉक पोर्टफोलियो हैं।

न्यूज ब्रीफ

एलआईसी ने आरआईएल, टाटा और अदाणी ग्रुप व अन्य कंपनियों में घटाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली । सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2024 में सभी प्रमुख समूहों में अपनी हिस्सेदारी घटाकर शेयर बाजार में तेजी का भरपूर फायदा उठाया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक हिस्सेदारी कम करने के बावजूद सभी समूहों में इसकी बची हुई हिस्सेदारी का मूल्य काफी हद तक बढ़ गया है। इस साल मार्च तक के शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली कंपनियों में एलआईसी का निवेश सबसे ज्यादा है, इसके बाद टाटा और अदाणी ग्रुप की कंपनियां का नंबर आता हैं। पिछले सप्ताह बाजार बंद होने तक शीर्ष समूहों में एलआईसी का निवेश 37.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4.39 लाख करोड़ रुपये है। मुकेश अंबानी ग्रुप की कंपनियों में एलआईसी के निवेश का मूल्य सबसे ज्यादा 1.5 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34.2 प्रतिशत अधिक है। एलआईसी ने रिलायंस ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 6.37 प्रतिशत से घटाकर 6.19 प्रतिशत कर दी। एलआईसी ने इस साल मार्च तक टाटा समूह की कंपनियों में भी अपनी हिस्सेदारी घटाकर 4.05 प्रतिशत कर दी, लेकिन इसका मूल्य बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपये हो गया। जून तिमाही का शेयरहोल्डिंग डेटा अभी उपलब्ध नहीं है। एलआईसी ने अदाणी ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 4.27 प्रतिशत से घटाकर 3.76 प्रतिशत कर दी है। इसकी हिस्सेदारी का मूल्य 49.2 प्रतिशत बढ़कर 64,414 करोड़ रुपये हो गया। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि शेयर बाजारों में तेजी के साथ सरकार को एलआईसी में अपनी 96.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचने पर विचार करना चाहिए ताकि प्राप्त राशि का उपयोग विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने में किया जा सके।

सीएमएफ फोन 1 अगले महीने होगा लॉन्च, लॉन्च से पहले लीक हुई कीमत

नई दिल्ली । स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी नथिंग का सब ब्रांड सीएमएफ जल्द ही अपना पहला स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है। हैंडसेट सीएमएफ फोन 1 अगले महीने की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है। इसकी जानकारी माइक्रोसाइट फलीपकार्ट पर लाइव हो चुकी है। कंपनी की माइक्रोसाइट से साफ है कि ये स्मार्टफोन सुपर अमोलेड डिस्प्ले के साथ आएगा। इसके अलावा फोन की कुछ जानकारी लीक रिपोर्ट्स भी सामने आई है। एक टिप्स्टर ने इसकी कुछ डिटेल्स शेयर की हैं। भारत में ये फोन 8 जुलाई को लॉन्च हो रहा है। टिप्स्टर योगेश बरार के मुताबिक, सीएमएफ फोन 1 में 6.7-इंच का एस अमोलेड एलटीपीएस डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट के साथ आएगा। इस फोन की पीक ब्राइटनेस 2000 नीटस की होगी। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया जा सकता है। ऑप्टिक्स की बात करें, तो फोन में 16एमपी का सेल्फी कैमरा मिल सकता है, जो सेंटर पंच होल कटआउट में फिट होगा।

सोना गिरकर 73 हजार, चांदी भी 93,250 रुपए

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा कारोबार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 13 रुपये की गिरावट के साथ 73,038 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 86 रुपये की गिरावट के साथ 72,965 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 259 रुपये की गिरावट के साथ 93,295 रुपये पर खुला। इस समय यह 284 रुपये की गिरावट के साथ 93,270 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

यूपीआई का असर! छोटे व्यापारों में डिजिटल लेनदेन बढ़ा

नई दिल्ली।
भारत में छोटे दुकानदारों और फर्म की ओर से ऑर्डर लेने या देने के लिए बड़ी संख्या में डिजिटल माध्यम का उपयोग किया जा रहा है। इसकी वजह यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) जैसी सुविधाओं का समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी सर्वे के अनुसार, यूपीआई से भुगतान करने या ऑनलाइन ऑर्डर देने के रूप में बिजनेस उद्देश्य के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल 2022-23 के बीच ग्रामीण इलाकों में बढ़कर 13.5 प्रतिशत हो गया है, जो पहले 7.7 प्रतिशत था। वहीं, शहरी इलाकों में यह बढ़कर 30.2 प्रतिशत हो गया है, जो पहले 21.6 प्रतिशत पर था। इस तरह ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में संयुक्त रूप से 7.2 प्रतिशत की बढ़त हुई है। यह दिखाता है कि असंगठित क्षेत्र में डिजिटल पेमेंट को लोग अपना रहे हैं और आईटी एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।

सर्वे के मुताबिक, असंगठित क्षेत्र में अनुमानित प्रतिष्ठानों की संख्या में 5.88 प्रतिशत, कर्मचारियों की संख्या में 7.84 प्रतिशत और ग्रॉस वैल्यू एडिशन में 9.83 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। सर्वे में आगे बताया गया कि सेक्टर में पूंजीगत निवेश बढ़ा है, लोन तक लोगों की पहुंच बढ़ी है और आईटी के उपयोग में भी इजाफा देखा गया है। सर्वे के मुताबिक, गैर-कृषि असंगठित क्षेत्र की इकाइयों की औसत फिक्स्ड एसेट्स की वैल्यू 2022-23 में 3.18 लाख रुपये रही है, जो पहले 2.81 लाख रुपये थी, जो दर्शाता है कि इस सेक्टर में पूंजीगत निवेश बढ़ा है। वहीं, 2021-22 में बकाया लोन 37,408 रुपये प्रति इकाई था, जो कि 2022-23 में बढ़कर 50,138 रुपये हो गया है। इससे पता चलता है कि लोगों के लिए लोन की उपलब्धता बढ़ी है। सर्वे के अनुसार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 54 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र की इकाइयों का स्वामित्व महिला उद्यमियों के पास है, जो दर्शाता है कि महिला केंद्रित योजनाओं का फायदा जमीनी स्तर पर हो रहा है।

आपको अपने अगले ट्रेड में कौन सा स्टॉक खरीदना चाहिए

2024 में वैल्यूएशन आसमान छूने के साथ, कई निवेशक शेयरों में अधिक पैसा लगाने को लेकर असहज हैं। अनिश्चित हैं कि आगे कहां निवेश करें हमारे सिद्ध पोर्टफोलियो तक पहुंच प्राप्त करें और उच्च क्षमता वाले अवसरों की खोज करें। अकेले 2024 में, एआई ने 2 स्टॉक की पहचान की जो 150 प्रतिशत से अधिक बढ़े, 4 अतिरिक्त स्टॉक जिन्होंने 30 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई, और 3 और स्टॉक जो 25 प्रतिशत से अधिक चढ़े। यह एक प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड है. डॉव स्टॉक, एसएंडपी स्टॉक, टेक स्टॉक और मिड कैप स्टॉक के लिए तैयार किए गए पोर्टफोलियो के साथ, आप विभिन्न धन-निर्माण रणनीतियों का पता लगा सकते हैं।

भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में बनेगा बड़ा खिलाड़ी : आईटी सचिव

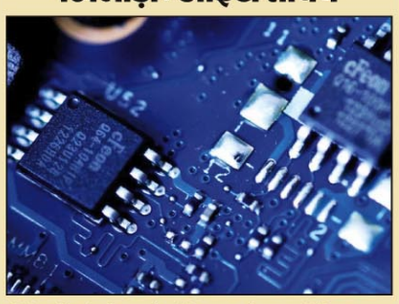

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में बड़ा खिलाड़ी बनने के लिए भारत के पास टैलेंट और विशेषज्ञता मौजूद है। सरकार भी सेमीकंडक्टर के लिए इकोसिस्टम बनाने में इंडस्ट्री की मदद कर रही है। आईटी सचिव ने इन बातों का जिक्र फैबलेस सेमीकंडक्टर फर्म आईवीपी की ओर से आयोजित कॉन्फ्रेंस में किया। वैश्विक कंसल्टिंग फर्म मैकिंसे ने अपने अनुमान में कहा है कि पूरी दुनिया में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज का आकार एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। वहीं, इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) का कहना है कि 2030 में भारत में इस सेक्टर का आकार 100 अरब डॉलर के आंकड़े को छू सकता है। कृष्णन ने कहा, भारत के लिए सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री काफी महत्वपूर्ण है। देश के पास टैलेंट और विशेषज्ञता मौजूद है, साथ ही इस सेक्टर में एक वैश्विक खिलाड़ी बनने की क्षमता है। सरकार भी सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने को लेकर इंडस्ट्री की मदद कर रही है। कृष्णन ने आगे कहा, मैं भारतीय फैबलेस चिप कंपनी के निर्माण पर आईवीपी सेमीकंडक्टर को बधाई देता हूं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के बड़े बाजारों में एक है और इस कारण से सेमीकंडक्टर की मांग में भी इजाफा हो रहा है। टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि भारत को 2027 तक रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी), डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस पैकेजिंग डोमेन में 2.5 से 3 लाख कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होगी।

जुलाई में अच्छी बारिश होने से बुवाई की स्थिति पिछले साल से बेहतर : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

पूरे देश में जुलाई की शुरुआत में अच्छी बारिश हो रही है जो कि नॉर्मल मानसून का संकेत है। केवल जुलाई में दीर्घकालीन औसत से 32 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। जारी एक रिपोर्ट में ये बात कही गई है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर और पश्चिम भारत (3 प्रतिशत), मध्य भारत (-6 प्रतिशत), पूर्व और उत्तर पूर्व भारत (0 प्रतिशत) और दक्षिणी प्रायद्वीप (13 प्रतिशत) में अब तक सामान्य बारिश हुई है।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की प्रमुख अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा, जून में कम बारिश होने के कारण, जरूरी है कि जुलाई में अच्छी बारिश हो और महीने की शुरुआत अच्छी रही।

हालांकि बुवाई में देरी हुई, लेकिन अब बारिश होने से इसमें तेजी आई है और यह पिछले साल से बेहतर है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 28 जून तक कुल बुवाई क्षेत्र (24.1 मिलियन हेक्टेयर) पिछले साल की तुलना में काफी अधिक (सालाना आधार पर 33 प्रतिशत) है। यह मुख्य रूप से दलहन और तिलहन की बुवाई में तेजी के कारण है।

धान की बुवाई का क्षेत्र पिछले साल के बराबर ही है, जबकि गन्ने की बुवाई बेहतर है। गैर-खाद्य फसलों में कपास की बुवाई काफी अधिक है।

कुल बुवाई क्षेत्र सामान्य बुवाई क्षेत्र का 22 प्रतिशत है, जबकि 2023 में यह 18.6 प्रतिशत था।

अरोड़ा ने कहा, इस संबंध में जुलाई बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि महीने के अंत तक लगभग 80 प्रतिशत बुवाई पूरी हो जाती है।

मोबाइल रिचार्ज के प्लान हुए मंहगे.... सरकार ने कहा हमारा कोई रोल नहीं

नई दिल्ली ।
देश में प्राइवेट टेलीकॉम ऑपरेटर्स ने मोबाइल रिचार्ज प्लान की कीमतें बढ़ा दी हैं। फैसले के बाद जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के मोबाइल रिचार्ज प्लान करीब 20 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। सभी टेलीकॉम कंपनियों की ओर से अचानक लिए गए फैसले से स्मार्टफोन यूजर्स खासा नाराज हैं। हालांकि, कंपनियों ने अपने ग्राहकों को पहले ही इस बारे में जानकारी देने के साथ उन्हें एडवांस रिजार्ज का ऑप्शन दिया था।

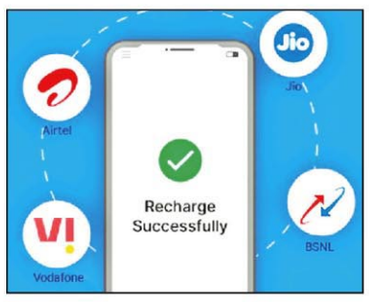

मोदी सरकार को लेकर दावा किया जा रहा था कि भारत सरकार ने जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडियो को बिना किसी विनियमन के टैरिफ हाइक की परमिशन दी। इसके बाद मोबाइल टैरिफ हाइक को लेकर मोदी सरकार की ओर से स्थिति साफ की गई है। नियामक संस्था ने कहा कि तीन निजी क्षेत्र की कंपनियों और एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के साथ मोबाइल सर्विस मार्केट डिमांड और सप्लाई के मार्केट फोर्स के साथ चलता है। टेलीकम्युनिकेशन सर्विस के रेट्स मार्केट फोर्स के साथ तय होते हैं। यह रेट्स स्वतंत्र नियामक यानी भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित नियामक ढांचे के भीतर तय होते हैं। भारत सरकार का कहना है कि वह फ्री मार्केट के फैसलों को लेकर कोई हस्तक्षेप नहीं करती है क्योंकि यह कार्यक्षमता ट्राई के अधिकार क्षेत्र में है। मोदी सरकार का कहना है कि मोबाइल सर्विस के टैरिफ को लेकर होने वाले किसी भी बदलाव को लेकर टेलीकॉम ऑपरेट ट्राई को पहले ही जानकारी दे देते हैं।

737 मैक्स हादसे से जुड़े आपराधिक आरोप में बोइंग को दोषी ठहराया जाएगा, अमेरिकी सरकार ने अदालत को बताया

नई दिल्ली ।
बोइंग को 737 मैक्स जेटलाइनर्स के हादसे से उपजे आपराधिक धोखाधड़ी के आरोप में दोषी ठहराया जाएगा। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार कंपनी ने एक समझौते का उल्लंघन किया है जिसके तहत तीन साल से अधिक समय तक कंपनी को अभियोजन से बचाया गया था। सरकार ने अदालत में यह बात कही। संघीय अभियोजकों ने बोइंग को इस सप्ताह दोषी ठहराने और सजा के हिस्से के रूप में जुर्माना भरने या अमेरिका को धोखा देने की साजिश के आपराधिक आरोप पर मुकदमे का सामना करने का विकल्प दिया। टेक्सास में संघीय अदालत में दायर एक न्याय विभाग (डीओजे) दस्तावेज के अनुसार, याचिका सौदा, जिसे अब भी प्रभावी होने के लिए एक संघीय न्यायाधीश की मंजूरी प्राप्त करनी होगी के तहत बोइंग को अतिरिक्त 243.6 मिलियन डॉलर का जुर्माना देने के कहा जाएगा। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है कि बोइंग ने अपनी सुरक्षा और अनुपालन कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए

अगले तीन वर्षों में कम से कम 455 मिलियन डॉलर का निवेश करने पर भी सहमति व्यक्त की है। विभाग फर्म के अनुपालन की देखरेख के लिए एक तृतीय-पक्ष मॉनिटर नियुक्त करेगा। मॉनिटर को कंपनी की प्रगति पर वार्षिक रिपोर्ट अदातल में सार्वजनिक रूप से फाइल करनी होगी। दोषी ठहराए जाने की याचिका से अमेरिकी रक्षा विभाग और नासा जैसी कंपनियों के साथ आकर्षक सरकारी अनुबंधों को हासिल करने में कंपनी की साख को बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा।

एआई के आने से तेजी से बढ़ रहा भारत का सिक्योरिटी मार्केट

नई दिल्ली।
बायोमेट्रिक और सर्विलांस उत्पादों की मांग में इजाफा होने के कारण भारत का सिक्योरिटी मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की ओर से यह जानकारी दी गई। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा और उच्च गुणवत्ता के लिए सरकार की ओर से नियमों को बनाया जाना आवश्यक है। इन्फॉरमा मार्केट्स की ओर से आयोजित किए गए सिक्योरिटी और फायर एक्सपो में टीपी-लिंक कंज्यूमर के उपाध्यक्ष बिजॉय अलायलो ने कहा कि इस दशक में भारत का सर्विलांस मार्केट 16 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ेगा। इसकी वजह टेक्नोलॉजी में साल-दर-साल आने वाला बदलाव है।

उन्होंने आगे कहा कि सर्विलांस टेक्नोलॉजी में एआई को लागू करने की संभावनाएं असीमित हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा

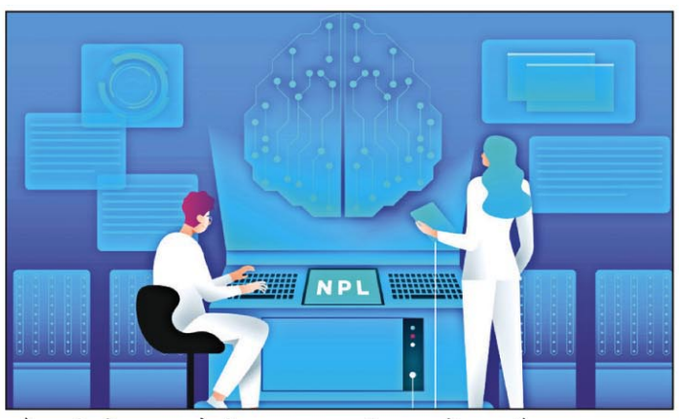

और क्वालिटी गुणवत्ता के लिए सरकार को नियम बनाने होंगे। भारत में मौजूदा समय में सर्विलांस मार्केट की वैल्यू करीब 4.3 अरब डॉलर की है और इसका आकार 2029 तक बढ़कर 15 अरब डॉलर तक हो सकता है।

इंडस्ट्री के जानकारों की मानें तो भारत के वीडियो सर्विलांस सिस्टम में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। मार्केट में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के इंटीग्रेशन वाले आईपी कैमरों का चलन बढ़ रहा है।

प्रामा हिकविजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एमडी और सीईओ आशीष पी. ढाकन का कहना है कि भारत के सिक्योरिटी मार्केट में विकास की काफी संभावनाएं हैं। एआई, आईओटी और बिग डेटा के कारण टेक्नोलॉजी में बड़ा बदलाव आ रहा है।

भारत में इन्फॉरमा मार्केट्स के एमडी योगेश मुद्रा ने कहा कि एआई और आईओटी जैसे टेक्नोलॉजी आने से भारत में स्मार्ट सर्विलांस का मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक भारत में एआई का मार्केट 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। एआई में बायोमेट्रिक सिक्योरिटी, खतरे को जांचने और अनियमित व्यवहार को पकड़ने की क्षमता है। यह अपराध को रोकने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

भारत में अगले हफ्ते लॉन्च होगा मोटो जी85 5जी, 20 हजार से कम हो सकती है कीमत

नई दिल्ली । भारत में अगले हफ्ते मोटो जी85 5जी को लॉन्च किया जाएगा। यह फोन आगामी 10 जुलाई को लॉन्च किया जाएगा। इस स्मार्टफोन को यूरोप में 26 जून को मोटोरोला एस50 नियो के रिब्रांडेड वर्जन के तौर पर उतारा गया था, जिसे चीन में मोटोरोला रेजर 50 सीरीज के साथ लॉन्च किया गया था। फिलहाल भारत में फोन की लॉन्चिंग से पहले इसके लिए एक माइक्रोसाइट बनाई गई है। इसमें अपकमिंग फोन के बारे में काफी कुछ जानकारी दी गई है। फ्लिपकार्ट पर जारी माइक्रोसाइट में मोटो जी85 5जी को लेकर कंफर्म किया गया है कि इसमें 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच पीओलेड डिस्प्ले मिलेगा और इसकी पीक ब्राइटनेस 1,600 नीटस होगी। इस डिस्प्ले में गोरिल्ला ग्लास 5 प्रोटेक्शन मिलेगा। डायमेंशन की बात करें तो मोटो जी85 5जी का वजन 175 ग्राम होगा और इसकी थिकनेस 7.59 एमएम होगी। ये फोन वीगन लेदर डिजाइन में आएगा और ये ब्लू, ग्रीन और ग्रे कलर में मौजूद रहेगा। इस स्मार्टफोन में 12जीबी रैम और 256जीबी तक स्टोरेज के साथ स्नैपड्रेगन 6एस जेन 3 प्रोसेसर मिलेगा। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में 50 एमपी प्राइमरी कैमरा होगा। साथ ही सेल्फी के लिए 32एमपी कैमरा मौजूद होगा। इसकी बैटरी 5,000एमएएच की होगी और 33वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आएगा। ये फोन 8जीबी प्लस 128जीबी वेरिएंट में भी उपलब्ध होगा। इस फोन की कीमत 20 हजार रुपये से कम हो सकती है। दावे के मुताबिक इस हैंडसेट में रैम बूस्ट फीचर का सपोर्ट मिलेगा और ये एंड्रॉयड 14 पर चलेगा। इसमें दो साल ओएस अपग्रेड्स भी मिलेंगे और तीन साल तक सिक्योरिटी अपडेट्स भी होंगे।

अक्षय कुमार और सूर्या नजर आएंगे पूरननूरू में

-फिल्म एक व्यवस्था विरोधी कहानी पर आधारित

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म निर्देशक सुधा कोंगरा एक बार फिर से दक्षिण के स्टार सूर्या के साथ एक फिल्म कर रही हैं, जिसे लेकर उन्होंने कुछ बातें साझा की है। सुधा कोंगरा और सूर्या पूरननूरु फिल्म पर काम कर रहे हैं। यह बालीवुड एक्टर अक्षय कुमार और सूर्या की साथ में दूसरी फिल्म है। सुधा ने एक हालिया साक्षात्कार में, पूरननूरु के बारे में बात करते हुए कहा कि यह फिल्म एक व्यवस्था विरोधी कहानी पर आधारित है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म 60 के दशक में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की पृष्ठभूमि में सेट है। सुधा कोंगरा ने आगे बताया कि पूरननूरु एक ऐसी फिल्म है, जिसमें उत्पीड़न विरोधी कहानी देखने को मिलेगी। सुधा का मानना है कि उनकी सभी फिल्मों में अत्याचार के खिलाफ मोर्चा खोला जाता है। उन्होंने अपनी फिल्म साला खड़ूस का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें बॉक्सर लड़की अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं को पार करती है। सुधा ने कहा कि समाज में कई तरह का उत्पीड़न, अलगाव और विभाजन मौजूद है। उन्होंने महिलाओं के पितृसत्ता के जाल में फंसे होने का जिक्र करते हुए कहा कि अधिकतर महिलाएं लंबे वक्त से इसका सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बात को स्वीकार करके पितृसत्ता को मात देनी होगी। पूरननूरु सूर्या की 43वीं फिल्म है। इसमें सूर्या के साथ-साथ दुलकर सलमान, विजय वर्मा और नाजरिया भी नजर आएंगे। इसका निर्माण सूर्या की ही प्रोडक्शन कंपनी 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। संगीतकार जीवी प्रकाश फिल्म की धुनें तैयार कर रहे हैं। बता दें कि इन दिनों निर्देशक सुधा कोंगरा अपनी फिल्म सरफिरा को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। सरफिरा सुधा द्वारा ही निर्देशित सोरारई पोटरु का हिंदी रीमेक है, जिसमें सूर्या लीड रोल में नजर आए थे।

पॉप स्टार जस्टिन ने जावेद की बेटी को लगाया गले तो जल उठे फैंस

- जस्टिन बीबर अंबानी परिवार की शादी में दे रहे थे प्रस्तुति

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर जावेद जाफरी की बेटी अलाविया जाफरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में कनाडाई पॉपस्टार जस्टिन बीबर की प्रस्तुति का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। एक वीडियो में जस्टिन स्टेज पर परफॉर्म कर रहे थे और मेहमान उनके इर्द-गिर्द खड़े थे। जस्टिन ने गाना गाते हुए अलाविया को पकड़ लिया और स्टेज पर ले आए। फिर उन्होंने गले मिलकर खुशी मनाई। हंसती और शरमाती अलाविया अपना सिर हिलाती रही और उसके दोस्त चिल्लाते रहे। इस इवेंट के लिए अलाविया ने गोल्डन और बेज रंग का आउटफिट पहना था। अलाविया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर जस्टिन के कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के कई वीडियो शेयर किए। एक वीडियो में उन्होंने लिखा, स्पैम के लिए पहले ही माफी चाहती हूँ। क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए एक प्रशंसक ने कहा, वह कितनी भाग्यशाली है। एक टिप्पणी में लिखा था, लूप पर, हे भगवान, मैं रो रहा हूँ। एक व्यक्ति ने लिखा, मुझे बहुत जलन हो रही है। वह जस्टिन को गले लगाने के लिए बहुत भाग्यशाली है। एक इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता ने कहा, वाह! यह बहुत बड़ी बात है! वह शरमा रही है, हंस रही है और शायद रो भी सकती है। बड़ा पल। जस्टिन को मंच के पास खड़े लोगों से मुस्कुराते, हंसते और हाथ मिलाते हुए देखा गया। उन्होंने मेहमानों के पास अपना माइक भी रखा और वे उनके साथ गाने लगे। इस कार्यक्रम के लिए जस्टिन ने सफेद बनियान और काले बैगी पैंट के ऊपर जैकेट पहनी थी। उन्होंने इस अवसर पर अपनी खास स्टाइल वाली टोपी भी पहनी थी। जस्टिन ने स्टेज पर परफॉर्म करते हुए इवेंट में आए मेहमानों से बातचीत की। उन्होंने बेबी, नेवर लेट यू गो, लव योरसेल्फ, पीचिस, बॉयफ्रेंड, सॉरी और व्हेयर आर यू नाउ जैसे गानों पर मेहमानों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद जस्टिन को शनिवार की सुबह मुंबई से निकलते हुए देखा गया। वे शुक्रवार को मुंबई पहुंचे। जस्टिन का भारत में पहला कॉन्सर्ट 2017 में हुआ था। उन्हें 2022 में देश लौटना था, लेकिन गायक की खराब सेहत के कारण दौरा रद्द कर दिया गया था। संगीत समारोह की बात करें तो यह सितारों से सजी एक पार्टी थी। सलमान खान से लेकर माधुरी दीक्षित तक, कई मशहूर हस्तियों ने शुक्रवार को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में अनंत और राधिका के समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मैं पापा की स्ट्रॉन्ग बेटी हूं : हिना खान

-ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही टीवी एक्ट्रेस ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर की। सेल्फी में वह मुस्कुरा रही हैं और विक्ट्री साइन के साथ पोज दे रही हैं। फोटोज के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, इस फोटो में आपको क्या दिख रहा है? मेरे शरीर पर निशान या मेरी आंखों में उम्मीद? ये निशान मेरे हैं, मैं इन्हें प्यार से गले लगाती हूं क्योंकि ये उस प्रोग्रेस का पहला साइन है जिसकी मैं हकदार हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि इलाज चल रहा है। मेरी आंखों में जो चमक है, वह बता रही है कि मैं कितनी मजबूत हूं और मेरी आत्मा कैसी है। मैं सुरंग के अंत में जो लाइट है उसे देख सकती हूं। मैं अपनी हीलिंग को मैनिफेस्ट करती हूं। मैं आप लोगों के लिए भी प्रार्थना करती हूं कि आप भी हील करें। मैं पापा की स्ट्रॉन्ग बेटी हूं। हिना ने चार जुलाई को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह खुद अपने बाल काटती नजर आ रही हैं और बैकग्राउंड में मां के रोने की आवाज आ रही है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि उन्हें तीसरे स्टेज का ब्रेस्ट कैंसर है। अब उनके कीमोथेरेपी सेशन शुरू हो गए हैं। हिना अपनी मां को समझाती हैं कि ये बाल ही तो हैं, कटने के बाद फिर नए आ जाएंगे।

आप परेशान न हों वरना तबीयत बिगड़ जाएगी। वह मां से ना रोने की रिक्वेस्ट करती हैं। उन्होंने कहा था, सभी खूबसूरत लोगों के लिए, खासकर वो महिलाएं जो मेरे साथ इस बीमारी से लड़ लड़ रही हैं, मुझे पता है कि यह मुश्किल है। मैं जानती हूं कि हम लोगों के लिए बाल एक ताज की तरह हैं, जिसे हम कभी नहीं उतारते। लेकिन सोचिए, अगर आपकी लड़ाई इतनी मुश्किल है कि आपको अपने बाल खोने पड़े, अपना ताज खोना पड़े? अगर आप जीतना चाहते हैं तो आपको कुछ मुश्किल फैसले लेने होंगे। और मैंने जीतना चुना है।उन्होंने आगे कहा था कि मैंने इस लड़ाई को जीतने के लिए खुद को हर एक चांस देने का फैसला किया है। मैंने अपने खूबसूरत बालों को गिरने से पहले ही काटने के बारे में सोचा। मैं इस मेंटल ब्रेकडाउन को कई हफ्तों तक सहन नहीं करना चाहती। मैं इस फेज के लिए अपने बालों का एक विग बनाऊंगी और उसे यूज करुंगी। बता दें कि हिना खान ब्रेस्ट कैंसर की तीसरी स्टेज पर हैं और उनका इलाज चल रहा है।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई श्रीकांत

सिनेमाघरों में लोगों को दिल जीतने के बाद राजकुमार राव, अलाया एफ और ज्योतिका की फिल्म श्रीकांत नेटफ्लिक्स पर भी रिलीज हो गई है। यह फिल्म श्रीकांत बोला की यात्रा को दशार्ती है, जो एक उद्योगपति हैं, जिन्होंने अपनी दृष्टिबाधिता के बावजूद निडरता से अपने सपनों का पीछा किया और आखिरकार बोलंट इंडस्ट्रीज की स्थापना की। श्रीकांत में ज्योतिका और अलाया एफ भी हैं। टी-सीरीज और चॉक एन चीज फिल्म्स प्रोडक्शन एलएलपी द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन तुषार हीरानंदानी ने किया है और इसे जगदीप सिद्धू और सुमित पुरोहित ने लिखा है।

सिद्धार्थ के फोटो देख फैंस ने बोले- हॉट हॉटर हॉटेस्ट

-एक्टर ने क्रूज से अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें की शेयर

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर क्रूज से अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें शेयर की। तस्वीरों में, उन्होंने अपने लुक को व्हाइट स्नीकर्स और सनग्लासेस के साथ पूरा किया। सिद्धार्थ पेस्टल ब्लू ब्लेजर के साथ बेज मेश शर्ट और मैचिंग ट्राउजर में नजर आ रहे हैं। सिद्धार्थ ने फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, स्टिल क्रूजिंग। एक्टर की फोटो देख फैंस दीवाने हो गए। एक फैन ने कमेंट में लिखा- हॉट हॉटर हॉटेस्ट। दूसरे फैन ने कहा कि हाय हॉटी। सिद्धार्थ के करियर की बात करें तो एक्टर ने मॉडलिंग से अपना करियर शुरू किया। उन्होंने कई विज्ञापनों में भी काम किया। यही नहीं, उन्होंने करण जौहर की माई नेम इज खान में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया।2006 में टीवी शो धरती का वीर योद्धा पृथ्वीराज चौहान से उन्होंने एक्टिंग की शुरूआत की। इसमें वह जयचंद के रोल में नजर आए, लेकिन फिल्म सफर 2012 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से शुरू किया। फिल्म में उनके साथ वरुण धवन और आलिया भट्ट नजर आए। इसके बाद, वह परिणीति चोपड़ा के साथ हंसी तो फंसी जैसी रोमांटिक कॉमेडी में दिखाई दिए। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित रोमांटिक थ्रिलर एक विलेन में उन्होंने एक खूंखार अपराधी गुरु दिवेकर की भूमिका निभाई। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर और रितेश देशमुख थे। सिद्धार्थ 2015 में करण मल्होत्रा द्वारा निर्देशित 2011 की अमेरिकी फिल्म वॉरियर की रीमेक ब्रदर्स में नजर आए। इस फिल्म में सिद्धार्थ के साथ अक्षय कुमार भी थे। वह कपूर एंड संस, बार बार देखो, ए जेंटलमैन, इत्तेफाक, अय्यारी, जबरिया जोड़ी, मरजावां, शेरशाह, थैंक गॉड, मिशन मजनू और हाल ही में योद्धा जैसी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। सिद्धार्थ ने रोहित शेट्टी की एक्शन थ्रिलर सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में भी काम किया। इसमें शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और विवेक ओबेरॉय भी हैं। बता दें कि सिद्धार्थ मल्होत्रा के फैशनेबल और अनोखे स्टाइल का हर कोई दीवाना है। वह वेल मेंटेंड बॉडी की वजह से सभी आउटफिट में काफी हैंडसम दिखते हैं।

सलमान ने किया विक्की कौशल की तारीफ

बॉलीवुड के मशहूर कलाकार विक्की कौशल इस समय अपनी फिल्म बैड न्यूज के गाने तौबा तौबा को लेकर हर तरफ छाए हुए हैं। इस गाने में विक्की के डांस मूव्स की फैंस से लेकर स्टार्स भी तारीफ कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में सुपरस्टार सलमान खान का नाम भी जुड़ गया है। सलमान ने भी विक्की कौशल का गाना देखा और एक्स-गर्लफ्रेंड के पति की तारीफ किए बिना नहीं रह सके। सलमान ने इंस्टा स्टोरी में तौबा तौबा गाने का वीडियो शेयर किया और विक्की के डांस की तारीफ करते हुए लिखा- कमाल के डांस मूव्स हैं विक्की। गाना बहुत अच्छा लग रहा है। ढेर सारी शुभकामनाएं। सलमान खान के इस पोस्ट पर विक्की कौशल ने धन्यवाद देते हुए लिखा- सो स्वीट ऑफ यू सलमान सर। थैंक यू सो मच। मेरे और मेरी टीम के लिए आपके शब्द बहुत मायने रखते हैं। बता दें फिल्म बैड न्यूज में विक्की के साथ तृप्ति डिमरी और एमी विर्क हैं। इस फिल्म को आनंद तिवारी ने डायरेक्ट किया है।

झूठी शानो शौकत में चढ़ा अहंकार का नशा

प्रयागराज, (हि.स.)। आदमी कमजोरियों का पुतला होता है, जो अपनी स्वभावगत कमजोरियों के कारण ही किसी नशे का शिकार होता है। ऐसा नशा भाव अथवा स्वभाव के नष्ट हो जाने के बाद ही उतरता है। जो कला थियेटर मुट्ठीगंज में आस्था समिति द्वारा मुंशी प्रेमचंद कृत नाटक नशा की मंच प्रस्तुति में देखने को मिला। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से मंचित नाटक की प्रस्तुति परिकल्पना एवं निर्देशन मनोज गुप्ता ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन संस्था के अध्यक्ष बृजराज तिवारी ने किया। नाटक की कथावस्तु के अनुसार बीर और ईश्वरी दो घनिष्ठ मित्र हैं। ईश्वरी जमीदार का बेटा है, उसमें जमीदारी वाले सारे तेवर मौजूद हैं,जबकि बीर गरीब परिवार का है और वह हमेशा जमीदारों की आलोचना करता है। ईश्वरी अपने मित्र द्वारा की गई आलोचना पर कभी क्रोधित नहीं होता था। एक बार अपने मित्र बीर को अपने गांव ले जाता है। गांव वालों से बीर का परिचय धनवान के रूप में करवाता है जो कि महात्मा गांधी का भक्त होने के कारण धनवान होते हुए भी निर्धन जैसा जीवन व्यतीत करता है। इस परिचय से लोग उसे गांधीजी वाले कुंअर साहब कहने लगे। इस झूठे परिचय से बीर पर अमीरी का ऐसा नशा चढ़ा कि वह इंसानियत को भूल गया। पहले जिन बातों के लिए वह जमीदारों की निंदा किया करता था, वही काम वह खुद करने लगा। उसके इस बदले हुए व्यवहार से ईश्वरी भी चिंतित रहने लगा। एक दिन ईश्वरी के साथ घर लौटते समय ट्रेन खचाखच भरी थी। बीर को बर्दाश्त नहीं हुआ कि उसकी सीट पर कोई और बैठ जाये। वह अपने पास बैठे व्यक्ति की पिटाई कर देता है। ईश्वरी क्रोधित होकर बीर को फटकारता है। वह गुस्से में कहता है, बीर मैंने तुहारा मान बढ़ाने के लिए कुंवर के रूप में झूठा परिचय कराया तो तुम अपनी असली औकात ही भूल गए। झूठी शान की खातिर तुम्हारे अंदर की इंसानियत ही मर गई। अब तक तो मैं सहन करता रहा लेकिन आज के तुम्हारे व्यवहार ने मुझे बहुत दुःख पहुंचाया है। तुम मेरे दोस्त कहलाने के काबिल नहीं। मैं इसी समय तुमसे दोस्ती खत्म करता हूं। इतना सुनते ही बीर पर चढ़ा नकली धनवान होने का नशा काफूर हो जाता है और फिर से वही गरीब बीर की आत्मा में लौट आता है। बीर की भूमिका में आरिश जमील, ईश्वरी की भूमिका में प्रशांत वर्मा, जमीदार की भूमिका में रमेश चंद ने अपने अभिनय से दर्शकों को बहुत प्रभावित किया। आकांक्षा देवी, अफसार, उत्कर्ष गुप्ता, कीर्ति चौधरी, अब्दुल्ला ने भी अपनी भूमिका बखूबी निभाई। प्रकाश व्यवस्था संदीप यादव, संगीत संयोजन मनोज गुप्ता, रूप सज्जा संजय चौधरी, मंच व्यवस्था अंकित पांडेय, ज्योति यादव की थी। मंच संचालन निशा यादव ने किया।

रश्मिका बनी सीएमएफ की ब्रांड एंबेसडर

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना सीएमएफ प्रोडक्ट की ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं। लंदन की टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग के सब-ब्रांड सीएमएफ ने भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। नथिंग इंडिया ने कहा कि रश्मिका मंदाना का सीएमएफ परिवार में स्वागत करते हुए हम बहुत खुश हैं। सीएमएफ बाय नथिंग रोजमर्रा के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए खूबसूरत, फंक्शनल और थॉटफुल डिवाइस तैयार करने की हमारी फिलॉसफी को प्रस्तुत करता है। हमारा मानना है कि टेक्नोलॉजी न केवल इनोवेटिव होनी चाहिए, बल्कि हमें खुश करने और खुद को अभिव्यक्त करने का स्रोत भी होनी चाहिए। रश्मिका मंदाना के डायनेमिक और जीवंत व्यक्तित्व के साथ ही काम के प्रति उनके समर्पण के कारण वे सीएमएफ बाय नथिंग के लिए पहली पसंद रही हैं। इसीलिए हम रश्मिका के साथ अपने ब्रांड को प्रस्तुत करने और ग्राहकों को प्रेरित करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

गोवा में दोस्त के साथ छुट्टियां मना रही सैयामी खेर

आजकल एक्ट्रेस सैयामी खेर गोवा में अपनी दोस्त के साथ छुट्टियां मना रही हैं। सैयामी खेर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्लिप और एक फोटो शेयर की। छुट्टियों के दौरान भी वह अपनी फिटनेस का खास ध्यान रख रही हैं। पहले वीडियो में एक्ट्रेस अपनी दोस्त के साथ गोवा की सड़कों पर दौड़ती नजर आ रही हैं। सैयामी ने एथलीजर पहना हुआ है।

सैयामी ने क्लिप के कैप्शन में लिखा, निशी के साथ गोवा रन। अभिनेत्री ने रनिंग (दौड़) के बाद अपनी दोस्त के साथ एक फोटो शेयर की और कैप्शन में लिखा, निशी के साथ 10 किमी की दौड़... मैंने इसे कितना मिस किया। सैयामी इन दिनों आयरन मैन मैराथन के लिए अपनी फिटनेस पर काम कर रही हैं। इसके लिए उनकी ट्रेनिंग में इनडोर और आउटडोर एक्सरसाइज का कॉम्बिनेशन शामिल है। बता दें कि सैयामी खेर अपने फिटनेस को लेकर बेहद सतर्क है। इसके लिए वह दूसरों को भी प्रेरित करते रहती है।

सूडोकु नवताल- 6847

मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6846 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्दजाल - 7594

प्र	अ	मे	बॉ	क्सा	इ	ट	मैं	र	प	गो	
न	का	क	अ	भ्र	क	ने	ग	ति	मा	यू	
डो	दा	र	ला	मा	ग	अं	नी	ह	प	रे	
ज	लो	ल	का	को	न	स	ज	ह	लि	नि	
त	अ	मा	र	न	य	मे	ह	तां	न	य	
अ	ना	का	इ	व	प	ला	त	बा	र	म	
ग	ही	लौ	मा	ट	अ	ला	को	मा	न	ग	
र	रा	भा	ह	न	प	स	र	ल	वि	ला	
क	न	बा	अ	अ	का	र	ण्ड	न	जू	दे	
र	का	ति	मा	न	य	क	म	का	प	श	
बां	र	ल	प	रु	स	स्क	त्ता	प	र	र	

शब्द जाल में 10 खनिजों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

बॉक्साइट, अभ्रक, यूरेनियम, कोयला, तांबा, डोलोमाइट, मैंगनीज, हीरा, लौह अयस्क, कोरण्डम

शब्दजाल - 7593 का हल

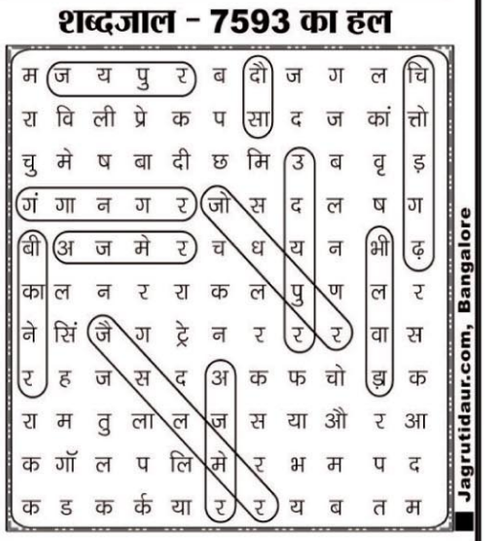

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6547

3			6	4		1
4	33	4	40	7	31	2
	2	6	3		1	
1	29		37		35	5
	1		4	3	5	
6	30	2	24	1	30	3
5		1	4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6546 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

दूसरा विमेंस टी-20 बारिश के कारण बेनतीजा : साउथ अफ्रीका ने 177 रन बनाए, तजमिन ब्रिट्ज की फिफ्टी; वस्त्राकर-दीप्ति को 2-2 विकेट

चेन्नई।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच विमेंस टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा। चेन्नई में मेहमान टीम ने टॉस हारकर पहले बैटिंग की। ओपनर तजमिन ब्रिट्ज ने लगातार दूसरे टी-20 में फिफ्टी लगाई। उनकी फिफ्टी के सहारे टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 177 रन बना लिए। साउथ अफ्रीका से अनेके बोश ने 32 बॉल पर 40 रन की पारी खेली। भारत से पूजा वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। पहली पारी खत्म होते ही चेन्नई में बारिश होने लगी। इस कारण भारत की बैटिंग शुरू नहीं हो सकी। पहला टी-20 जीतकर साउथ अफ्रीका सीरीज में 1-0 से आगे है। तीसरा टी-20 मैच 9 जुलाई को चेन्नई में ही खेला जाएगा।

ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत - चेपॉक स्टेडियम में साउथ अफ्रीका को ओपनर्स ने दूसरे टी-20 में भी तेज शुरुआत दिलाई। कप्तान लौरा वोल्वार्ट और ब्रिट्ज ने 4 ही ओवर में 43 रन बना दिए। 5वें ओवर में वस्त्राकर ने वोल्वार्ट को कैच आउट कराया और भारत को पहली सफलता दिलाई। कप्तान ने 22 रन बनाए।

ब्रिट्ज की लगातार दूसरी फिफ्टी - पहले टी-20 में 81 रन की मैच विनिंग पारी खेलने वालीं ओपनर ब्रिट्ज ने इस मैच में भी फिफ्टी लगा दी। उन्होंने 39 बॉल पर 52 रन बनाए। उनके सामने मारिजान कैप 14 बॉल में 20 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों को दीप्ति शर्मा ने पवेलियन भेजा।

अनेके बोश ने 160 पार पहुंचाया स्कोर - 113 रन के स्कोर पर साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से अनेके बोश ने एक एंड संभाल लिया। उनके सामने क्लो ट्रायन 12 और नदिन डी क्लर्क 14 रन बनाकर आउट हुईं। 19वें ओवर की आखिरी बॉल पर बोश भी 40 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। उन्होंने टीम का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया। साउथ अफ्रीका ने 6 विकेट खोकर 177 रन का स्कोर खड़ा किया। पूजा वस्त्राकर ने 2 विकेट लिए। वहीं श्रेयांका पाटिल और राधा यादव को 1-1 सफलता मिली।

भारत ने 12 रन से गंवाया था पहला टी-20 - भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 3 टी-20 की सीरीज खेली जा रही है। तीनों मैच चेन्नई में हैं, साउथ अफ्रीका ने पहला मुकाबला 12 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी। दूसरा टी-20 बारिश के कारण बेनतीजा रहा। तीसरा मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा, अगर यह मुकाबला भारत ने नहीं जीता तो टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार दूसरी टी-20 सीरीज गंवा देगी।

न्यूज ब्रीफ

एल्ड्रिन, अंकिता ने इस आधार पर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया भारतीय एथलीटों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक को शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और सभी एथलीट इसमे अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। इस बीच लंबी कूद के भारतीय एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन और 5000 मीटर की धाविका अंकिता ध्यानी ने भी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। इन दो एथलीटों ने विश्व रैंकिंग कोटे के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया जिससे भारतीय एथलेटिक्स टीम में सदस्यों की संख्या बढ़कर 30 हो गई। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी। लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एल्ड्रिन और अंकिता का नाम विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) द्वारा प्रकाशित नवीनतम सूची में शामिल है। राष्ट्रीय महासंघों ने अंतरराष्ट्रीय संस्था को अपने उन एथलीटों के बारे में सूचित किया जो कट बनाने के बावजूद विभिन्न कारणों से पेरिस में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। इसी तरह का उदाहरण भारत के शीर्ष लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर का है, जिन्हें 8.27 मीटर के क्वालिफिकेशन मानक से सीधे प्रवेश करने के बावजूद चोट के कारण खेलों से बाहर होना पड़ा। एल्ड्रिन सूची में 31वें स्थान पर हैं, जबकि 32 खिलाड़ी ओलंपिक में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में भाग लेंगे। अंकिता को 42वें स्थान पर रखा गया जो अंतिम रैंकिंग स्थान है। दो जुलाई को दोनों ही क्वालीफिकेशन ब्रैकेट से बाहर थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि दोनों को भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, हां, ये दोनों विश्व रैंकिंग के जरिए सूची में शामिल हुए हैं और उन्हें ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम 9 और 12 जुलाई को म्यांमार से खेलेगी मैत्री मैच 23 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम म्यांमार के खिलाफ 9 और 12 जुलाई को दो मैत्री मैच खेलेगी। इसके लिए 23 सदस्यीय भारतीय महिला फुटबॉल टीम घोषित कर दी गयी है। भारतीय टीम की मुख्य कोच चाओबा देवी ने कहा है कि इस टीम में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण है। साथ ही कहा कि टीम का संयोजन अच्छा है। उन्होंने कहा कि पिछले महीने उज्बेकिस्तान के साथ खेलने के बाद हमने 10 दिनों के अंदर ही अपना राष्ट्रीय अभ्यास शिविर शुरू कर दिया था जिसका भी लाभ हमें मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सभी खिलाड़ी फिट हैं जो हमारे लिए एक अच्छा संकेत है। ये सभी खिलाड़ी अब तक अपने-अपने क्लबों में अभ्यास कर रही थीं। भारतीय महिला फुटबॉल टीम उज्बेकिस्तान दौरे में एक मैच में 0-3 से हार गयी थी जबकि दूसरे मैच में मुकाबला बराबरी पर रहा था।

डायमंड लीग में अविनाश साबले ने दिखाया दम, तोड़ा अपना ही राष्ट्रीय स्टीपलचेज रिकॉर्ड

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके अविनाश साबले ने डायमंड लीग में 8 मिनट और 9.91 सेकंड का समय लेकर छठा स्थान हासिल करते हुए 3000 मीटर स्टीपलचेज का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने 2022 में बनाए गए अपने पहले के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 8: 11.20 से करीब 1.5 सेकंड बेहतर प्रदर्शन किया। इथियोपिया के अब्राहम सिमे 8: 02.36 के समय से कीनिया के अमोस सेरेम ((8: 02.36) से 'फोटो फिनिश' में पहले स्थान रहे। कीनिया के अब्राहम किबिवोट 8: 06.70 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने दो साल पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और वह इसे तोड़ने में सफल रहे। यह उनका 10वां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन रहा। वहीं पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक दल के सदस्य किशोर जेना का संघर्ष जारी रहा और वह 78.10 मीटर के प्रयास से आठवें स्थान पर रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 87.54 मीटर है और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 80.84 मीटर है। पिछले साल एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले जेना का इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर का थ्रो लगाया था।

भारत ने हॉकी में जीते हैं सर्वाधिक पदक टेनिस में अच्छा नहीं रहा है प्रदर्शन

नई दिल्ली।

पेरिस ओलंपिक का काउंडटाउन शुरू हो चुका है और भारतीय दल इसके लिए पूरी तरह है। भारत को इस बार उम्मीद है कि पेरिस में खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वहीं, लंबे अरसे बाद टोक्यो 2020 में पदक का सूखा समाप्त करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की नजरें अब स्वर्ण पदक पर रहेंगी। भारत ने 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से इन खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता है। भारत अब तक हॉकी में कुल 12 पदक जीत चुका है जिसमे आठ स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

भारत ने 41 साल का सूखा किया था समाप्त

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में जर्मनी को 5-4 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इस तरह ओलंपिक खेलों में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था। यह 1980 में मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उसका पहला पोडियम फिनिश था। यह भारत का हॉकी में तीसरा कांस्य पदक भी था। इस बार पुरुष टीम की कोशिश पदक का रंग बदलने पर रहेगी। टीम से ज्यादा उम्मीद इसलिए भी होगी क्योंकि महिला हॉकी टीम पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी है।

भारत को इस बार एथलेटिक्स से भी काफी उम्मीदें है जिसमे पिछली बार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था। 121 साल में पहली बार भारत को ट्रैक एंड फील्ड में स्वर्ण पदक हासिल हुआ था। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने भारोत्तोलन, बैडमिंटन, हॉकी, मुक्केबाजी, कुश्ती और एथलेटिक्स में पदक अपने नाम किए थे। दिलचस्प बात यह है कि भारत का ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हॉकी में रहा है और देश ने सबसे ज्यादा पदक इसी खेल में जीते हैं।

हॉकी में भारत ने कब-कब जीते पदक

भारत के लिए हॉकी में स्वर्णिम युग की शुरुआत 1928 में एम्स्टर्डम ओलंपिक से हुई थी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दिग्गज खिलाड़ी ध्यान चंद के नेतृत्व में 29 गोल किए और एक भी गोल खाए बिना अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद टीम ने 1932 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीता था और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था। भारत ने फिर 1936 बर्लिन ओलंपिक में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्णिम हैट्रिक लगाई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के चलते 1940 और 1944 में ओलंपिक खेलों का आयोजन नहीं किया गया था और फिर 1948 में लंदन ओलंपिक से भारत ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपने पहले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। भारत ने यहां भी अपनी छाप छोड़ी और हॉकी में लगातार चौथा स्वर्ण जीता। इसके बाद 1952 और 1956 में भी टीम स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही थी। भारत ने इस तरह लगातार छह ओलंपिक में हॉकी में स्वर्ण पदक जीते थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 1960 रोम ओलंपिक में पाकिस्तान से फाइनल में 0-1 से हार गई थी और इस तरह उसका स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला टूट गया था। भारत ने उस वक्त रजत पदक हासिल किया था। हालांकि, चार साल बाद फिर 1964 में टोक्यो ओलंपिक में भारत ने स्वर्ण पदक जीता। इस बार टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को मात दी और पुरानी हार का बदला चुकता किया। 1968 में मेक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उसे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, टीम ने वेस्ट जर्मनी को हराकर कांस्य पदक जीता। 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में भी टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। उस समय सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराया था, लेकिन भारतीय टीम ने नीदरलैंड को हराकर ओलंपिक में दूसरा कांस्य पदक जीता था। 1980 मॉस्को ओलंपिक में पुरुष हॉकी टीम ने फिर अपना दबदबा बनाया और स्पेन को हराकर आठवीं बार ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का दबदबा इसके बाद लंबे समय तक गायब रहा और टीम टोक्यो 2020 से पहले तक कोई पदक नहीं जीत सकी थी। हालांकि, भारत ने टोक्यो में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया, लेकिन ओलंपिक में 44 साल से हॉकी में भारत स्वर्ण नहीं जीत सका है।

टेनिस में आया है सिर्फ एक पदक

भारत ने 1924 के पेरिस ओलंपिक में टेनिस में अपना डेब्यू किया था। चार पुरुष और एक महिला खिलाड़ियों ने सिंगल्स वर्ग में हिस्सा लिया। पुरुष डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में दो जोड़ियों ने हिस्सा लिया। हालांकि, इस खेल में भारत का प्रदर्शन ओलंपिक में बेहतर नहीं रहा है और देश ने अब तक सिर्फ एक पदक जीता है। भारत को 1996 में एटलांटा ओलंपिक में लिएंडर पेस ने कांस्य पदक दिलाया था जो ओलंपिक में टेनिस में भारत का एकमात्र पदक है। पेस ने उस वक्त फर्नांडो मेलिगेनी को हराकर पोडियम फिनिश किया था।

डायमंड लीग में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक के लिए लय हासिल करने उतरेंगे जेना और साबले

पेरिस।

ओलंपिक की तैयारियों को बेहतर करने के लिए भारत के स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले और भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना यहां पेरिस डायमंड लीग मुकाबलों में उतरेंगे। इससे साबले और जेना को पेरिस के माहौल में ढ़लने का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ियों से मुकाबला का अवसर मिलेगा। इससे उन्हें पल चल जाएगा कि ओलंपिक के लिए उन्हें कितने सुधार और करने है।

दोनों ने ही ओलंपिक से पहले अधिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है पर अब वे पेरिस के हालातों के अनुसार ढलने का प्रयास कोशिश करेंगे। साबले ने अभी तक दो 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धाओं में हिस्सा लिया है।

उन्होंने पोर्टलैंड में 8: 21.85 और पंचकुला में 8: 31.75 का समय निकाला था जबकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 8: 11.20 है। इस खिलाड़ी ने कहा, ''मैंने पिछले दो साल में अपने मुकाबलों में गलतियां की हैं जिन्हें में सुधारना चाहता हूं।''वहीं जेना का भी अब तक का सफर अच्छा नहीं रहा है।

उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर के थ्रो लगाये। इस प्रकार उनका अब तक का प्रदर्शन ओलंपिक स्तर से काफी कम रहा हालांकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 87.54 मीटर है जो उन्होंने 2023 एशियाड में रजत पदक जीतकर हासिल किया था।

बर्थडे स्पेशल : 52 साल के हुए सौरव गांगुली सोशल मीडिया पर लगा बधाइयों का तांता

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट में दादा के नाम से मशहूर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। प्रिंस ऑफ कोलकाता के नाम से भी मशहूर सौरव गांगुली को भारत के सबसे सफल क्रिकेटरों में से एक माना जाता है। गांगुली ने एमएस धोनी, हरभजन सिंह और जहीर खान जैसे कई सफल खिलाड़ियों को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। भारतीय क्रिकेट के दादा 1996 में लॉर्ड्स में अपने यादगार टेस्ट डेब्यू शतक के चार साल बाद 2000 में कप्तान बने। इसके बाद उन्होंने युवराज सिंह और मोहम्मद कैफ जैसी युवा प्रतिभाओं को तैयार किया। गांगुली के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2-1 से जीती। 2002 में एक यादगार पल तब आया जब नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की वापसी के बाद दादा ने लॉर्ड्स की बालकनी पर अपनी जर्सी उतार दी। इसके बाद उन्होंने भारत को 2003 के वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया, जहां ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। गांगुली ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का भी नेतृत्व किया। फ्रेंचाइजी ने अपने पूर्व कप्तान को शुभकामनाएं दीं और एक्स पर अपने पोस्ट का शीर्षक दिया, महाराजा, दादा, प्रिंस ऑफ कोलकाता, हैप्पी बर्थडे सौरव गांगुली। मुनाफ पटेल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, भारतीय क्रिकेट टीम के विकास में इस व्यक्ति का बहुत बड़ा हाथ है। हैप्पी बर्थडे लीजेंड। आपके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं दादा। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा, आप हैं, आप थे और आप हमेशा एक प्रेरणा रहेंगे। प्यार करता हूं दादा और आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। गांगुली ने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की और 2012 तक इंडियन प्रीमियर लीग में खेले। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले, जिसमें 18,575 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए।

पहला सेट गंवाने के बाद जोकोविच ने की शानदार वापसी, प्री क्वार्टर फाइनल में अब इससे होगा सामना

लंदन।

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विंबलडन के सात बार के चैंपियन जोकोविच ने एलेक्सेई पोपिरिन के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की और चार सेटों में जीत दर्ज कर पुरुष सिंगल्स वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने विंबलडन में लगाए 1000+ ऐस

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने पोपिरिन को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। इसी के साथ जोकोविच ने विंबलडन में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। जोकोविच विंबलडन में 1000 से अधिक ऐस लगाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। जोकोविच से पहले रोजर फेडरर, गोरान इवानिसेविच, पीट संप्रास, जॉन इस्नर और इवो कारलोविच ऐसा कर चुके हैं।

स्वियातेक का सफर समाप्त

महिला एकल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक को शिकस्त का सामना करना पड़ा। स्वियातेक को पहला सेट जीतने के बावजूद ऑल इंग्लैंड क्लब पर तीसरे दौर के मुकाबले में गैर वरीय यूलिया पुतिंत्सेवा ने 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। इसके साथ ही स्वियातेक का लगातार 21 मैच में जीत का अभियान भी थम गया। पांच बार की ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक को विंबलडन का ग्रास कोर्ट काफी रास नहीं आता है। 2022 में भी एलिज कोर्नेट ने तीसरे दौर में उन्हें हराकर उनके लगातार 37 मैच के विजयी अभियान पर रोक लगाई थी। पुतिंत्सेवा अगले दौर में 2017 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 13वीं वरीय जेलेना ओस्टापेंका से भिड़ेंगी। महिला सिंगल्स वर्ग में ही 21वीं वरीय एलेना स्वितोलिना ने 10वें नंबर की ओन्स जेब्युर को 6-1, 7-6 से हराया।

गत चैंपियन अल्काराज ने खिताब के लिए बढ़ाए कदम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, अब इस खिलाड़ी से सामना

लंदन।

गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इसके साथ ही अल्काराज खिताब बचाने के अभियान में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट पर उगो हम्बर्ट पर 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से आसान जीत दर्ज की। यह नौवीं बार है जब अल्काराज किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम आठ दौर में पहुंचने में सफल रहे हैं।

अल्काराज इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले संयुक्त रूप से स्पेन के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस सूची में सबसे आगे 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता राफेल नडाल हैं जिन्होंने 47 बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम आठ दौर में जगह बनाई है। उनके बाद डेविड फेरेर का नंबर है जिन्होंने 17 बार मेजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। दिलचस्प बात यह है कि फेरेर ने करियर में कभी कोई ग्रैंडस्लैम नहीं जीता है। अल्काराज जुआन कार्लोस फेरेरो और मैनुअल ओरांटेस की बराबरी पर पहुंच गए हैं जिन्होंने अल्काराज की तरह ही नौ बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है।

अल्काराज ने मैच खत्म होने के बाद कहा, मुझे लगता है कि मैं इस मैच में अच्छा खेला और मैंने काफी ऊंचे स्तर का खेल दिखाया। अल्काराज का सामना अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा जिन्होंने पुरुष सिंगल्स वर्ग के एक अन्य मुकाबले में स्पेन के रोबर्टो बतिस्ता ऑगुट को हराया। पॉल पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।

पाओलिनी को मिला वॉकओवर

महिलाओं के वर्ग में फ्रेंच ओपन की उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी अपने पहले विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं क्योंकि चौथे दौर के तीसरे सेट में मेडिसन कीज पैर की चोट के कारण रिटायर हो गईं, तब स्कोर 5-5 था। इटली की खिलाड़ी जैस्मीन ने पहला सेट 6-3 से जीता था, जबकि 2017 यूएस ओपन की उपविजेता कीज ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम किया था। जैस्मीन इस तरह पेशेवर युग में विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली इटली की पांचवीं महिला खिलाड़ी बनीं और अब वह सेमीफाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगी। जैस्मीन का सामना एम्मा नावारो से होगा जिन्होंने एक अन्य मुकाबले में कोको गॉफ को मात दी।

रोहित परिवार के साथ छुट्टियां मनाने निकले

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा अपने परिवार सहित छुट्टियां मनाने के लिए निकल गये हैं। रोहित ने टी20 विश्वकप में जीत के साथ ही इस प्रारुप को अलविदा कह दिया है। अब जबकि अगली सीरीज में समय है, ऐसे में तरोताजा होने रोहित अपनी पत्नी रितिका और बेटी समायरा के साथ छुट्टियां मनाने के लिए गये हैं। रोहित को मुंबई एयरपोर्ट पर परिवार के साथ देखा गया जहां से वह छुट्टियां मनाने के लिए आगे निकल गए। रोहित पिछले काफी समय से लगातार खेल रहे हैं। विश्वकप से पहले उन्होंनें आई पीएल भी खेला था। ऐसे में उनका कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहा है। विश्वकप के बाद भी तीन तूफान के कारण चार दिन बारबाडोस में फंसी हुई थी। वहीं से वापसी के बाद टीम का स्वदेश में शानदार स्वागत हुआ। पहले नई दिल्ली में टीम प्रधामंत्री से मिलने गयी थी। उसके बाद टीम मुम्बई पहुंची जहां विजय परेड निकाली गयी। रोहित ने तब वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कहा कि जितनी बेसब्री हमें ट्रॉफी जीतने की थी, उससे कहीं ज्यादा प्रशंसकों में थी और ये उनकी खुशी और जश्न को देखकर समझा जा सकता है। मैं अपनी टीम और बीसीसीआई की ओर से प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 11 सालों से वे ट्रॉफी भारत में वापस चाहते हैं। विश्वकप में रोहित ने शानदार बल्लेबाजी और कप्तानी की थी। फाइनल मैच में विराट कोहली के अर्धशतक के साथ ही सूर्यकुमार यादव ने अंतिम ओवर में जो कैच पकड़ा था। उसकी भी जमकर चर्चाएं हुई थीं। भारतीय टीम विश्वकप में सभी मैच जीती थी।

সত্যমেৱ জয়তে

Government of Assam

Department of Food, Public Distribution & Consumer Affairs

An innovative measure towards ensuring Food Security

In view of the ongoing flood situation

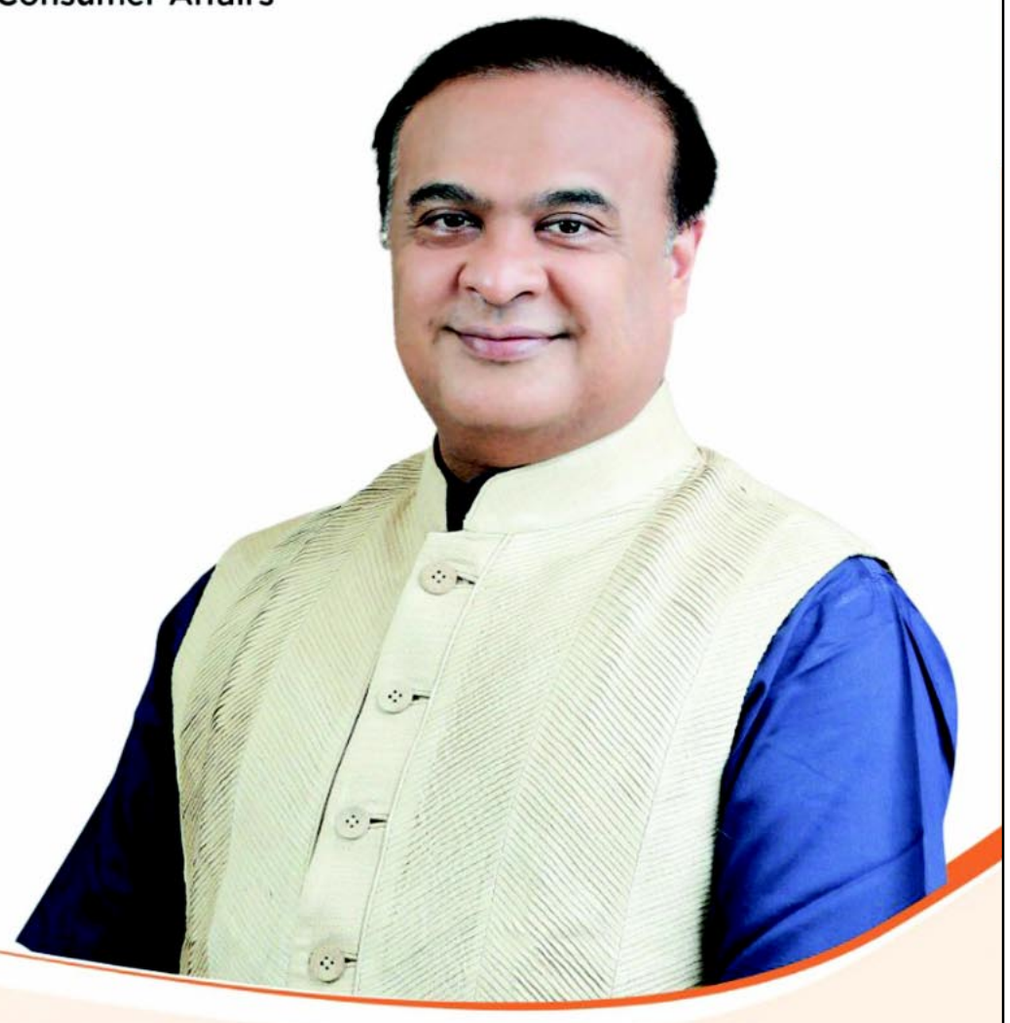

ANNA SEWA DIN

(July 1-10)

Extended till

15 July 2024

During these Special Days

Under National Food Security Act

For beneficiaries under 'Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana'

35 kg rice — **Antyodaya Anna Yojana (AAY)** Per month, per family

5 kg rice — **Priority Household (PHH)** Per month, per beneficiary

will be provided

Households covered **66,26,421**

Beneficiaries covered **2,31,49,341**

'To do' for Beneficiaries

- Collect free rice from Fair Price Shops during these days
- Collect receipts generated by e-Pos machines against the rice received

Collect your entitled rice from the concerned Fair Price Shop through e-PoS devices

'To do' for Fair Price Shops

- Mandatorily inform beneficiaries about Anna Sewa Din through wide publicity
- Keep the shop open throughout the day during Anna Sewa Din
- Ensure full distribution of rice entitled to beneficiaries during Anna Sewa Din
- Produce receipts of e-Pos machines against rice received by the beneficiaries

If any beneficiary does not receive due quantity of free rice

Contact 1800-345-3611 | 1967 (toll free) between **9 AM to 6 PM**

-- Janasanyog /D/2271/24/9-Jul-24

Published by **Directorate of Information and Public Relations, Assam** | Connect with us @diprassam | dipr.assam.gov.in